सुप्रीम टिप्पणी : देश की न्यायपालिका को ध्वस्त कर देना चाहते हैं आप लोग - 12

भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात नवंबर में पांच माह के उच्च स्तर पर - 12

चीन की गतिविधियों में वृद्धि के बाद जापान अमेरिका का सैन्य अभ्यास - 13

सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारी से भारत ने अंडर-19 एशिया कप में यूएई को 234 रन से हराया- 14

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.48 सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष नवमी, 04:38 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 13 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 113, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

डिजिटल होगी जनगणना, 11,718 करोड़ मंजूर

इस कार्य को 30 लाख कर्मचारी दो चरणों में करेंगे, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की जनगणना 2027 देश के इतिहास में पहली बार पूरी तरह डिजिटल होगी। सरकार का कहना है कि यह नई व्यवस्था डेटा की सुरक्षा, तेजी और पारदर्शिता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। दो चरणों में होने वाली यह जनगणना देश के हर व्यक्ति और हर घर की जानकारी डिजिटल तरीके से दर्ज करेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। यह पूरी जनगणना डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगी। दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगा।

वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके दूर दराज के क्षेत्रों के लिए जनगणना कवायद सितंबर 2026 में होगी। जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एकत्र किए जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के इस विशाल कार्य को पूरा करेंगे। डेटा का प्रसार कहीं बेहतर और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से होगा ताकि नीति-निर्माण के लिए आवश्यक मापदंडों से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर एक बटन क्लिक करने पर उपलब्ध हो सकें।

अनुपयोगी 71 कानून होंगे निरस्त

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उन 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी जिनकी उपयोगिता कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। निरस्त किए जाने वाले प्रस्तावित कानूनों में से कम से कम एक कानून ब्रिटिश काल का है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों को रद्द करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है जिनकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। संसद द्वारा संशोधन पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाहित हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनावश्यक बोझ डालता है। अब तक 1,562 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया जा चुका है।

परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी को अनुमति देने संबंधी प्रस्तावित विधेयक पर मुहर लगाई गई। इसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को पूरा करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में अपने बजट भाषण में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोलने की योजनाओं की घोषणा की थी। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ के परिव्यय के साथ परमाणु ऊर्जा मिशन की भी घोषणा की।

बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई को मंजूरी

नई दिल्ली। देश में बीमा कवरेज बढ़ाने और इस क्षेत्र में अधिक पूंजी आकर्षित करने के लक्ष्य के तहत केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। यह विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जा सकता है। लोकसभा के एक बुलेटिन के मुताबिक, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 को संसद के मौजूदा सत्र की कार्यसूची में शामिल किया गया है।

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक स्थापित करने वाले विधेयक को किया गया मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूजीसी और एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित करने वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित विधेयक जिसे पहले भारत का उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) विधेयक नाम दिया गया था, अब विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक के नाम से जाना जाएगा। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित एकल उच्च शिक्षा नियामक का उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) को प्रतिस्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया, विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण की स्थापना से संबंधित विधेयक को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। यूजीसी गैर-तकनीकी उच्च शिक्षा क्षेत्र की, जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा की देखरेख करती है और एनसीटीई शिक्षकों की शिक्षा के लिए नियामक निकाय है। प्रस्तावित आयोग को उच्च शिक्षा के एकल नियामक के रूप में स्थापित किया जाएगा, लेकिन मेडिकल और लॉ कॉलेज इसके दायरे में नहीं आएंगे। इसके तीन प्रमुख कार्य प्रस्तावित हैं- विनियमन, मान्यता और व्यावसायिक मानक निर्धारण। वित्त पोषण, जिसे चौथा क्षेत्र माना जाता है, अभी तक नियामक के अधीन प्रस्तावित नहीं है। वित्त पोषण की स्वायत्तता प्रशासनिक मंत्रालय के पास प्रस्तावित है।

चार उड़ान परिचालन निरीक्षक निलंबित

मुंबई, एजेंसी

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने इंडिगो के परिचालन में भारी व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में चार उड़ान परिचालन निरीक्षकों (एफओआई) को निलंबित कर दिया है। उड़ान परिचालन निरीक्षक (एफओआई), डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी होते हैं जो इसके नियामक एवं सुरक्षा निरीक्षण कार्यों को अंजाम देते हैं और अकसर विमानन कंपनी के परिचालन की निगरानी के लिए तैनात किए जाते हैं। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोरक्वेरास शुक्रवार को डीजीसीए द्वारा नियुक्त चार सदस्यीय जांच समिति के समक्ष दूसरी बार पेश हुए। अपनी जांच के तहत, समिति इस प्रमुख घरेलू विमानन कंपनी में व्यापक परिचालन व्यवधानों के मूल कारणों की पहचान करेगी।

वहीं, इंडिगो के परिचालन में चल रही समस्याओं के मद्देनजर इस विमानन कंपनी ने शुक्रवार को दो प्रमुख हवाई अड्डों दिल्ली और बेंगलुरु पर लगभग 160 उड़ानें रद्द कर दीं। बृहस्पतिवार को इस विमानन कंपनी ने इन दोनों हवाई अड्डों पर 200 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं। सूत्रों ने कहा, इंडिगो ने शुक्रवार को दिल्ली और बेंगलुरु में 159 उड़ानें रद्द कर दी हैं।

इंडिगो संकट

- डीजीसीए ने की कार्रवाई, दिल्ली और बेंगलुरु में 160 उड़ानें रद्द

एयरलाइंस ने अमेरिकी कंपनी को सौंपी जांच

नई दिल्ली। इंडिगो ने बड़े पैमाने पर देरी के कारणों की जांच की जिम्मेदारी एक अमेरिकी कंपनी को सौंपी है। इंडिगो ने बताया कि निदेशक मंडल ने बताया कि यह जांच विमानन संरक्षा से जुड़े दिग्गज कैप्टन जॉन इलसन के नेतृत्व में होगी जो अमेरिकी विमानन नियामक एफएए, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात संघ के अलावा कई बड़ी वैश्विक एयरलाइंस के साथ काम कर चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज

आईएसआईएस से जुड़े संदिग्ध के घर पर एनआईए ने मारा छापा

हजारीबाग। एनआईए की एक टीम ने आईएसआईएस आतंकी नेटवर्क से कथित संबंध के आरोप में झारखंड के हजारीबाग जिले में एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा। टीम ने छापे के दौरान एक लैपटॉप, एक प्रिंटर और अन्य उपकरण जब्त किए जिनका इस्तेमाल आतंकी संबंधों के लिए किया जा सकता था। जिला पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की कि ये छापे एनआईए की एक टीम द्वारा मारे गए थे। यह कार्रवाई एनआईए द्वारा पहले गिरफ्तार किए गए एक डॉक्टर से मिली सूचना के आधार पर की गई थी। यह अभियान संदिग्ध आतंकवादी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत चलाया जा रहा है, जिसे दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने अक्टूबर 2023 में गिरफ्तार किया था।

तीन चिकित्सकों, मौलवी को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट के मामले में गिरफ्तार किए गए तीन चिकित्सकों और एक मौलवी को दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में एक अन्य आरोपी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को भी पेश किया गया, ताकि उसकी आवाज के नमूने की प्रामाणिकता सुनिश्चित की जा सके। चार आरोपी डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ अदील राथर, डॉ शहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे को उनकी चार दिन की एनआईए हिरासत अवधि समाप्त होने पर अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

खेत की मेड़ से बनेगी प्रदेश की कृषि नीति : मुख्यमंत्री

किसानों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरख ब्लॉक के दौलतपुर में पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के हाईटेक फार्म से प्रदेश की नई कृषि दिशा की घोषणा करते हुए कहा कि अब खेती की योजनाएं लखनऊ के सचिवालय में नहीं, किसानों के खेत पर बैठकर बनाई जाएंगी। किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कड़ी में प्रदेश के 28 जिलों में 4000 करोड़ रुपये की लागत से कृषि ग्रोथ की नई परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। दौलतपुर में गन्ना और केले का टिशू कल्चर केंद्र भी स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब योजनाएं खेत की मेड़ पर बैठकर बनेंगी तो उत्तर प्रदेश देश ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी कृषि की नई पहचान बनाएगा। किसानों की समृद्धि ही सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बाराबंकी के हरख में रबी सत्र किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन कृषि उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत है। यह साबित करता है कि यूपी का किसान मेहनती ही नहीं, बल्कि नवाचार के लिए भी अग्रसर है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और आधुनिक बाजार से जोड़कर उनकी आय दोगुनी से आगे बढ़ाते हुए तीन गुना तक की दिशा में ले जाया जाए।

2017 से पहले लागत अधिक और मुनाफा कम था : योगी

योगी ने कहा कि 2017 से पहले किसानों की लागत अधिक और मुनाफा कम था। बिचौलियों का वर्चस्व था, लेकिन अब यह समाप्त हो चुका है। डबल इंजन सरकार ने एमएसपी वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों पर सब्सिडी, डिजिटल मंडी, ई-खरीद और फूड प्रोसेसिंग योजनाओं के माध्यम से किसानों को सीधे लाभान्वित किया है।

आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ की मौत, 22 घायल

चिंतूर। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं।

- अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बस सड़क से फिसलकर नीचे गिरकर पलटी

एसपी अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। बरदार ने बताया, बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई और वहीं फंस गई। उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। अधिकारी के अनुसार, संभवतः घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। प्रधानमंत्री ने बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया।

15000 फीट की ऊंचाई पर फंसा स्काईडाइवर

ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड में 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्काईडाइवर का इमरजेंसी (रिजर्व) पैराशूट अचानक खुलकर प्लेन के पिछले विंग में फंस गया। यह घटना स्काईडाइवर के प्लेन से कूदने से ठीक पहले हुई, जिसमें स्काईडाइवर काफी देर तक हवा में लटका रहा। इसके बाद उसने पैराशूट की सभी 11 रस्सियां काटकर खुद को आजाद किया। ● एजेंसी

चांदी 5,100 रुपये बढ़कर 1.99 लाख प्रति किग्रा के नए शिखर पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को चांदी की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 5,100 रुपये बढ़कर 1,99,500 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की सतत वैश्विक मांग के बीच चांदी के भाव में तेजी आई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी गुरुवार को 2,400 रुपये बढ़कर 1,94,400 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इससे एक दिन पहले बुधवार को इसमें 11,500 रुपये की तेजी आई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, घरेलू बाजार में, हाजिर चांदी की कीमतों ने एक बार फिर नई ऊंचाई को छुआ। वहीं सोने के दाम में भी काफी बढ़ोतरी हुई, जो रिकॉर्ड स्तर के पास पहुंच गयी है। 99.9% शुद्धता वाला सोना 1,110 रुपये बढ़कर 1,33,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि पिछले सत्र में यह 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

- सोना 1,110 रुपये बढ़कर 1,33,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद

पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज का निधन

लातूर, एजेंसी

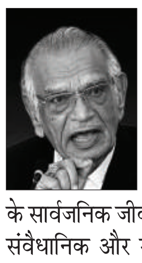

- 90 वर्षीय कांग्रेस नेता के निधन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र में उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया। पाटिल कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने अपने आवास 'देवघर' पर अंतिम सांस ली। वह 90 वर्ष के थे। पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

पाटिल के परिवार में बेटा शैलेश पाटिल, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। पाटिल अपने अंतिम दिनों तक कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार के प्रति वफादार रहे। पांच दशकों से अधिक के सार्वजनिक जीवन में कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और मंत्रिस्तरीय पदों पर कार्य किया। वर्ष 2008 में केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में पाटिल को भारी जनाक्रोश और मीडिया आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि जब मुंबई दस आतंकियों के अभूतपूर्व हमलों से जूझ रही थी, वे तीन अलग-अलग परिधानों में नजर आए थे।

खुदरा महंगाई ने फिर पकड़ी रफ्तार

मुद्रास्फीति बढ़कर 0.71% पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

- खाद्य पदार्थ महंगा होने से नवंबर में आया उछाल, अक्टूबर में 0.25% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी

खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अक्टूबर में यह 0.25 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी।

सीपीआई पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में लगातार दसवें महीने आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य के नीचे रही। यह लगातार दूसरा महीना है जब खुदरा मुद्रास्फीति एक प्रतिशत से भी कम रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति में 3.91 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि अक्टूबर में यह गिरावट 5.02 प्रतिशत थी। नवंबर में कुल (हेडलाइन) और खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस एवं मछली, मसाले, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति नवंबर में 2.32% रही, जो अक्टूबर में 1.98ङ थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि कुछ सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी और तुलनात्मक आधार सामान्य होते रहने से अगली खुदरा मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत को पार कर सकती है।

वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के बदलते परिदृश्य के साथ आगामी केंद्रीय बजट में घोषित होने वाले वित्तीय उपाय भी एमपीसी की अगली बैठक के फैसलों की राह दिखाएंगे।

सियासत

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव : आज दोपहर भरे जाएंगे नामांकन, 464 मतदाता करेंगे चुनाव

नामांकन से पहले राजधानी में बढ़ी सियासी हलचल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर राजधानी में शुक्रवार को सियासी हलचल और तेज हो गई। पार्टी ने मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें कुल 464 वोटर शामिल हैं। इनमें 5 लोकसभा सांसद, 26 विधायक, 8 विधान परिषद सदस्य और 425 प्रांतीय परिषद व जिला अध्यक्ष शामिल हैं। इसी चुनाव में राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी चयन होना है।

नामांकन दाखिल होते ही यह साफ होने लगेगा कि पार्टी किस चेहरे के नाम पर आगे बढ़ रही है। भाजपा में अधिकांश बार अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना जाता है, लेकिन नामांकन तक स्थिति साफ नहीं होती। राजधानी में बढ़ी सरगर्मी बताती है कि यूपी भाजपा का यह चुनाव संगठन के अगले कई वर्षों की दिशा और 2027 की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। रविवार को यूपी को नया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। इसी के साथ पार्टी का संगठन अगले चुनावी मिशनों के लिए नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। चुनाव अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया। इसके मुताबिक शनिवार 13 दिसंबर को दोपहर 2 से 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल होंगे। इसके बाद 3 से 4 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच और 4 से 5 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित है। यदि एक ही उम्मीदवार का नाम आता है तो अध्यक्ष निर्विरोध तय हो जाएगा। अन्यथा 14 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद दोपहर 1 बजे प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के नामों की आधिकारिक घोषणा होगी।

सहमति बनाने लखनऊ पहुंचे बीएल संतोष

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष शुक्रवार को दिल्ली से लखनऊ पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष पर सहमति बनाने की कमान संभाल ली। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में शीर्ष नेताओं के साथ करीब दो घंटे तक मंथन किया। सूत्र बताते हैं कि केंद्रीय नेतृत्व का फोकस वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी पर ज्यादा है। कुर्मी समाज से आने वाले पंकज चौधरी महराजगंज से लगातार सातवीं बार सांसद हैं और पूर्वांचल में भाजपा का प्रभावी ओबीसी चेहरा माने जाते हैं। उनका गोरखपुर में आवास है और परिवार एक ग्लोबल तेल कंपनी का संचालन करता है।

कौन होगा नया अध्यक्ष

भाजपा दफ्तर में शुक्रवार को नेताओं, विधायकों, सांसदों और संगठन के पदाधिकारियों की आवाजाही लगातार जारी रही। कई नामों पर कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेता मौन हैं। संभावित नामों में केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी व बीएल वर्मा, विद्यासागर सोनकर, श्रीकांत शर्मा, स्वतंत्रदेव सिंह, धर्मपाल सिंह और दिनेश शर्मा, रामशकल समेत महिला नेताओं में साध्वी निरंजन ज्योति, प्रियंका रावत, रेखा वर्मा शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब पेंशन व एरियर का अलग-अलग भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : चित्रकूट कोषागार में हुए 43 .13 करोड़ रुपये के पेंशन घोटाले के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पेंशन भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब पेंशन और एरियर का भुगतान एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग तिथियों में किया जाएगा। सरकार ने एनआईसी सॉफ्टवेयर में सुरक्षा से जुड़े आवश्यक परिवर्तन कराने का निर्देश दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी न हो सके। कोषागार निदेशक वी.के. सिंह ने बताया कि पेंशन और एरियर एक ही बार जारी होने की वजह से यह भारी गड़बड़ी संभव हो सकी। नए सिस्टम में किसी भी पेंशनर के खाते में एरियर के नाम पर अतिरिक्त भुगतान करना संभव नहीं होगा। साथ ही सरकार ने 2014 से ऑनलाइन हुए कोषागार कार्यों की विशेष ऑडिट कराने के भी आदेश दिए हैं। जांच में सामने आया कि 2018 से 2025 के बीच 93 पेंशनरों के खातों में गलत तरीके से 43 .13 करोड़ रुपये भेजे गए थे। सभी खातों को फ्रीज कर लिया गया है और अब तक 3 .62 करोड़ रुपये की रिकवरी हो चुकी है। इस मामले में कुल 97 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जिनमें कोषागार अधिकारी, कर्मचारी और पेंशनर शामिल हैं। पुलिस अब तक 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक सहायक लेखाधिकारी की मृत्यु हो चुकी है।

67 आईएएस अधिकारियों को मिला प्रमोशन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को 67 आईएएस अधिकारियों को प्रमोशन दिया है। इनमें चार अधिकारी वर्ष 2001 बैच के शशि भूषण लाल सुशील, अजय कुमार शुक्ला, अपर्णा यू और एसवीएस रंगाराव को सुपरटाइम वेतनमान के साथ प्रमुख सचिव बनाया गया है। वर्ष 2010 बैच के 19 आईएएस अफसरों को विशेष सचिव से सचिव के पद पर प्रमोशन मिला है। यह प्रमोशन 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। वहीं, आईएएस अधिकारियों का पदोन्नति के बाद तबादला संभव है। वर्ष 2010 बैच के आईएएस अखंड प्रताप सिंह, कुमार प्रशांत, नेहा शर्मा, मोनिका रानी, शंभु कुमार, योगेश कुमार, नितीश कुमार, भवानी सिंह खंगारौत, संदीप कौर, दुर्गाशक्ति नागपाल, रवींद्र कुमार और ओम प्रकाश आर्य को सचिव के पद पर पदोन्नोति दी गई है। इन्हें सुपर टाइम वेतमान 144200-2,18,200 रुपये दिया गया है। वहीं, के. बालाजी, आशुतोष निरंजन व सुजीत कुमार को सचिव के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। इन अफसरों को दो साल के अंदर मिड कैरियर प्रशिक्षण प्रोग्राम फेज-4 जरूर पूरा करना होगा।

52 वेटलैंड्स पर होगा पर्यटन विकास

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वन विभाग द्वारा प्रदेश में 52 वेटलैंड्स चिह्नित किए गए हैं, जिनके समग्र विकास और पर्यटन सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में हो रहे तेज परिवर्तन के अनुरूप अब विकास को समस्या नहीं, बल्कि समाधान पर केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इसमें वन विभाग का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पर्यटन मंत्री, शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित पर्यटन निदेशालय में उत्तर प्रदेश में इको टूरिज्म को नए आयाम देने के लिए पर्यटन एवं वन विभाग की संयुक्त बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना की मौजूदगी में चारों टाइगर रिजर्व, 10 रामसर साइट्स और चिह्नित वेटलैंड्स के एकीकृत विकास को लेकर चर्चा हुई। राज्य मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि इको टूरिज्म स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बनेगा।

एसआईआर को लेकर विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में हंगामे के आसार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 19 से 24 दिसंबर तक चलने वाले सत्र में चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट पेश होने की संभावना
- 10 से अधिक विधेयक पेश किए जाने की भी तैयारी

अमृत विचार: यूपी विधानसभा के 19 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र के एसआईआर प्रक्रिया के मुद्दे पर गरमाने के आसार हैं। इस मुद्दे पर फिलहाल सदन के बाहर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जो आरोप-प्रत्यारोप का दौर है, वही सिलिसला सदन के अंदर भी होने की संभावना है।

यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू होगा। यह 24 दिसंबर तक चलेगा। इसको लेकर शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। पांच दिवसीय सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधायी कार्य संपन्न कराएगी। ऐसे में कई विधेयक पेश किए जाने की भी तैयारी है।

माना जा रहा है कि सत्र के दौरान चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर सदन की कार्यवाही हंगामाखेज हो सकती है। वैसे भी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर हैं।

पांच दिवसीय सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधायी कार्य संपन्न कराएगी। मंगलवार को कैबिनेट बाय सर्कुलेशन के जरिये इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। इस दौरान सरकार चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी पेश कर सकती है।

प्रदेश की 14 प्रमुख सड़कों पर यात्रा होगी सुगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लगभग 71,192.39 लाख रुपये की सड़क परियोजनाओं को पीसीयू में शिथिलीकरण का प्रस्ताव पास

अमृत विचार: प्रदेश की 14 प्रमुख सड़कों पर अब यात्रा ज्यादा सुगम हो जाएगी। दरअसल, शासन ने लगभग 71,192.39 लाख रुपये की 14 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को पीसीयू में शिथिलीकरण का प्रस्ताव पास कर दिया है। प्रमुख सड़क परियोजनाओं के लिए पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू), के शिथिल हो जाने से यातायात जाम की समस्या से स्थायी निजात मिल जाने की संभावना शासन ने जतायी है, साथ ही क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को परियोजनाओं में उच्च विशिष्टियों एवं पीसीयू शिथिलीकरण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत 71,192.39 लाख रुपये की 14 प्रमुख सड़क परियोजनाओं के लिए पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) में शिथिलीकरण के प्रस्तावों को मुख्य सचिव ने स्वीकृति प्रदान की।

इन स्वीकृत परियोजनाओं में रामपुर में 8545.39 लाख रुपये की लागत से शाहबाद-रामपुर-बाजपुर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-144) के तहसील स्वार में 8.500 किमी लंबा बाईपास, आगरा में 2449.12 लाख रुपये से कस्बा बरहन का 3.950 किमी बाईपास और 5330.00 लाख रुपये से कस्बा कागारोल का 5.000 किमी बाईपास, बदायूं में 7502.50 लाख रुपये से बदायूं-बिजनौर मार्ग से बिल्सी नगर तक 7.00 किमी बाईपास तथा 4220.00 लाख रुपये की लागत से पुवायां-तिलहर-दातागंज-बदायूं मार्ग (राज्य मार्ग-126) के दातागंज आबादी भाग में 9.000 किमी बाईपास, मथुरा में 12526.22 लाख रुपये से बरसाना बाईपास मार्ग का 6.600 किमी चार लेन निर्माण, गोंडा में 2042.03 लाख रुपये से परसपुर 5.000 किमी बाईपास, उन्नाव में 2294.88 लाख रुपये से मौरावा आबादी भाग पर 2.60 किमी बाईपास तथा 358.15 लाख रुपये से बक्सर (मां चन्दिका देवी मन्दिर) पर 0.500 किमी बाईपास, झांसी में 989.16 लाख रुपये से दबोह-पुंछ-गुरसराय-टीकमगढ़ मार्ग पर समथर कस्बे में 2.250 किमी बाईपास का नव निर्माण किया जाएगा।

इसी क्रम में मिर्जापुर में 3555.77 लाख रुपये से देवरी हरबरा-मध्य प्रदेश बार्डर मार्ग की 10.500 किमी लंबाई, वाराणसी में 8168.39 लाख रुपये की लागत से ग्राम रमना में प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क के लिए 1.550 किमी चार लेन एवं 0.750 किमी दो लेन (कुल 2.300 किलोमीटर), मिर्ज़ापुर में 7147.43 लाख रुपये से डगमगपुर से इंडियन ऑयल टर्मिनल हिनौती तक 7.450 किमी चार लेन मार्ग तथा उन्नाव में 6063.35 लाख रुपये की लागत से बिलग्राम-उन्नाव-प्रयागराज मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-38) के किलोमीटर 71.00 से 85.00 तक 15.00 किलोमीटर मार्ग का दो लेन पेव्ड शोल्डर सहित चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

कफ सिरप तस्करी मामले में तीन राज्यों के 25 ठिकानों पर छापेमारी

यूपी के लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर समेत छह जिलों में ईडी ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही गिरोह के 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी की टीमें लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची के ठिकानों पर छापेमारी की है। जहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। उधर, लखनऊ में बर्खास्त एसटीएफ सिपाही आलोक प्रताप सिंह के आवास पर ईडी की टीम ने 12 घंटे से अधिक तक सर्च अभियान चलाया।

ईडी के मुताबिक, यह कार्रवाई लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर और सहारनपुर के अलावा रांची और अहमदाबाद में भी चल रही है। ईडी ने यह मामला प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया है। मामला उस समय बड़ा बना, जब यूपी सरकार ने राज्य में कोडीन आधारित कफ सिरप के दुरुपयोग, अवैध निर्माण और तस्करी के कई मामलों पर संज्ञान लिया था। ईडी के अधिकारी के मुताबिक, करीब 30 एफआईआर पुलिस ने दर्ज की हैं। जिनमें इस अवैध व्यापार का भंडाफोड़ हुआ था। जांच में सामने आया कि कफ सिरप को बड़े पैमाने पर गलत तरीके से तैयार किया जा रहा था। राज्य के बाहर ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश सीमा तक इसकी अवैध ढुलाई की जा रही थी।

पूर्व सांसद के बयान आने के दूसरे दिन ही छापेमारी : पूर्व सांसद व बाहुबली नेता धनंजय सिंह के बयान के दूसरे दिन ही ईडी ने आलोक सिंह समेत करीब 25 ठिकानों पर छापेमारी कर दी है। ईडी की टीम सुबह 7 बजे के करीब आलोक सिंह की सुल्तानपुर रोड स्थित स्वास्तिक सिटी कोठी पर पहुंची थी। बड़ी मशक्कत के बाद घर का गेट खुला था। उस वक्त घर पर महिलाएं मौजूद थीं। ईडी ने पूरे घर में छानबीन की है। अलमारियों से कई दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। छापेमारी के दौरान मोबाइल और फाइल मिली है। इसके अलावा एलडीए कालोनी, ट्रांसपोर्ट नगर और सरोजनीनगर में भी अन्य ठिकानों पर छापेमारी हुई है।

लखनऊ स्थित आरोपी बर्खास्त सिपाही आलोक की कोठी पर ईडी के छापे के दौरान बाहर सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवान।

दुबई में छिपा मास्टरमाइंड शुभम

जांच में सामने आए मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के देश छोड़कर दुबई भागने की जानकारी भी मिली है। उसके पिता को यूपी पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। वहीं आलोक सिंह, अमित सिंह और अन्य सहयोगियों के ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है। इसके साथ ही एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) विष्णु अग्रवाल के परिसरों पर भी ईडी की कार्रवाई जारी है, जिन्हें रैकेट के वित्तीय लेनदेन में शामिल होने का आरोप है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में करीब 2,000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई का संदेह है, जो मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अलग-अलग खातों और संस्थाओं में घुमाया गया। यूपी पुलिस इस मामले में अब तक 32 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और एसआईटी गठित कर विशेष जांच कर रही है।

अंदर ईडी कर रही थी तलाशी, बाहर सुरक्षा में तैनात थी सीआरपीएफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ईडी की 20 सदस्यीय टीम सुबह साढ़े सात बजे पहुंची स्वास्तिक सिटी कोठी
- ईडी ने खंगाले आरोपी बर्खास्त सिपाही आलोक के बैंक खाते व लेनदेन के विवरण

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सीरप की तस्करी में आरोपी एवं एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह की अहिमामऊ स्थित कोठी पर शुक्रवार की सुबह 7.30 बजे प्रवर्तन निदेशालय की 20 सदस्यों की टीम छापा मारने पहुंची। करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद ईडी की टीम अंदर दाखिल हो सकी। अंदर ईडी की टीम तलाशी ले रही थी। वहीं बाहर सुरक्षा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जवानों की एक टुकड़ी खड़ी थी। जवानों ने बिना अनुमति किसी को भी अंदर जाने और आने से रोक दिया। सुबह से शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक जारी रही।

सुशांत गोल्फ सिटी के स्वास्तिका सिटी में सुबह लगभग 7.30 बजे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी व सीआरपीएफ के जवान पहुंचे। टीम ने एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह की कोठी को चारों तरफ से घेर लिया। करीब आधे घंटे बाद अंदर दाखिल हुई। टीम ने अंदर पहुंचकर दस्तावेज खंगालने शुरू किए। छापेमारी के दौरान स्थानीय लोग भी तरह-तरह की चर्चाएं करते रहे। दिन भर पड़ोसी अपने घरों में ही दुबके रहे।

पूर्व सांसद के बंगले के सामने है आलोक की कोठी : स्वास्तिका सिटी में बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह की कोठी पूर्व सांसद व बाहुबली नेता धनंजय सिंह के बंगले के सामने हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सैकड़ों स्कवायर फीट में बनी आलोक की कोठी की कीमत लगभग दो करोड़ रुपये से ऊपर है। फेंसेडिल कफ सिरप कांड में नाम आने से पहले दिन भर में दर्जनों लोगों का कोठी पर लग्जरी गाड़ियों से आना-जाना होता था। कई बार अमित भी कोठी पर आ चुका था। आलोक और अमित पर एसटीएफ की कार्रवाई के बाद लोगों का उसके घर आना भी कम हुआ है। दोपहर लगभग 12:15 बजे हाथ में डायरी और फीता लेकर दो अधिकारी भी आलोक सिंह की कोठी पर पहुंचे। दोनों ने मकान के भूतल और पहली मंजिल पर जाकर निर्माण की नापजोख की है।

आलोक की कोठी में घुसने में हुई दिक्कत : ईडी के करीब 20 सदस्य सुबह साढ़े 7 बजे आलोक सिंह की सुलतानपुर रोड स्थित स्वास्तिक सिटी कोठी में पहुंचे। घर में मौजूद महिलाओं ने ईडी के काफी प्रयास के बाद गेट नहीं खोला। करीब आधे घंटे प्रयास के बाद कोठी का गेट खुला, तब ईडी टीम अंदर पहुंची। ईडी ने घर का कोना-कोना खंगाला। तीन आलमारियां खुलवाकर उसमें रखे दस्तावेज, तीन मोबाइल और कुछ फाइलें कब्जे में ली। इसके अलावा लखनऊ में दवा कंपनी ईडहिका लाइफ साइंसेज के एलडीए कालोनी और ट्रांसपोर्ट नगर स्थित कार्यालयों, सरोजनीनगर के कैलाश विहार कालोनी में प्रसाद जायसवाल और अर्चना मनोहर जायसवाल के घरों में शाम तक कार्रवाई जारी रही।

फर्मों का ब्योरा जुटाने के बाद छापा

ईडी पांच दिन से शुभम जायसवाल, आलोक प्रताप सिंह, अमित सिंह टाटा, विभोर राणा, विशाला राणा समेत 20 से अधिक आरोपियों के नाम से बनी 80 से अधिक फर्मों का पूरा ब्योरा जुटा रही थी। इस दौरान ईडी ने दुबई में छिपे शुभम जायसवाल के वाराणसी स्थित घर पर आठ दिसंबर को पेश होने का नोटिस भी चस्पा किया था। आरोपियों की संपत्ति का ब्योरा मिलते ही ईडी ने शुक्रवार को कार्रवाई की।

वाराणसी पहुंची दो दर्जन से अधिक टीमें

फेंसेडिल कफ सिरप मामले में छापेमारी के लिए प्रवर्तन निदेशालय की दो दर्जन टीमें 40 वाहनों से वाराणसी पहुंची हैं। सरगना शुभम जायसवाल के आदमपुर के कायस्थ टोला के पुश्तैनी मकान और सिगरा के बादशाह बाग कॉलोनी स्थित नए मकान पर ईडी की टीम पहुंची। इसके अलावा गिरोह के मुख्य कड़ी खोजवा निवासी दिवेश जायसवाल के घर भी टीम पहुंची है। कोतवाली में नामजद दागी फर्मों के यहां भी अलग-अलग टीमें पहुंची हैं। टीम फर्म का भौतिक सत्यापन करने के साथ ही पूछताछ में जुटी है। खोजवां में दिवेश जायसवाल के दो मंजिला मकान के भूतल पर जनरल स्टोर चल रहा था। इसी दुकान के नाम पर फर्म भी पंजीकृत है।

घूस लेते पकड़े गए सहायक महानिरीक्षक निबंधन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कंप्यूटर ऑपरेटर को भी पकड़ा दोनों पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचार: शामली में सहायक महानिरीक्षक निबंधन रविन्द्र मेहता और एक कम्प्यूटर ऑपरेटर अश्विनी कुमार को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। 10 दिसंबर 2025 को एंटी करप्शन कोर्ट द्वारा रवीन्द्र मेहता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस बाबत स्टांप तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को शत-प्रतिशत लागू करने की बात दोहराई है। उन्होंने कहा है कि सरकार जनता के हित से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि विभागीय कार्य पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ किए जाएं, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रकरण में अग्रिम तिथि 23 दिसंबर 2025 नियत की गई है, जिस पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में घना कोहरा छाने का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम विभाग ने 13 से 15 दिसंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। वहीं प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि शीघ्र पूर्वी यूपी के साथ पश्चिमी यूपी में तराई क्षेत्रों में घना कोहरा नजर आएगा। इसको लेकर यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इन जिलों में बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, सीतापुर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती शामिल हैं।

युवाओं को रोजगार देने वाला बनाना प्राथमिकता : कपिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विजन यूपी 2047 को लेकर विशेषज्ञों, कुलपतियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने साझा किए सुझाव

अमृत विचार : उप्र. को विकसित राज्य बनाने के लिए युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और ड्रोन जैसे भविष्यगत क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने की दिशा में बड़े पैमाने पर कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों को बाजार की मांग के अनुरूप नए कोर्सों से सशक्त किया जा रहा है।

लखनऊ स्थित योजना भवन में राज्य स्तरीय विचार-मंथन सम्मेलन में अपने विचार रखते मंत्री कपिल देव अग्रवाल।

योजना भवन, लखनऊ में शुक्रवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय विचार-मंथन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा कपिल देव अग्रवाल ने उक्त विचार प्रकट किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी व मुख्यमंत्री के सलाहकार जेएन सिंह ने भी अपने विचार रखे।

नई ऊंचाइयां

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का साझा किया ब्योरा

35 हजार करोड़ निवेश से मिलेंगी 52 हजार नौकरियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य में निर्णायक भूमिका

अमृत विचार: प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तेजी से जमीन पर उतर रहा है। कॉरिडोर में अब तक 62 कंपनियों को 977.54 हेक्टेयर से अधिक भूमि आवंटित की जा चुकी है। इनसे 11,997.45 करोड़ रुपये का निवेश और 14,256 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का रास्ता साफ हो चुका है। इसके साथ ही 110 और कंपनियों के साथ एमओयू पाइपलाइन में हैं। सरकार का दावा है कि 197 एमओयू से 35 हजार करोड़ निवेश के साथ 52,658 नौकरियों का अनुमान है। इस क्षेत्र की ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका है।

यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने कॉरिडोर के 6 नोड्स अलीगढ़, कानपुर, लखनऊ, झांसी, चित्रकूट और आगरा में 2,097 हेक्टेयर भूमि को मंजूरी दी है। इसमें से 2,040 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में 1,598.92 हेक्टेयर भूमि आवंटन के लिए उपलब्ध है। अलीगढ़ में सबसे अधिक 24 कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जबकि कानपुर में 5 कंपनियों को 210 हेक्टेयर और सबसे अधिक क्षेत्रफल झांसी में 17 कंपनियों को 571 हेक्टेयर दिया गया है। लखनऊ में 16 कंपनियों को 131 हेक्टेयर से अधिक भूमि देने के साथ और चित्रकूट, अलीगढ़ फेज-2 और आगरा में भी जल्द भूमि आवंटन शुरू होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सक्रिय मॉनिटरिंग में डिफेंस कॉरिडोर के लिए कुल 197 एमओयू साइन हो चुके हैं, जिनमें 172 औद्योगिक एमओयू शामिल हैं। इनसे 34,844.49 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश और 52,658 रोजगार सृजन का अनुमान है। अगले चरण में 110 से अधिक प्रस्तावित औद्योगिक इकाइयों से 22,847 करोड़ रुपये से अधिक निवेश और 38,000 से अधिक रोजगार की संभावना है।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर न सिर्फ यूपी में भारी निवेश आकर्षित कर रहा है, बल्कि उच्च तकनीक आधारित रोजगार और उद्योगों के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति दे रहा है।

गुजरात व तमिलनाडु को टक्कर दे रहा यूपी

यूपीडा के एसीईओ एचपी. शाही ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप कॉरिडोर तेजी से उभर रहा है। इसे एक जिला-एक उत्पाद और मेक इन इंडिया मिशन के साथ जोड़कर विकसित किया जा रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण लखनऊ नोड में स्थापित ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट है, जिसकी वजह से यूपी का रणनीतिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। आज यूपी रक्षा उत्पादन में तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। गुजरात और तमिलनाडु जैसे पारंपरिक रक्षा विनिर्माण केंद्रों को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहा है। आने वाले महीनों में कई नई बड़ी घोषणाओं के साथ भारत के रक्षा इकोसिस्टम में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने नेपाल सीमा पर बहराइच से दबोचा

अमृत विचार: एसटीएफ ने नेपाल सीमा पर बहराइच से फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड प्रमोद निषाद को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ की टीम ने शुक्रवार सुबह यह कार्रवाई रजनवा सीमा पर की। आरोपी पोर्टल के जरिये फर्जी जन्म व निवास प्रमाण पत्र तैयार कर आधार कार्ड बनाने में उपयोग करता था। आरोपी ने भारत-नेपाल सीमा पर रहने वाले ढाई हजार से अधिक लोगों का फर्जी आधार कार्ड बनाया है।

प्रमोद निषाद

यूपी एसटीएफ के एएसपी विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक, भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाकर लोगों को बेचे जाने की सूचनाएं मिल रही थीं। मामले की जांच कराई गई तो पता चला कि मुर्तिहा थाना क्षेत्र में 29 अक्टूबर 2025 को दर्ज मामले में इस रैकेट के कई सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके हैं। जांच में सामने आया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड सेमरी मलमला गांव का प्रमोद निषाद है। पुष्टि होने के बाद सर्विलांस व साइबर टीम को लगाया गया। सर्विलांस से सूचना मिली कि प्रमोद नेपाल भागने की तैयारी कर चुका है। टीम ने मुर्तिहा थानाक्षेत्र में घेराबंदी कर शुक्रवार सुबह 4.30 बजे प्रमोद को रजनवा नेपाल बॉर्डर से दबोचा गया। प्रमोद के पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेज, बायोमैट्रिक व रेटिना स्कैनर, वेबकैम, चेकबुक, एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, 2680 रुपये नकद और एक कार बरामद हुई है। पोर्टल डेवलपर, आईडी सप्लायर और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत तीन घायल

रसूलाबाद। शुक्रवार की रात एक विवाह समारोह में रसूलाबाद आए बाइक सवार तीन लोग वापसी के दौरान हादसे का शिकार हुए। लहरापुर रोड पर यादव नगर के समीप विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पाल नगर निवासी वीरू 30, उनके पिता रमेश चंद्र व गांव के ही मुकेश 40 पुत्र बंशीलाल घायल हो गए। एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाया गया। डॉ. बृजेश कुमार ने तीनों का प्राथमिक उपचार कर वीरू और मुकेश की गंभीर दशा के चलते हैलट कानपुर रेफर किया है।

गाली-गलौज कर पुआल में लगाई आग

शिवली। कोतवाली शिवली क्षेत्र के कैरानी गांव निवासी शिव सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि 8 दिसंबर को गांव का ही राजेश कुमार उर्फ बेड़ा उसके घर पर आकर गालियां देने लगा। विरोध करने पर हाथापाई करते हुए बुरी तरह मारने पीटने लगा। शोर मचाने पर गांव के कई लोग बचाने को दौड़ कर आए, तब आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया और उसकी धान की रखी फसल व पुआल में आग लगा दी। उसी दिन शाम को उसके छोटे भाई रंजीत को भी पीटा। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव में वोट करेंगे पाठक और भोले

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चुनाव में मतदाता सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई। चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय द्वारा जारी की गई सूची में कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र से मतदाता के रूप में सदस्य विधान परिषद अरुण पाठक और सांसद देवेंद्र सिंह भोले का नाम शामिल किया गया है। 13 दिसंबर को नामांकन प्रक्रिया के साथ 14 दिसंबर को होने वाले प्रदेश अध्यक्ष चुनाव में मतदाता सूची में कानपुर नगर, उन्नाव, कानपुर देहात स्नातक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले स्नातक एमएलसी का नाम शामिल होने पर कानपुर देहात के भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने कहा कि विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक के कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र से मतदाता के रूप में प्रदेश नेतृत्व ने शामिल किया गया है।

10 का लक्ष्य, 8 मामलों में कराई सजा

कानपुर देहात। मिशन शक्ति के अंतर्गत पाक्सो कोर्ट में विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने सबसे ज्यादा आरोपियों को सजा कराने का कीर्तिमान बनाया है। मिशन शक्ति के अंतर्गत कानपुर देहात में 10 मुकदमों में सजा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने 8 मुकदमों में सजा कराई। इसके साथ 2,35,500 का जुर्माना भी कराया। विकास सिंह स्पेशल पाक्सो एक्ट में एडीजे 13 शरद त्रिपाठी जज की कोर्ट में कार्य कर रहे हैं।

साइबर पुलिस ने वापस कराए 5 लाख

राजपुर। गलत बैंक एकाउंट में ट्रांसफर हुए पांच लाख रुपये साइबर पुलिस ने वापस कराए हैं। बदनपुर जिला औरैया के रहने वाले सूर्यांश पोरवाल ने बताया कि 23 नवंबर को उनके पांच लाख रुपये गलती से किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हो गए थे। शिकायत पर पुलिस ने लाभार्थी के वॉलेट व बैंक खाते को डेबिट फ्रीज करा दिया। इसके बाद पूरी धनराशि शिकायतकर्ता के खाते में वापस आ गई।

चैनल का ताला तोड़ दो भैंसें चोरी

शिवली। बाघपुर गांव से एक किसान की अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर दो कीमती भैंसे चोरी कर ली। बाघपुर गांव निवासी अमित तिवारी ने पुलिस को बताया कि 1 दिसंबर की शाम को अपनी दो भैंसों को घर के समीप बने प्लाट के कमरे में बांध दिया था। सुबह देखा, चैनल के ताले टूटे पड़े मिले और भैंसे गायब थीं। इंस्पेक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कराई जा रही है।

17 को होगा पेंशनर दिवस का आयोजन

कानपुर देहात। वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन प्रसाद ने बताया कि शासन द्वारा राज्य सरकार के पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं की जनपद स्तर पर सुनवाई एवं निराकरण हेतु प्रति वर्ष 17 दिसंबर को पेंशनर दिवस का आयोजन किया जाता है।

सामूहिक विवाह में बदइंतजामी, पानी को तरसे लोग

- स्थानीय जनप्रतिनिधियों को नहीं भेजा न्योता, दिखा रोष

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः सिकंदरा कस्बे के एक गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में 114 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। समारोह में प्रदेश सरकार के मंत्री अजीत सिंह पाल और उपस्थित अधिकारियों ने नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम स्थल पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को न बुलाने पर नाराजगी दिखाई दी। अव्यवस्था के चलते जमीन पर लोग बैठे रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बिरहाना चौराहे के निकट स्थित गेस्टहाउस में आयोजित जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पंजीकृत 121 में सिर्फ 114 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामा और वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। सरकारी स्तर पर आयोजित इस समारोह में राज्यमंत्री व सिकंदरा से विधायक अजीत सिंह पाल, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, जिला समाज कल्याण अधिकारी नेहा सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, सिकंदरा एसडीएम प्रद्युम्न कुमार, डीसीएनआरएनएम गंगाराम समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से तो सजाया गया था, लेकिन अव्यवस्था के चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नव विवाहित जोड़े को विवाह का प्रमाणपत्र प्रदान करते राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल।

लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ा वहीं वर-वधू के परिजन जमीन पर बैठने को मजबूर थे। वर-वधू की भीड़ राजपुर, संदलपुर, डेरापुर से जब गेस्ट हाउस में एकत्रित हुई तो जगह कम पड़ गई। वहीं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व भाजपा के पदाधिकारियों को मंच पर न बुलाने से वह नाराज दिखाई दिए। प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश मिश्रा भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, प्रधानों की अनुपस्थिति देखकर उन्होंने प्रधानों से जानकारी की तो प्रधानों द्वारा यह अवगत कराया गया कि इस कार्यक्रम में किसी प्रकार की कोई सूचना खंड विकास कार्यालय से व जिला कार्यालय से उपलब्ध नहीं कराई गई। संगठन के प्रदेश महासचिव ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन से मौखिक शिकायत दर्ज कराई और कहा कि ग्राम प्रधान भी एक जनप्रतिनिधि हैं उनकी उपेक्षा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसकी लिखित रूप से शिकायत जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री से की जाएगी।

बाल श्रमिकों की तलाश में दुकानों पर छापा, पांच मिले

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार। श्रम प्रवर्तन विभाग की टीम ने शुक्रवार को कस्बे की दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पांच किशोरों को दुकान पर काम करते पकड़ लिया। टीम ने किशोरों को परिजनों को सौंप दोबारा दुकान न भेजने को लेकर चेताया।

शुक्रवार को श्रम प्रवर्तन अधिकारी पल्लवी सिंह, अरविंद कुमार सोनकर, एएचटीयू प्रभारी वीरेंद्र बहादुर यादव के नेतृत्व में गठित टीम शुक्रवार को रनियां कस्बे के किशरवल रोड स्थित एक चाय पकौड़ी के होटल, कपड़े की दुकान, किराना व परचून तथा जनरल स्टोर आदि दुकानों पर पहुंची। यहां पर अलग-अलग दुकानों में पांच बाल श्रमिक काम करते हुए मिले। टीम ने सभी से पूछताछ की। जबकि दुकान स्वामियों के खिलाफ विभागीय कानूनी कार्रवाई कर नाबालिग बच्चों से काम न कराने की चेतावनी दी गई।

टीम ने पांचों नाबालिग बच्चों को पकड़कर उनके परिजनों को बुलाकर सुपुर्द कर हिदायत दी कि दोबारा बच्चों से काम न कराया जाए। दोबारा काम करते मिलने पर परिजनों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इस संबंध में श्रम परिवर्तन अधिकारी पल्लवी सिंह ने बताया कि सभी दुकान मालिकों के खिलाफ बाल श्रम अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

विजिलेंस का दरोगा बताकर करता था ठगी, पकड़ा गया

फरीदापुर गांव के युवक से वसूले 10 हजार, 25 हजार की और थी मांग

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः थाना मंगलपुर पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने फर्जी विजिलेंस का दरोगा बनकर लोगों से ठगी करने वाले एक युवक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से दस हजार रुपये नकद, दो एंड्रायड मोबाइल फोन तथा एक मोटर साइकिल बरामद की है।

अजय कुमार निवासी फरीदापुर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि एक व्यक्ति बिजली का बिल कम करवाने व मुकदमा खत्म कराने के नाम पर स्वयं को विजिलेंस टीम का दरोगा बताकर उनसे रुपये मांग रहा है। इस संबंध में थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया। इस बीच आरोपी का एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें वह 25 हजार रुपये की मांग कर रहा था।

उसकी गिरफ्तारी को पुलिस सक्रिय थी। बीते दिवस आरोपी निगम यादव पुत्र अखिलेश यादव निवासी ग्राम गोबा थाना पृथ्वीपुर, जनपद निवाड़ी टीकमगढ़, मप्र को हवासपुर चौराहे के पास से पकड़ा गया। पुलिस द्वारा जब्त किए गए उसके मोबाइल की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए। मोबाइल में 62 जनपदों से संबंधित 1019 एफआईआर की कॉपी और 44 क्यूआर कोड मिले। आरोपी इन एफआईआर की जानकारी का उपयोग कर संबंधित पक्षों से संपर्क करता था। स्वयं को अधिकारी बताकर मुकदमा खत्म कराने का लालच देता था और क्यूआर कोड के माध्यम से रुपये वसूलता था। आरोपी यूपी कॉप एप और मेरी पंचायत एप पर उपलब्ध विवरण का दुरुपयोग करता था। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह लोगों को धमकाकर, फर्जी अधिकारी बनकर रुपये लेता था। 7 दिसंबर को अजय कुमार से राजा ढाबा के पास दस हजार रुपये लिए थे।

पुलिस की गिरफ्त में निगम यादव। अमृत विचार

- आरोपी के मोबाइल में 62 जिलों की एक हजार से ज्यादा एफआईआर की डिटेल

छोटा सा दायित्व निभा देश के विकास में भागीदार बनें

राजपुरः नागरिक कर्त्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता व कुटुंब प्रबोधन विषय पर जनता इंटर कॉलेज गौरीकरन व पं बाबूराम सरस्वती इंटर कालेज राजपुर में पंच परिवर्तन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संबोधन में डॉ. अनिल पोरवाल ने कहा कि पांच परिवर्तनों को जीवन में अपनाकर हम राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। प्राचीन काल से भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर कार्य करता रहा है। हमारे देश में अनेक भाषाओं को बोलने वाले, जातीय विभिन्नता आदि होने पर भी सैकड़ों साल से भारतीय संस्कृति पर एक साथ विश्वास कर रहे हैं। पिछले वर्ष प्रयागराज कुंभ में पूरे विश्व से करोड़ों लोगों ने बिना किसी भेदभाव के भाग लिया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सुधार कर बड़ा योगदान दे सकते हैं। कॉलेज अथवा घर में अनावश्यक रूप से चल रहे पंखों, बल्ब को बंद कर हम देश के लिए उर्जा की बचत कर सकते हैं। इस अवसर पर श्री राम प्रकाश पोरवाल महाविद्यालय राजपुर के प्राचार्य डॉ. अरविंद द्विवेदी, डॉ. असलम खान, श्री जनता इंटर कॉलेज गौरीकरन के प्रधानाचार्य अतुल कुमार, श्री बाबूराम सरस्वती इंटर कालेज के प्रधानाचार्य देवेन्द्र त्रिपाठी आदि रहे।

समय से कार्यों को पूरा करें संस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक हुई। बैठक में अधिशासी अभियंता, जल निगम द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की वर्तमान कार्य प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण जनता के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसके लक्ष्य पूर्ण न होने पर आमजन प्रभावित होते हैं, इसलिए प्रगति में तेजी लाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जनपद स्तर पर नियमित जलापूर्ति पेयजल योजनाओं की समीक्षा प्रस्तुत की गई। जनपद में कुल 504 योजनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिनमें से अब तक 375 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं जबकि 129 योजनाएं विभिन्न कारणों से शेष हैं। संस्थावार प्रगति की चर्चा करते हुए बताया गया कि आईएचपी प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित 122 में से 121 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और केवल एक योजना शेष है, जिसे त्वरित गति से पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। जीवीपीआर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को 186 परियोजनाएं सौंपी गई थीं, जिनमें से 160 पूरी हो चुकी हैं और 26 योजनाएं लंबित हैं। वीएसए-एससीएल प्राइवेट लिमिटेड को 167 परियोजनाओं में से 75 परियोजनाएं पूर्ण करने में सफलता मिली है, जबकि 92 परियोजनाएं अभी लंबित हैं, जो अपेक्षा से काफी कम प्रगति है। इसी प्रकार वीटीएल प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत कुल 29 परियोजनाओं में से 19 पूरी हो चुकी हैं और 10 पर कार्य जारी है। जिलाधिकारी ने जिन एजेंसियों की प्रगति धीमी है, उनसे कारण पूछते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी समीक्षा में उल्लेखनीय प्रगति अनिवार्य रूप से देखनी चाहिए। ओवरहेड टैंक आधारित पेयजल योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि कुल 504 योजनाओं के सापेक्ष केवल 144 योजनाएं पूर्ण हुई हैं तथा 360 योजनाएं अभी लंबित हैं।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि ओएचटी निर्माण एवं परीक्षण कार्यों की दैनिक समीक्षा की जाए तथा जहां भी तकनीकी, सामग्री या मानव संसाधन संबंधी अवरोध हों, उन्हें तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी की परियोजनाओं में सबसे अधिक लंबित कार्य हैं, इसलिए इसे प्राथमिकता देकर पूर्ण किया जाए। डिस्ट्रिब्यूशन लाइन बिछाने की प्रगति काफी संतोषप्रद बताई गई। जनपद में कुल 4,839 लाइनें बिछाने का लक्ष्य एससीएल ने अपने-अपने लक्ष्यों को पूर्ण रूप से हासिल कर लिया है।

स्वच्छता मिशन से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम। अमृत विचार

- पेयजल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

हादसे के बाद मौके पर जमा लोग। अमृत विचार

कार की टक्कर से युवक घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गांव बिरहुन कंचन निवादा के समीप एक कार सवार ने बाइक सवार के टक्कर मार दी। इससे वह गिरकर घायल हो गया। उसे सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया है। वहां उसका उपचार किया जा रहा है। कंचन निवादा निवासी देवेंद्र सिंह अपनी बाइक से गांव जा रहे थे इसी दौरान एक कार सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, देवेंद्र सिंह अपनी बाइक सहित खड्ड में जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर उन्हें सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया है जहां डॉ. बृजेश कुमार ने उनका उपचार किया है। उनकी दशा गंभीर बताई जा रही है।

महिला आयोग की सदस्य ने सुने 48 मामले, कार्रवाई के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की सदस्य डॉ. अर्चना मजूमदार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया गया।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज से लगभग 48 शिकायतें प्राप्त हुईं। सदस्य के समक्ष शिकायतकर्ता संबंधित विवेचक के साथ उपस्थित हुईं। लंबित शिकायती प्रार्थनापत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही आशा बहुओं, स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न योजनाओं की महिला लाभार्थियों के साथ वार्ता की गई। वार्ता दौरान डॉ. मजूमदार द्वारा कहा गया कि बालिकाओं का कम उम्र में विवाह होने पर उनका शैक्षिक, मानसिक व शारीरिक विकास रुक जाता है। बालिकाएं शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। इस संबंध में उन्होंने संबंधित लोगों से बालिकाओ के शैक्षिक, सामाजिक, स्वास्थ्य, के सभी पहलुओं को सशक्त बनाना, जिसमें शिक्षा तक पहुंच तथा सुरक्षा तथा बेहतर स्वास्थ्य और वित्तीय स्वतंत्रता शमिल हो। जनसुनवाई के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी सिकन्दरा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, थानाध्यक्ष, महिला थाना तथा जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी मौजूद रहीं।

महिला को पास बुलाकर समस्या सुनतीं डॉ.अर्चना मजूमदार। अमृत विचार

एसडीएम के आश्वासन पर भी नहीं थमा किसानों का धरना

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः धान क्रय केदो पर अनियमितताओं को लेकर भाकियू महात्मा टिकैत गुट द्वारा दिया जा रहा धरना एसडीएम द्वारा जांच कर कार्रवाई किए जाने के आश्वासन देने के बावजूद आठवें दिन भी जारी रहा।

धरना स्थल से गुरुवार को पैदल मार्च कर तहसील पहुंचे भाकियू कार्यकर्ताओं से एसडीम सर्वेश सिंह ने अपने कार्यालय में उनसे वार्ता कर उन्हें समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष रणवीर यादव ने एसडीएम को धान खरीद केदो पर मिल कर्मियों द्वारा किसानों से अभद्र व्यवहार करने की शिकायत की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहिंजरी धान क्रय केंद्र पर लापरवाही बरतने और रसूलाबाद ब्लाक स्थित साधन सहकारी समिति के बाहर चल रहे धरने के मध्य अचानक धान खरीद शुरू करने जैसे मुद्दे पर भी सवाल उठाए थे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि जब तक सभी जिम्मेदार व्यक्तियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती है तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। वार्ता के दौरान एसडीएम ने भाकियू कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया था कि किसानों से अभद्रता करने वाले मिल कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित सचिवों से स्पष्टीकरण मांगने की बात भी कही थी। जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिर भी अभी तक भाकियू कार्यकर्ता धरने पर अड़े हुए हैं।

कार्यक्रम — भव्य रूप से की गई सजावट, आज से चलेगा भंडारा

शोभन आश्रम में आज से प्रारंभ होगा वार्षिकोत्सव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः क्षेत्र के प्रसिद्ध एवं धार्मिक स्थल शोभन आश्रम की आधारशिला रखने वाले ब्रह्मलीन गुरुदेव रघुनंदन दास जी महाराज तथा आश्रम को तीर्थ स्थल की भांति विकसित करने वाले ब्रह्मलीन संत परमहंस स्वामी विरक्तानंद जी महाराज की पुण्य स्मृति में उनकी तपोस्थली गौरीकुंड में महंत कल्लू बाबा की देखरेख में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। संगीतमय रामचरितमानस पाठ के साथ वार्षिकोत्सव का शुभारंभ शनिवार से होगा।

शोभन गांव के पास बियाबान जंगल में कुटिया बनाकर ईश्वर की आराधना करने वाले स्वामी रघुनंदनदास जी महाराज द्वारा अपनी कुटिया के पास ही पवन पुत्र हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करवा शोभन आश्रम की आधारशिला रखी गई थी। इसके पश्चात ग्रामीणों के सहयोग से वहां मंदिर का निर्माण कराया गया था। गुरुदेव रघुनंदन दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने के पश्चात परमहंस स्वामी विरक्तानंद जी महाराज द्वारा आश्रम की बागडोर संभाल ली गई थी। करीब चार दशक पूर्व ब्रह्मलीन गुरुदेव रघुनंदन दास जी महाराज की पुण्य स्मृति में उनकी तपोस्थली गौरीकुंड में वार्षिकोत्सव का शुभारंभ परमहंस स्वामी विरक्तानंद जी महाराज शोभन सरकार द्वारा कराया गया था जो अनवरत जारी है। परमहंस स्वामी विरक्तानंद जी महाराज के ब्रह्मलीन होने के पश्चात शोभन आश्रम के सर्वराकार हरि शरणम पांडेय की देखरेख में वार्षिकोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। व्यवस्था से जुड़े संत कल्लू बाबा ने बताया कि 13 दिसंबर से अनवरत भंडारा चलता रहेगा। 17 दिसंबर व 18 दिसंबर को प्रदेश के ख्याति प्राप्त कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे।

सजाया गया गौरी माता मंदिर, तैयार की गई यज्ञशाला। अमृत विचार

केवल शरीर छूटता, आत्मा अजर अमर और अविनाशीः राहुल देव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जन्म और मृत्यु शास्वत सत्य है। इस वास्तविकता को नकारा नहीं जा सकता। केवल शरीर छूटता है जब कि आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल देव अग्निहोत्री ने यह बात कही। वह शुक्रवार को रूरा में भाजपा के जिला महामंत्री और नगर पंचायत के चेयरमैन रामजी गुप्ता की मां शकुंतला देवी के देहांत के बाद उनके आवास पर पहुंचे थे। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि रिश्ते सभी महत्वपूर्ण होते हैं मगर मां जैसा रिश्ता कोई और नहीं हो सकता। जिला कोषाध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने कहा कि ईश्वर सभी जगह नहीं हो सकता, इस लिए उसने मां बनाई। मलासा के ब्लाक प्रमुख स्वतंत्र पासवान ने कहा कि बेटा कितना भी बड़ा हो जाए। मां के लिए वह बच्चा ही रहता है। नगर पंचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता ने बताया कि 1 दिसंबर को खाना खाते समय अचानक मां की तबीयत बिगड़ी थी। तुरंत कानपुर ले गए। इलाज के दौरान बुधवार की रात उनका निधन हो गया। पौत्र अविनाश ओमर व प्रशांत ओमर ने बताया कि दादी मन की दृढ़ थीं। अंतिम दिनों तक तड़के उठकर सुंदर कांड का पाठ करतीं थीं। एमएलसी अरुण पाठक, भाजपा नेता रजोल शुक्ला, व्यापारी नेता पीयूष कौशल, कौशलेंद्र गुप्ता, मोनू गुप्ता, अमर यादव, संजय राजपूत भी पहुंचे।

भाजपा नेता राहुल देव अग्निहोत्री ने शकुंतला देवी को अर्पित किए श्रद्धासुमन।

न्यूज ब्रीफ

वीरू पाल के परिजनों से मिले मुकेश पाल

घाटमपुर । घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत मकंदपुर गांव में एक व्यक्ति की मूंछे उखाड़ने का मामला गर्मा गया है। समाजसेवी मुकेश पाल के द्वारा उक्त घटना की कठोर निंदा की गई है। समाजसेवी मुकेश पाल ने शुक्रवार को मकरंदपुर गांव पहुंचकर वीरू पाल के परिजनों से मुलाकता की। मुकेश पाल ने बताया कि विगत दिन पहले गांव के दबंग लोगों ने वीरू पाल कि मूंछे उखाड़ दी थीं। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है। इसको लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है। मुकेश पाल ने घटना में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग की है।

मेड़ काटने का आरोप लगा किसान को पीटा

चौबेपुर । क्षेत्र के असगरपुरवा गांव में खेत की मेड़ काटने को लेकर किसान के साथ मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। क्षेत्र के असगरपुरवा गांव निवासी योगेंद्र सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि बुधवार दोपहर वह अपने खेत पर गया था। तभी गांव का राजन पुत्र सुरजन सिंह वहां पहुंचा और मेड़ काटने का आरोप लगा गालियां देना शुरू कर दी। विरोध करने पर लात घूंसों से जमकर पीटा, जिसमें उसे गंभीर चोटें आईं। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी के साथ मारपीट कर दांतों से काटा

हमीरपुर । थाना क्षेत्र के महेरा गांव की कमला देवी तहरीर देते हुए बताया कि पति लाल दीवान गलत आरोप लगा आए दिन मारपीट कर रहा है। सुबह खेत जाने पर रोक लगा अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर मारपीट कर फावड़ा लेकर मारने दौड़ा। पुत्र सुनील के बीच बचाव करने पर ने उसके चेहरा में दांत से काटकर घायल कर दिया। पुत्र ने 112 नंबर पर फोन किया। पुलिस लाल दीवान वर्मा को हिरासत में लेकर थाने ले आई है। एसआई जगत नारायण ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है। कार्रवाई की जाएगी।

पेंशनर दिवस का आयोजन 17 को

हमीरपुर । वरिष्ठ कोषाधिकारी श्रवण कुमार सिंह ने कार्यालयाध्यक्षों व आहरण वितरण अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि विगत वर्ष की भाँति 17 दिसम्बर को कलेक्टेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पेंशनर दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसमें जनपद के सभी पेंशनर संगठनों के पदाधिकारी, प्रमुख विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष व समस्त आहरण वितरण अधिकारी आमंत्रित हैं। उन्होंने अधिकारियों तथा पेंशनर संघों के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ केवल वही पेंशनर जिनकी अपनी अनिस्तारित व लम्बित समस्याओं को लेकर आ सकते हैं। साथ ही कहा कि न्यायालय से संबंधित वाद, दूसरे जनपद, शासन अथवा विभाग को संदर्भित प्रकरण तथा नीतिगत प्रकरण पेंशनर दिवस से संबंधित नहीं हैं। ऐसे प्रकरणों को न रखा जाए।

ठेकेदारों पर मजदूरी नहीं देने का आरोप

हमीरपुर । कोतवाली क्षेत्र के अकौना और मवई गांव निवासी ठेकेदारों ने ईंट भट्ठों में काम करने वाले मजदरों का रुपया न देने की तहरीर मजदूरों ने दी है। कहा है कि ईंट भट्ठे में काम के 50 हजार रुपये उन्हें नहीं दिए हैं। महोबा जनपद के श्रीनगर थानाक्षेत्र के पवा गांव निवासी मुन्ना लाल पुत्र दुर्जन ने तहरीर देकर बताया कि उसने और पुत्र हरिश्चंद्र ने ईंट भट्ठों में मजदूरी का काम किया था। बताया मजदूरी के कार्य का 50 हजार रुपये कोतवाली क्षेत्र के अकौना व मवई गांव निवासी ठेकेदार के यहां निकल रहा है। ठेकेदार उनका रुपया नहीं दे रहा है। बताया कि जब वह रुपया मांगने के लिए जाते हैं तो ठेकेदार धमकियां देते हैं। पुलिस का कहना है जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम चौपाल में उठा शौचालय का मुद्दा

हमीरपुर । विकास खंड क्षेत्र के शंकरपुर व कुसमरा में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें शौचालय की मांग का मुद्दा छाया रहा। ग्राम पंचायत शंकरपुर में खंड विकास अधिकारी शिव नारायन कश्यप की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ऋचा ने शौचालय की मांग की। जिस पर विभाग द्वारा उनके कागज लिए गए। मालती ने जॉब कार्ड में केवाईसी करवाने की शिकायत की। जिस पर विभाग ने मौके पर केवाईसी कराई। कुसमरा गांव में ग्राम प्रधान अरुण यादव की अध्यक्षता मे ग्राम चौपाल में दो शिकायतें आईं।

लंबित भुगतानों व मांगों के लिए आशा वर्करों ने किया प्रदर्शन

अपनी लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, बिल्हौर

- मार्च 2025 से लेकर सितंबर माह तक नहीं मिला भुगतान
- जल्द भुगतान न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

ज्ञापन देने पहुंचीं आशा वर्कर। अमृत विचार

अमृत विचार । उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने अपनी लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ककवन में डॉक्टर अमित अनुरुद्ध और बिल्हौर सीएचसी में प्रभारी अधीक्षक धर्मेंद्र राजपूत के माध्यम से प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में मुख्य रूप से मार्च 2025 से लेकर सितंबर माह तक के आधार भुगतान, राज्य वित्त अनुदान, और अन्य प्रोत्साहन राशियों के तत्काल लंबित भुगतान की मांग की गई है। यूनियन ने बताया कि प्रदेशभर में कार्यरत हजारों आशा और संगिनी कर्मियों का कई महीनों का भुगतान बकाया है। जहां कुछ जिलों में आंशिक राशि का वितरण हुआ है, वहीं अधिकांश जिलों में अभी तक कोई भुगतान नहीं हुआ है। इससे कर्मियों में असंतोष बढ़ रहा है।

देशव्यापी हड़ताल का ऐलान: अपनी मांगों पर तत्काल कार्रवाई न होने की स्थिति में, आशा वर्करों ने 15 तारीख से देशव्यापी हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। कानपुर जिला अध्यक्ष आशा कुशवाहा ने विशेष रूप से दो बड़े मदों पर बकाया भुगतान का मुद्दा उठाया है उनका कहना है कि आशाओं ने प्रदेशभर में 5.38 करोड़ आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए हैं। इसके लिए 15 रुपये प्रति कार्ड की दर से कुल 80.7 करोड़ रुपये का भुगतान बनता है, जो कि हमें अभी तक नहीं मिला है इसे जल्द से जल्द दिलाया जाये।

उन्होंने कहा कि आशा वर्करों ने 12.45 करोड़ आभा आईडी भी बनाई हैं। इसका पारिश्रमिक 10 रुपये प्रति आईडी के अनुसार 125.5 करोड़ रुपये होता है। उन्होंने कहा कि इसका भी भुगतान अभी तक नहीं हुआ है।

सरकार से अनुरोध

- जिलाध्यक्ष आशा कुशवाह और सचिव रेखा देवी ने सरकार से अनुरोध किया है कि आशा कर्मियों को राहत प्रदान करने के लिए मार्च 2025 से अब तक की सभी लंबित राशियों, प्रोत्साहन भत्तों, और आयुष्मान कार्ड तथा आभा आईडी के पारिश्रमिक का एकमुश्त भुगतान शीघ्र कराया जाए।

श्रम विभाग का अधिकारी बन होटल संचालक से पांच हजार रुपये वसूले

संवाददाता, घाटमपुर

इसी होटल में हुई ठगी। अमृत विचार

- श्रम विभाग का अफसर बन दरोगा को लेकर पहुंचा था होटल

अमृत विचार। घाटमपुर के पतारा में होटल संचालक से लेबर अधिकारी बताकर उसके संग आए दरोगा ने डरा धमका कर होटल संचालक से पांच हजार रुपये वसूल लिए। होटल संचालक ने मामले की शिकायत उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष से की, इसके बाद व्यापारी ने घाटमपुर थाने पहुंचकर तहरीर दी है।

दुकानदार।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी राजवीर सैनी ने घाटमपुर थाने पहुंचकर पुलिस तहरीर देकर बताया कि कानपुर सागर हाईवे पर पतारा कस्बे में पुलिस चौकी रोड के पास बाला जी स्वीट्स एंड नमकीन के नाम से दुकान स्थित है। शुक्रवार दोपहर उनके पिता बिहारी लाल सैनी दुकान पर थे, तभी वहां पर एक सफेद रंग की कार से हरिशंकर दुकान के अंदर आया। उनके पीछे एक दरोगा जिसकी नेम प्लेट में जितेंद्र प्रताप सेंगर लिखा हुआ था। दुकान के अंदर बैठकर समोसा खा रहे बच्चे को साथ खड़ा करके फोटो खींची, इसके बाद उन्हें बाल श्रम का हवाला देते हुए, जेल भेजने के लिए धमकाया, और उनसे कहा कि कार में लेबर इंस्पेक्टर सुनील मौर्य बैठे है। जाकर उनसे मिल लो नहीं तो तुम्हे जेल भेज दूंगा। दुकानदार कार पर पहुंचा तो उन्होंने धमकाया, इसके बाद दरोगा ने उससे पांच हजार रुपये वसूल लिए। राजवीर ने घटना की सूचना फोनकर उप्र आदर्श व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष महेश वर्मा से करने के साथ घाटमपुर थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की।

घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है, दरोगा के बारे में जानकारी की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

छात्रों की वोटिंग से शिवराजपुर ब्लॉक के शिक्षक हुए सम्मानित

संवाददाता, शिवराजपुर

- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्व विद्यालय में हुए सम्मानित
- सम्मानित हुए शिक्षकों को लोगों ने दी बधाई व शुभकामनाएं

अमृत विचार। छात्रों द्वारा आनलाइन वोटिंग के आधार पर चयनित कानपुर जिले के एक सैकड़ा शिक्षकों को शुक्रवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई ऑडिटोरियम में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने की। इस मौके पर अंगद सिंह, शहर के एक सैकड़ा विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं शिक्षाविद भी उपस्थित रहे। कानपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने आनलाइन मतदान के माध्यम से अपने पसंदीदा शिक्षकों का चयन किया।

इन्हीं वोटों के आधार पर एक सैकड़ा शिक्षकों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। रामसहाय इंटर कॉलेज बैरी शिवराजपुर के अरविंद यादव, विन्यास पब्लिक स्कूल से अरुण कुमार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय विद्यालय से बांके बिहारी पाण्डेय एवं वीरांगना अवंती बाई विद्यालय शिवराजपुर से अजय वीर सिंह को सम्मानित किया गया।

सपा ने की मतदाता पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक

संवाददाता, बिल्हौर

पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करते सपा नेता। अमृत विचार

अमृत विचार । समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने बिल्हौर के आराजीईशेपुर बूथ पर विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बूथ स्तरीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों की बारीकी से जांच की।

उन्होंने बताया कि परीक्षण के दौरान, आराजीईशेपुर बूथ पर कुल 94 नाम मतदाता सूची से विलोपित किए जाएंगे। इनमें डुप्लीकेट (4), डबल (6), मृतक (17) और शिफ्टेड (67) मतदाता शामिल हैं। विनय यादव ने निर्वाचन व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन से सहयोगात्मक रवैया अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि साक्षरता के निम्न स्तर को देखते हुए त्रुटिवश संदिग्ध सूची में जा रहे फार्मों की प्रक्रिया ग्राम स्तरीय समन्वय से पूरी की जाए। उन्होंने सभी परिवारजनों से मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि सपा के सभी बूथ लेवल एजेंट्स को सूची के पुनरीक्षण का निर्देश दिया गया है।

बिल्हौर तहसील परिसर में वापस लाया जाए कार्यालय

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर बार एसोसिएशन व दि लायर्स एसोसिएशन ने उप निबंधक कार्यालय को तहसील परिसर से काफी दूरी पर स्थानांतरित किए जाने के विरोध में जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा है। दोनों अधिवक्ता संगठनों ने पुरजोर मांग की है कि जनहित को देखते हुए उप निबंधक कार्यालय को पुनः तहसील परिसर या उसके निकट ही स्थापित किया जाए।

शुक्रवार को दोनों अधिवक्ता संगठनों ने उप जिलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया गया है कि बिल्हौर तहसील में उप निबंधक कार्यालय शुरू से ही तहसील परिसर/भवन में संचालित होता आ रहा था। हालांकि, उप निबंधक कार्यालय भवन जर्जर होने के कारण इसे तहसील परिसर से लगभग 2 किलोमीटर दूर एक असुरक्षित और नव-निर्मित क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिवक्ता संगठनों का कहना है कि यह स्थान तहसील परिसर से काफी दूरी पर है, जिससे आम जनता और अधिवक्ताओं को भारी असुविधा हो रही है।

एसोसिएशन ने वर्तमान स्थानांतरित स्थल की सुरक्षा और सुगमता पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। नए स्थान के निकट कोई पुलिस थाना या पुलिस चौकी नहीं है, जिससे कार्यालय, अभिलेखों और आमजन की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगता है।

समाजवादी पार्टी के वयोवृद्ध नेता का हुआ निधन

राजाराम दुबे।

बिल्हौर। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के वयोवृद्ध नेता व समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे राजा राम दुबे का शुक्रवार को 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर जाकर उनको श्रद्धांजलि दी। बिल्हौर विधानसभा के अध्यक्ष विनय यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी के स्थापना से लेकर आज तक अपने बूथ पर समाजवादी पार्टी का झंडा फहराने वाले वयोवृद्ध कार्यकर्ता राजाराम दुबे के निधन पर पार्टी ने एक सच्चे कार्यकर्ता को खो दिया है। उनके निधन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा भी फोन पर श्रद्धांजलि दी गई है और उन्होंने जल्दी उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि देने के भी बात कही है।

मोदी योगी को अपशब्द कहने वाले कोटेदार की जांच शुरू

संवाददाता, बिल्हौर

- शराब ठेके पर खुलेआम योगी मोदी को कह रहा था अपशब्द
- कोटेदार को भेजा गया जेल, पहले भी रह चुका है विवादित

अमृत विचार। शराब के ठेके पर शराब के नशे में मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को अपशब्द कहने वाले कोटेदार को जेल भेजे जाने के बाद अब खाद्य रसद विभाग भी सक्रिय हो गया है। उसके खिलाफ जांच पड़ताल की जा रही है।

शुक्रवार को क्षेत्रीय खाद्य रसद अधिकारी ओमप्रकाश राणा और खाद्य निरीक्षक दिनेश कुमार ने ग्राम पंचायत में पहुंचकर कोटेदार के मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के बयान के आधार पर जांच प्रक्रिया के साथ स्टॉक रजिस्टर व अन्य तमाम आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। बीते 3 दिन पहले ही कोटेदार आमिर सिद्दीकी द्वारा शराब ठेके पर तमाम जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को अपशब्द कहे गए थे, जिसके बाद क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की आपत्ति के बाद विभाग जाग गया है और उसके खिलाफ जांच पड़ताल कर रहा है। यह कोटेदार पहले भी विवादों में रह चुका हे। कभी राशन के बदले पैसे बांटने का वीडियो वायरल हुआ था तो कभी घटतौली का वीडियो वायरल हो चुका है ।हालांकि अमृत विचार द्वारा ऐसे किसी प्रकार के वीडियो की पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन मामले में आरोपी कोटेदार के जेल जाने के बाद अब विभागीय कार्रवाई भी शुरू हो गई है। निरीक्षक दिनेश कुमार द्वारा बताया गया रहीमपुर विषधन के साथ संतुपुरवा और प्रसादपुरवा गांव के लोगों के बयान लिए गए हैं और राशन तय समय पर न बांटकर अपने हिसाब से बांटने की शिकायत की पुष्टि भी हुई है। मामले की रिपोर्ट बनाई जाएगी इसके बाद उच्च आगे की कार्यवाही की जाएगी।

ट्रक बैक करते समय महिला के सिर पर चढ़ा पहिया, मौत

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे में कृषि उत्पादन मंडी समिति में एक खाली ट्रक को बैक करते समय मानसिक विक्षिप्त महिला चपेट में आ गई। उसके सिर पर ट्रक का पहिया चढ़ने से मौत हो गई।

कस्बे के मोहल्ला रागौल नई बस्ती निवासी फूलारानी उर्फ़ रामश्री (65) पत्नी लल्लू गल्ला मंडी गई थी। तभी एक खाली खड़े ट्रक का चालक उसे बैक करने लगा। वहीं बैठी महिला टायर की चपेट में आ गई। उसके सिर में पहिया चढ़ने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना होने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। बुजुर्ग महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही है। जबकि वह अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्रियों को रोता बिलखता छोड़ गई है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा है ।

दिये निर्देश | शाम को पांच बजे धान क्रय केंद्र पहुंच कर की जांच-पड़ताल

धान खरीद केंद्र का एसडीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता, बिल्हौर

क्रय केंद्र का निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

- एसडीएम ने अभिलेखों का भी किया गहन अवलोकन
- लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी : एसडीएम

अमृत विचार । किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से संचालित मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत, शुक्रवार को उपजिलाधिकारी बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित ने शिवराजपुर स्थित धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया । यह निरीक्षण शाम 5:00 बजे किया गया, जिसका उद्देश्य खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता और दक्षता की जांच करना था।

उपजिलाधिकारी को निरीक्षण के दौरान केंद्र पर शिवराजपुर प्रथम व द्वितीय विपणन निरीक्षक अमित सिंह, शिवराजपुर तृतीय विपणन निरीक्षक स्वाति , भारतीय खाद्य निगम केंद्र प्रभारी राज कमल मौजूद मिले।

उपजिलाधिकारी ने केंद्रों का भौतिक निरीक्षण करने के बाद अभिलेखों का भी गहन अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने वहां पर मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों से शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र किसान धान बेचने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, खरीदे गए खाद्यान्न को सुरक्षित और समय पर गोदामों तक पहुंचाने के लिए सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि खरीद प्रक्रिया में लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

कार्यालय नगर पंचायत अकबरपुर जनपद कानपुर देहात

पत्र संख्या :–1179/एन0पी0ए0/उपनियम/2025–26 दिनांक 12/12/2025

सूचना

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत अकबरपुर, जनपद–कानपुर देहात ने नगर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की आवासीय प्लाटिंग के मानचित्र स्वीकृत करने करने की दृष्टि से आवासीय प्लाटिंग के मानचित्र स्वीकृत विनियमन एवं नियंत्रण उपविधि 2025 द्वारा बनाने का नगर पंचायत अकबरपुर, जनपद–कानपुर देहात बोर्ड द्वारा प्रस्ताव करती है, उसका प्रस्तावित नवीन उपविधि का प्रारुप समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचना के लिये और उसके सम्बन्ध में आपत्तिया व सुझाव आमन्त्रित करने की दृष्टि से नगर पालिका एक्ट की धारा 300, 1 के अन्तर्गत दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाता है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति व सुझाव देना हो तो वह लिखित रुप से नगर पंचायत अकबरपुर, जनपद–कानपुर देहात कार्य दिवस में दे सकता है, समय समाप्त होने पर किसी भी आपत्ति व सुझाव पर कोई भी विचार नही किया जावेगा तथा गजट में प्रकाशन के उपरान्त तत्काल प्रभाव से लागू माना जावेगा।

–: आवासीय प्लाटिंग के मानचित्र स्वीकृत उपविधि 2025 :–

1– अनुज्ञा पत्र जारी होने के उपरान्त यदि संज्ञान में आता है कि नक्शा स्वीकृति हेतु आवेदक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख फर्जी है अथवा गलत है, तो नगर पंचायत अकबरपुर द्वारा दी गयी नक्शों की स्वीकृति स्वतः ही निरस्त मानी जायेगी तथा निर्माण ध्वस्त किया जा सकता है अथवा सील किया जा सकता है।
2– कोई भी व्यक्ति, कम्पनी, फर्म या संस्था, राजकीय विभाग या ठेकेदार द्वारा निर्मित/प्रस्तावित मानचित्र के0डी0ए0/नगर पंचायत अकबरपुर से स्वीकृत होने के वावजूद उन सभी विभागों से जिन से लाइसेंस/अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना आवश्यक है, अनुमति प्राप्ति का उत्तरदायित्व अनिवार्य रूप से आवेदक का होगा।
3– प्रस्तावित प्लाटिंग के निर्माण का कार्य प्रारम्भ करते समय तथा निर्माणाधीन अवधि में कोई भी निर्माण सामग्री मार्ग पर एकत्रित/अतिक्रमण न किया जाय।
4– जलमल की निकासी मुख्य/अन्य मार्ग पर न की जाय तथा सीवरेज/नाली का निस्तारण प्लाटिंग स्वामी द्वारा सुनिश्चित किया जाये।
5– प्रतिबन्ध रहेगा कि निर्मित/प्रस्तावित प्लाटिंग में स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण की अवधि अनुज्ञा जारी होने की दिनांक से 03 वर्ष की होगी।
6–500मी0 से अधिक क्षे0 के भूखण्ड नक्शा पास करना होगा।
7– रोड़ कम से कम 25 फीट की होना अनिवार्य होगा।
8– बिजली के खम्भे, नाली, जल निकासी आदि की समुचित व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।
9– ओपेन पार्क की व्यवस्था।
10– नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत वह क्षेत्र जहाँ के0डी0ए0 भी लागू है वहाँ पर होने वाली किसी भी निर्माण/प्लाटिंग से पूर्व अनापत्ति नगर पंचायत अकबरपुर से लेना अनिवार्य होगा। जिससे कि नगर पंचायत को भविष्य की योजनायें बनाने में सुगमता रहे।
11– प्रतिबन्ध रहेगा कि स्वीकृत मानचित्र की अवधि तीन वर्ष के पश्चात कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र कार्यालय नगर पंचायत अकबरपुर से प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा।
12– प्रतिबन्ध रहेगा कि स्वीकृत मानचित्र में बिना किसी पूर्व सूचना के मानचित्र स्थल में किसी भी प्रकार का परिवर्धन/परिवर्तन नही किया जायेगा। यदि किसी भी प्रकार का परिवर्तन/परिवर्धन भवन/मानचित्र में प्रस्तावित है तो नगर पंचायत अकबरपुर से स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
13– प्रतिबन्ध रहेगा कि अनुमोदित मानचित्र किसी भी दशा में स्वामित्व का अभिलेख नही माना जायेगा।
14– प्रतिबन्ध रहेगा कि कम से कम 200 वर्ग मीटर क्षेत्रफल पर दो पेड़ की दर से वृक्षारोपण अनिवार्य रूप से करना होगा।
15– भूखण्ड स्वामी द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि भूखण्ड पर निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप स्थल पर किया जायेगा।
16– प्रतिबन्ध रहेगा कि समय–समय पर शासन द्वारा उक्त विषयक निर्गत शासनादेश स्वतः प्रभावी होंगे।
17– किसी प्रकार का विवाद होने की स्थिति में नगर पंचायत अकबरपुर उत्तरदायी नही होगा।
18– प्रतिबन्ध रहेगा कि स्वीकृत मानचित्र के सापेक्ष भवन निर्माण नेशनल बिल्डिंग कोड के स्ट्रक्चरल प्राविधानों के सुरक्षा मानकों के अनुसार ही कराया जायेगा। यह उत्तरदायित्व प्लाटिंग स्वामी का होगा।
19– फर्म को रेरा में पंजीकृत कराकर पंजीकरण की सूचना कार्यालय के देना होगा।
20– प्लाटिंग स्वामी को नियमानुसार उपकर श्रम विभाग में जमा कर उसकी सूचना नगर पंचायत कार्यालय में देना अनिवार्य होगा।
21– भूमि उपयोग धारा 80C/अकृषक आदि से सम्बन्धित अभिलेख कार्यालय में तीन माह में जमा करना होगा।
22– नगर पंचायत अकबरपुर से NOC/प्लाटिंग हेतु मानचित्र स्वीकृति प्राप्त करने हेतु शुल्क निर्धारित Annual Rental value का 2 गुना तक देय होगा।

–: शस्ति :–

उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 यू0पी0 एक्ट संख्या 2, 1916 की धारा 299, 1 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत अकबरपुर, जनपद–कानपुर देहात निर्देश देती है कि उपरोक्त उपविधियों में से किसी धारा का उल्लंघन पाये जाने पर अर्थदण्ड से दण्डित किया जायेगा। यदि उल्लंघन निरन्तर जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डित किया जायेगा जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अपराधी निरन्तर अपराध करता रहा है ऐसे प्रत्येक दिन के लिये रुपया एक सौ प्रतिदिन कि दर से अतिरिक्त दण्ड से दण्डित किया जायेगा।

(आशीष कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत अकबरपुर
कानपुर देहात

(दीपाली सिंह)
अध्यक्ष
नगर पंचायत अकबरपुर
कानपुर देहात

आज का मौसम

प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी। बारिश की कोई संभावना नहीं है।

23.0⁰ अधिकतम तापमान | 13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06 : 48 | सूर्यास्त 05 : 18

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **राष्ट्रीय लोक अदालत :** राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ दीवानी न्यायालय परिसर, प्रथम तल स्थित मीटिंग हाल में प्रातः 09 :30 बजे।
- **सम्मान समारोह :** शहीद वीर अब्दुल हमीद सोशल वेलफेयर सोसायटी का सम्मान समोराह लेडी मरियम स्कूल सैयद नगर (सुरेंद्र नगर) रावतपुर में अपराह्न 2 बजे। मुख्य अतिथि विधायक अमिताभ वाजपेयी, विधायक नसीम सोलंकी, पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी होंगे।
- **भजन-चूनढ़ उत्सव :** श्री राणी सती दादी परिवार सिरकी मोहाल के 26 वें मंगल महोत्सव में सुमधुर भजन एवं चूनढ़ उत्सव सायं 7 बजे।
- **चरण पादुका महोत्सव :** श्री सांई बाबा संस्थान ट्रस्ट शिरडी द्वारा श्री सांईनाथ की मूल अधिकृत चरण पादुका का आगमन महोत्सव सांई दरबार बिठूर में सायं 4 बजे।
- **उद्घाटन :** गुरु नानक गर्ल्स इंटर कालेज लाटूश रोड पर कक्षों का उद्घाटन प्रातः 11.30 बजे।

सिटी ब्रीफ

जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत आज

कानपुर। जनपद न्यायालय में 13 दिसंबर शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी जिसका उद्घाटन न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव प्रशासनिक न्यायाधीश, जनपद कानपुर नगर करेंगे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमलेश कुमार मौर्य ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में अन्तिम लोक अदालत से अधिक वादों का निस्तारण किये जाने हेतु बैंक वसूली, किरायेदारी वाद, मोबाइल फोन व केबल नेटवर्क सम्बन्धी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से सम्बन्धित प्रकरण, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं तथा वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण, राजस्व / चकबन्दी / श्रम वाद, चालानी वाद व शामनीय प्रकृति के फौजदारी वाद से सम्बन्धित इस बार कुल-2,83,667 वादों को चिन्हित किया गया है।

पेंशनर्स दिवस 17 दिसम्बर को

कानपुर। मुख्य कोषाधिकारी जयश्री सिंह ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में 17 दिसम्बर (बुधवार) को जीएनके इंटर कालेज में प्रातः 11.30 बजे से पेंशनर्स दिवस आयोजित किया जाएगा।

सड़क निर्माण की जांच

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने जांच के बाद ही भुगतान के निर्देश दिए हैं। इसके लिए एचबीटीयू को लिखा गया था। शुक्रवार को शहर की तीन नई सड़कों व इंटरलॉकिंग सड़क के कार्य की जांच की। कर्रही, दामोदरनगर और हंसपुरम में टीम ने सड़क के नमूने भरे। तीनों सड़कों करीब 2.50 करोड़ रुपये से जोन 3 में बनाई गई हैं। अब एचबीटीयू की जांच रिपोर्ट के आधार पर ही ठेकेदार का पेमेंट होगा।

नए वोटर्स को प्राथमिकता पर सूची में शामिल करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग विवेक जोशी ने एसआईआर की समीक्षा बैठक की
- बीएलओ-बीएलए में तालमेल ठीक रहे, राजनीतिक पार्टियों को भी जानकारी देते रहें

अमृत विचार। ऐसे पात्र नागरिक जो अभी कहीं के मतदाता नहीं है और जिन्हें गणना प्रपत्र नहीं मिला है, वे फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को दें अथवा वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से आवेदन करें। नए मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर मतदाता सूची में शामिल किया जाए जिससे अधिक से अधिक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में भारत निवार्चन आयोग के आयुक्त विवेक जोशी अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत कानपुर नगर जनपद के सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह सहित सभी मतदाता पंजीकरण अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। निर्वाचन आयुक्त ने निर्देश दिए कि एसआईआर का कार्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न किया जाए। अभियान की प्रत्येक प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें और उन्हें सभी आवश्यक सूचनाओं से समय-समय पर अवगत कराया जाए। जिन मतदाताओं के भरे हुए गणना प्रपत्र अभी तक वापस प्राप्त नहीं हुए हैं, उनकी सूची भी राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाए।

निर्वाचन आयुक्त ने बूथ स्तर पर बीएलओ और बीएलए के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं, उनके माता-पिता और अन्य परिजनों से संबंधित 2003 की मतदाता सूची से जुड़ी जानकारियों का समुचित अंकन किया जाए, जिससे नो-मैपिंग की स्थिति में कमी लाई जा सके।

नवीन सभागार में बैठक करते भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त विवेक जोशी व अन्य। अमृत विचार

समझौते की बात नहीं मानी तो घर फूंक दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंदनगर इलाके में रहने वाली किशोरी के घर में ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर गुरुवार रात एक युवक ने आग लगा दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी किशोरी का अश्लील वीडियो वायरल करने वाले का बड़ा भाई है। वह समझौता का दबाव बना रहा था, बात न मानने पर आग लगाई है।

गोविंदनगर थाने में किशोरी की मां ने तहरीर देकर बताया कि कई माह पहले इलाके के एक युवक ने उनकी नाबालिग बेटी का दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया था। वीडियो उसने वायरल भी कर दिया। इसके बाद मामले की जानकारी हुई। आरोपी के परिजनों से शिकायत की तो वह लड़ने पर ऊतारू हो गए। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसकी जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है। तब से आरोपी युवक के परिजन धमकाकर समझौते का दबाव बना रहे थे। किशोरी की मां का आरोप है कि युवक के बड़े भाई ने गुरुवार रात करीब पौने बारह बजे उनके घर का मेन गेट बंद कर ज्वलनशील पदार्थ बोतल में भर कर खिड़की से अंदर फेंक दिया।

लखनऊ फाटक के पास पेंटो फंसते ही ओएचई भी टूट कर बिखर गई, मचा हड़कंप

वंदेभारत के पेंटो में फंसा कपड़ा, धमाके संग रुकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यात्रियों में फैली दहशत, मरम्मत के कारण दो घंटे लेट हो गई वीवीआईपी ट्रेन

अमृत विचार। कानपुर की सबसे वीआईपी ट्रेन वंदेभारत उस समय हादसे का शिकार होते बच गई जब लखनऊ फाटक के पास ओएचई (ओवर हेड इलेक्ट्रिक) में कपड़ा फंस गया और वंदेभारत का पेंटो उसी में फंस गया। धमाके के साथ पेंट्रो टूट गया। ओएचई लाइन भी झटके के साथ टूट गयी। घटना के चलते ये ट्रेन दो घंटे लेट हो गई।

शुक्रवार को वाराणसी से दिल्ली जा रही गाड़ी संख्या 22415 वंदेभारत एक्सप्रेस प्रातः 9.15 बजे लखनऊ फाटक के पास कानपुर सेंट्रल स्टेशन के आउटर पर पहुंची थी, तभी ओएचई में फंसे कपड़े से पेंटो (इंजन से हाईटेंशन लाइन से करंट देने वाला यंत्र) टकरा गया जिससे धमाके के साथ पेंट्रो टूट गया। झटका लगने काफी दूर तक ओएचई लाइन भी टूट गई और उसका तार दोनों ओर झटके के साथ बिखर गया। घटना होते ही यात्रियों में दहशत फैल गयी। गार्ड और चालक ने वाकी टाकी से घटना की जानकारी रेलवे के आला अफसरों को दी जिसपर जीआरपी, आरपीएफ, रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। रेलवे की टीम ने टूटी ओएचई को दुरुस्त किया और पेंट्रो को भी ठीक किया गया। इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस खड़ी रही।

इस संबंध में कानपुर सेंट्रल स्टेशन के उप मुख्य यातायात प्रबंधक एवं निदेशक आशुतोष सिंह का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। पेंटो और ओएचई टूटने से दिक्कत आई। सेंट्रल स्टेशन से वंदेभारत एक्प्रेस दो घंटे लेट प्रातः 11.40 बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हो गयी।

लखनऊ फाटक पास रुकी ट्रेन अमृत विचार

पुरी-दिल्ली-भुवनेश्वर के लिए विशेष ट्रेन

कानपुर। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 08403/08404 पुरी-दिल्ली-भुवनेश्वर विशेष गाड़ी का संचालन करने की घोषणा की है। ये गाड़ी 15 दिसंबर को पुरी से चलेगी जबकि दिल्ली से 16 दिसंबर को रवाना होगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि उक्त गाड़ी में स्लीपर 7, जनरल 4, थर्ड एसी 4, एसी सेकंड 1, पार्सल कोच 2 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 08403 पुरी से सोमवार को प्रातः 11.45 बजे रवाना होगी। खुर्दा रोड दोपहर 12.40 बजे, बालासोर सायं 4.40 बजे, गया रात 2.10 बजे, प्रयागराज प्रातः 8.35 बजे, गोविंदपुरी दोपहर 12.55 बजे, दिल्ली मंगलवार को रात 8.30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08404 दिल्ली से मंगलवार को रात 11 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी प्रातः 6.30 बजे, फतेहपुर प्रातः 7.53 बजे, प्रयागराज प्रातः 10.05 बजे, मिर्जापुर प्रातः 11.30 बजे, कटक प्रातः 5.30 बजे, भुवनेश्वर 6.30 बजे आएगी।

आरटीओ चालान की एपीके फाइल भेजी, खोलते ही खाता हुआ खाली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फाइल देख उसे खोलते ही मोबाइल हुआ हैक, पैसे गायब
- चकेरी में साइबर शातिरों ने युवक को बनाया शिकार
- पांच लाख रुपये की चपत लगाई चकेरी में रिपोर्ट

अमृत विचार। साइबर शातिर व्हाट्सएप पर एपीके फाइल भेजकर लोगों को आसान ठगी का शिकार बना रहे हैं। चकेरी में युवक के आरटीओ चालान के नाम से एपीके फाइल भेजकर खाते से पांच लाख रुपये पार कर लिए। फाइल खोलते ही मोबाइल हैक हुआ और रुपये निकल गए। पीड़ित को ठगी का पता चलने पर चकेरी थाने में शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

श्यामनगर के चाणक्यपुरी निवासी गौरव सेठ ने बताया कि बीती पांच दिसंबर की शाम उनके व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आया था। देखने पर पता चला कि उन्हें एपीके फाइल भेजी गई थी। आरटीओ चालान के नाम से फाइल होने के कारण उन्होंने उसे खोलकर देखा तो मोबाइल तत्काल हैक हो गया। इस पर उन्होंने स्विचऑफ कर दिया। कुछ देर बाद मोबाइल ऑन किया, लेकिन नहीं खुला। दोबारा प्रयास करने पर ऑन हुआ, लेकिन इसके कुछ देर बाद ही फिर मैसेज आए। जिसमें कई बार में उनके खाते से पांच लाख रुपये निकलने की जानकारी हुई। मैसे पढ़कर उनके होश उड़ गए। उन्होंने जानकारी की तो पता चला कि नेट बैंकिंग के माध्यम से रकम निकाली गई है। इसके बाद गौरव ने साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई और उसके बाद तत्काल चकेरी थाने में शिकायत की। कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एपीके फाइल से ठगी के मामले

- श्यामनगर के सुयश पाठक को 13 जुलाई को एपीके फाइल भेजकर शातिरों ने की 2.11 लाख की ठगी
- मंधना की रागिनी को भी एपीके फाइल भेजकर तीन अगस्त को खाते में जमा 67 हजार रुपये निकले
- बिधनू निवासी शिक्षक संतोष यादव को 22 अगस्त को एपीके फाइल भेजकर 1.63 लाख की ठगी
- लालबंगला के बर्तन कारोबारी विमलेश अग्रवाल को भी एपीके फाइल भेज 1.93 लाख रुपये पार किए

हैदराबाद फ्लाइट रद्द, मुंबई दिल्ली, बेंगलुरु की आई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को कानपुर हैदराबाद फ्लाइट कैंसिल रही जिससे यात्री परेशान हुए जबकि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की फ्लाइट कानपुर आई और गई। हैदराबाद के यात्रियों को किराया वापस कर दिया गया।कानपुर से बेंगलुरु के लिये पहले सप्ताह में तीन दिन फ्लाइट थीं लेकिन अब प्रतिदिन ये फ्लाइट उड़ान भर रही है। शुक्रवार को बेंगलुरु की फ्लाइट 11.59 बजे कानपुर के रनवे पर लैंड की। इस फ्लाइट से 134 यात्री बेंगलुरु से आए जबकि कानपुर से 138 यात्री बेंगलुरु के लिए रवाना हुए। इसी प्रकार दिल्ली की फ्लाइट दोपहर 1.58 बजे कानपुर आई और दोपहर 2.29 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। इस फ्लाइट से 126 यात्री दिल्ली से आए और कानपुर से 138 यात्रियों ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। मुंबई फ्लाइट दोपहर 3.55 बजे कानपुर आई, इस फ्लाइट में 123 यात्री आए और दोपहर 4.22 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरी, इस फ्लाइट में 160 यात्री रवाना हुए। हैदराबाद-फ्लाइट किन्हीं कारणों से शुक्रवार को रद्द रही।

सागर मार्केट रोड श्रीप्रकाश के नाम की जाए

कानपुर। एमएलसी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई ने महापौर प्रमिला पांडेय को प्रस्ताव दिया है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश का मूल घर केनाल रोड पर आज भी है। परिवार के सदस्य अभी भी वहां पर निवास करते हैं। श्रीप्रकाश ने जनसेवा के कार्यों का आगाज इसी घर में रहकर किया था। इस कारण घंटाघर से सागर मार्केट तक आने वाली सड़क का नामकरण श्रीप्रकाश जायसवाल मार्ग से करें तो उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सोना-चांदी के भाव की सुनामी, फिर नई कहानी

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दो महीने के भीतर ही सोना और चांदी के भाव ने फिर ऊंचाई के रिकार्ड तोड़ दिए। अब कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,34,700 का 10 ग्राम और चांदी 1,98,500 रुपये किलो पर पहुंच गई, जो सर्वकालिक ऊंचाई है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि वैश्विक हालात के साथ इन धातुओं की चाल बता रही है कि दोनों ही अपने भाव के रिकार्ड फिर तोड़ सकते हैं। पिछले 42 दिन में सोने के भाव में कोई 14 हजार और और चांदी में 53 हजार की बढ़ोतरी हो गई। दिवाली के पहले सोने और चांदी के भाव जिस तेजी से बढ़ते गए, ऐसा कभी नहीं हुआ था। हालात यह थे कि विशेषज्ञ भी हैरत में थे और उन्हें भी इनकी हवाई उड़ान का अंदाजा नहीं लग रहा था। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, टैरिफ वॉर और सुरक्षित निवेश ने सोने और चांदी की चाल बेहद तेज कर दी थी। 14 अक्टूबर को चांदी 1,86,000 रुपये किलो और 17 अक्टूबर को सोना 1,33,900 रुपये 10 ग्राम पहुंच गया था, जो दोनों के भाव की सर्वकालिक ऊंचाई थी। बीते 28 अक्टूबर को सोना 1,21,150 का 10 ग्राम और चांदी 1,45,500 रुपये किलो पर आ गई थी। इसके बाद कीमत फिर बढ़ना शुरू हुई और अब शुक्रवार को सोना 1,34,700 रुपये का 10 ग्राम और चांदी 1,98,500 रुपये किलो पर पहुंच गई।

उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि जबरदस्त औद्योगिक मांग, कमजोर होता रुपया और वैश्विक आर्थिक हालात के बीच सुरक्षित निवेश के कारण दोनों के दाम फिर बढ़ रहे हैं। आभूषण कारोबारी रामेन्द्र अवस्थी का कहना है कि सराफा बाजार में सन्नाटा है। न तो खरीदार हैं और न बेचने वाले। अफरातफरी का माहौल है।

- सोना 1,34,700 का 10 ग्राम, चांदी 1,98,500 की एक किलो
- अक्टूबर के बाद फिर भाव की ऊंचाई के टूटे रिकार्ड, गहना बाजार में गहन सन्नाटा

गोलमाल — 16 दिसंबर को लखनऊ में धरना प्रदर्शन करेंगे

वाहनों की फिटनेस में सारे नियम फेल, जुगाड़ का खेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मंडलायुक्त एवं आरटीओ से की गई शिकायत की जांच शुरु
- निजी हाथों में वाहन फिटनेस जाने के बाद कई गुना बढ़ी वसूली

अमृत विचार। वाहनों की फिटनेस कराने में यदि जुगाड़ नहीं है तो चाहे जितना फिट वाहन हो, अनफिट हो जाएगा। यदि मनचाहा काम कर दिया तो वाहन की फिटनेस दो घंटे में मिल जाएगी। पहले वाहनों की फिटनेस 1500 से 2000 रुपये में हो जाती थी लेकिन अब फिटनेस के 7500 से 8000 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति ने 16 दिसंबर को लखनऊ स्थित ईको गार्डन में धरना प्रदर्शन एवं सीएम को संबोधित ज्ञापन देने की घोषणा की है।

उत्तर प्रदेश ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव जायसवाल उर्फ विक्की ने बताया कि उन्होंने अपने कार्मशियल वाहन को 2 दिसंबर को फिटनेस के लिए भेजा तो अनफिट कर दिया गया। उसी दिन दलाल से बात हुई तो दलाल ने 7500 रुपये मांगे। मैंने 7500 रुपये जैसे ही ट्रांसफर किये 3 दिसंबर को उनके वाहन की दो घंटे में फिटनेस मिल गयी। बीते दिनों विक्की जायसवाल ने इसकी शिकायत मंडलायुक्त एवं संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र सिंह से की जिसपर मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है जिसमें एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार के अतिरिक्त आरटीओ कानपुर देहात व एक अन्य अधिकारी को सौंपी गयी है जो बीते दिनों फिटनेस प्वाइंट का जायजा ले चुके हैं।

ओवरलोड चालान 2000 रुपये प्रति टन करें: उत्तराखंड में ओवरलोड वाहन का चालान प्रति टन 2000 रुपये निर्धारित है लेकिन उत्तर प्रदेश में 22000 रुपये प्रति टन वसूला जा रहा है जिससे वाहन स्वामी भूखमरी के कगार पर हैं, छोटे वाहन संचालन करने वालों का बुरा हाल है, उनका परिवार मुसीबत में है। उत्तर प्रदेश ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव जायसवाल उर्फ विक्की ने बताया कि 16 दिसंबर को लखनऊ के ईगो गार्डेन में लोडर संचालक धरना प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारी को सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि कानपुर में पहले 1500 से 2000 रुपये में वाहनों की फिटनेस हो जाती थी लेकिन निजी हाथों में फिटनेस का काम जाने के बाद अब इसी फिटनेस के लिए 7500 लिये जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस दिन जांच टीम फिटनेस प्वाइंट पर गई थी, उस दिन फिटनेस के लिए वाहनों को ही नहीं बुलाया गया।

आरटीओ को ज्ञापन सौंपते विक्की जायसवाल व अन्य (फाइल फोटो)।

शिकायत की जांच की जा रही

वाहनों की फिटनेस में अधिक पैसे लिये जाने की शिकायत की जांच हो रही है, अभी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को नहीं सौंपी गयी है, जल्द ही रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

डॉ. राजेश कुमार, एडीएम सिटी

बुलडोजर की दहशत से बुजुर्ग की मौत का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीटी रोड पर कब्जा गिराने गई नगर निगम टीम, हार्टअटैक पड़ने का दावा
- जोन तीन में भी चला अतिक्रमण अभियान, 60 हजार रुपये का किया चालान

अमृत विचार। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आगमन को लेकर शुक्रवार को नगर निगम ने जीटी रोड स्थित हैलट साइड पर अतिक्रमण अभियान चलाया। जोन 4 और जोन 6 ने अपने-अपने क्षेत्रों के पास जीटी रोड किनारे लगी दुकानों को या तो हटा दिया या फिर हरे पर्दे से ढक दिया। जोन 6 पट्टी पर अवैध रूप से बने टट्टर और टिन शेड को तोड़ दिया गया। इस दौरान यहां बुलडोजर की कार्रवाई के दौरान एक 62 वर्षीय बुजुर्ग रामबेटी की तबियत बिगड़ गई और मौत हो गई। कब्जेदारों व परिवार के लोगों ने दावा करते हुए कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई की वजह से ही रामबेटी को हार्टअटैक आया है। इस दौरान आस-पास के लोगों की भीड़ लग गई। हालांकि, बुजुर्ग की मौत के बाद दस्ते ने बीच में कार्रवाई रोक दी। इस दौरान एक दर्जन से अधिक कब्जों को धराशायी कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने कोई विरोध नहीं किया तो पुलिस भी नहीं पहुंची। जोनल अधिकारी जोन 6 रवि शंकर यादव ने बताया कि एक दर्जन से अधिक फुटपाथ पर हुए कब्जों को हटाया गया। वहीं, जोन 3 में जुही डिपो के पास भी नगर निगम ने अतिक्रमण अभियान चलाया। यहां अवैध रूप से फुटपाथ पर लगी कबाड़ व अन्य दुकानों को हटवाया। यहां नगर निगम ने 60 हजार जुर्माना भी वसूला।

सिटी ब्रीफ

वरिष्ठ पत्रकार का बीमारी से निधन

कानपुर। अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार मनीष निगम का शुक्रवार शाम अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। पांच दिन पहले उन्हें लाजपत नगर स्थित एक नर्सिंगहोम में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। शनिवार 13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे भैरोघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वह अपने पीछे बुजुर्ग मां शकुंतला देवी, बहन, दो भाइयों और भतीजों का परिवार छोड़ गए हैं। कानपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस वाजपेयी और महामंत्री शैलेश अवस्थी ने दु:ख जताते हुए उन्हें निर्भीक, ईमानदार पत्रकार बताया। सोमवार को प्रेस क्लब कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा होगी।

पत्नी के बर्ताव से दुखी युवक ने फांसी लगा दी जान

कानपुर। रावतपुर में सात माह पहले पत्नी मायके गई और नहीं लौटी। तीन माह पहले पति उसे विदा कराने गया तो ससुरालियों ने उससे मारपीट की। पत्नी के मायके से न आने और मारपीट होने से परेशान युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। धामीखेड़ा निवासी 30 वर्षीय सोनू पाल मजदूरी करता था। उसकी शादी फतेहपुर के औंग की रहने वाली किरन से हुई थी। परिजनों ने बताया कि करीब सात माह पहले सोनू की पत्नी लड़कर मायके चली गई थी। सोनू तीन माह पूर्व पत्नी को विदा कराने फतेहपुर ससुराल गया। वहां ससुरालीजनों ने उससे मारपीट की, जिससे वह परेशान चल रहा था। शुक्रवार सुबह सोनू ने कमरे में फांसी लगा ली। रावतपुर थाना प्रभारी मनोज मिश्र ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

सोनू पाल।

कमरे में मृत मिला इंजीनियर, अकेले रहता था

कानपुर। गोविंदनगर में इंजीनियर का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। दो दिन से कमरे से बाहर न निकलने पर किराएदार ने लखनऊ में रहने वाले बड़े भाई को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव देखा तो चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा। परिजनों ने बताया कि इंजीनियर शराब का लती था, दो माह पहले मां की मौत के बाद से वह अकेले रहता था। लखनऊ आशियाना निवासी रिटायर्ड बैंक कर्मी अरुण कुमार दीक्षित ने बताया कि उनका 55 वर्षीय भाई अनिल बीटेक करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को कोचिंग पढ़ाते थे। उसके शादी के एक साल बाद ही पत्नी रीना की मौत हो गई थी।

दो पक्षों में मारपीट का वीडियो वायरल

कानपुर। जाजमऊ के नटराज चौराहा के पास शुक्रवार दोपहर दो पक्षों के बीच जमका विवाद हुआ। मामला इतना बढ़ा कि गाली-गलौज के बाद दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। इस दौरान पूरी घटना का किसी ने वीडियो बना लिया। जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

माइक्रोबायोलॉजी में वायरस की जानकारी देते डॉ.विकास मिश्रा, डॉ.सुरैया खानम, डॉ.मधु यादव व छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

महिला संबंधित रोगों के निदान प्रदर्शनी में शामिल एचओडी डॉ.रेनू गुप्ता, डॉ.नीना गुप्ता, डॉ.रश्मि यादव समेत अन्य। अमृत विचार

मेडिकल शिक्षा, रोग निवारण व कुरीतियों पर दिए संदेश

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में प्रबोधनम् प्रदर्शनी में छात्रों ने प्रस्तुत किया कौशल, लाइव मॉडल, चार्ट, डेमो से मेडिकल जटिलताएं समझाईं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आज के आधुनिक युग में भी समाज में कई प्रकार की गलत धारणाएं फैली है, जिसकी वजह से कई बार इसकी कीमत कुछ लोगों को जान तक देकर गवानी पड़ती है। लेकिन बावजूद इसके लोग अस्पताल आकर संबंधित समस्या का समाधान कराना उचित नहीं समझते है। हां, जब स्थिति काफी गंभीर हो जाती है, तब अस्पताल आते है और मरीज की मौत अगर होती है तो डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाते हैं। लोगों को इसके प्रति जागरूक जरूर होना चाहिए। यह संदेश मेडिकल विद्यार्थियों ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आयोजित तरंग 2025 में दिए।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को तरंग-2025 का आगाज हुआ। पहले दिन मेडिकल प्रदर्शनी प्रबोधनम् का आयोजन पैरा क्यू-2 बैच ने किया, जिसमें एमबीबीएस के छात्रों ने विभिन्न विभागों से जुड़े लाइव मॉडल, चार्ट और डेमो प्रस्तुत कर चिकित्सा जगत की जटिल प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया। कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी, सर्जरी, आर्थो, गायनी, ईएनटी, कार्डियोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन, एनेस्थीसिया, मानसिक रोग समेत 25 विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिसमे विभिन्न मॉडलों की जानकारी दी गई।

बीमारियों की वजह और उसके निदान के बारे में मेडिकल छात्र-छात्राओं ने बताया। प्रदर्शनी में सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर, डीपीएस कल्याणपुर व आजाद नगर, वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, गुरुनानक पब्लिक स्कूल समेत 15 स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिन्हें मेडिकल प्रक्रियाओं, आधुनिक तकनीकों और प्रचलित भ्रांतियों के बारे में विस्तार से मेडिकल छात्रों ने जानकारी दी।

छात्रों ने हृदय, मस्तिष्क, शल्य क्रियाओं, माइक्रोबायोलॉजी, कम्युनिटी हेल्थ और अन्य चिकित्सा क्षेत्रों से जुड़े मॉडलों व प्रस्तुतियों के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा का ज्ञान बढ़ाने का प्रयास किया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला के मुताबिक प्रदर्शनी के साथ एक रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, स्टाफ और आगंतुकों ने रक्तदान किया। इस दौरान ऑर्थो विभाग के एचओडी डॉ.संजय कुमार, डॉ.फहीम अंसारी, डॉ.रवि गर्ग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग से डॉ.सुरैया खानम, डॉ.विकास मिश्रा, डॉ.मधु यादव, डॉ. संतोष बर्मन, डॉ.शालिनी मोहन, डॉ.देव शिवहरे, डॉ.जीडी यादव, डॉ.सीमा द्विवेदी समेत आदि डॉक्टर व मेडिकल छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

सिगरेट से फेफड़े को होने वाले नुकसान की जानकारी देती डॉ.अनुष्का चौहान।

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करतीं छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

नुक्कड़ नाटक किया

प्रदर्शनी में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक और विभिन्न विभागों पर आधारित छोटे नाट्य मंचन भी प्रस्तुत किए गए, जिनमें स्वास्थ्य शिक्षा, रोग-निवारण और सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी संदेश दिए गए। प्रदर्शनी और कार्यक्रम का मूल्यांकन प्रतिष्ठित जज डॉ. संजय रस्तोगी, डॉ.सुरेश चंद्र, डॉ.राजेंद्र नाथ, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह और डॉ. चयनिका काला ने किया।

सर्जरी प्रथम, बाल रोग एवं मानसिक रोग विभाग द्वितीय

- प्रदर्शनी में क्लीनिकल विभागों में सर्जरी विभाग ने प्रथम स्थान, बाल रोग एवं मानसिक रोग विभागों ने द्वितीय स्थान और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, आर्थोपेडिक्स विभाग व हृदय रोग विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही एनेस्थीसिया व मेडिसिन विभाग को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्री/पैरा क्लीनिकल श्रेणी में एनाटॉमी विभाग ने प्रथम स्थान, फिजियोलॉजी एवं फार्मेसी विभागों ने द्वितीय स्थान और पैथोलॉजी एवं कम्यूनिटी मेडिसिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि माइक्रोबायोलॉजी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में बाल रोग विभाग ने प्रथम, स्त्री एवं प्रसूति रोग ने द्वितीय विभाग और एनेस्थीसिया विभाग ने तृतीय स्थान हासिल किया।

नपुंसकता छिपाकर की शादी, शिकायत पर मारा-पीटा

कानपुर। नवविवाहिता ने ससुरालियों पर आरोप लगाया है कि पति की नपुंसकता की बीमारी छिपाकर उसकी शादी करा दी। जब उसे इसकी जानकारी हुई तो उसने ससुरालीजनों से शिकायत की। इस पर ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग कर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मारापीटा और घर से निकाल दिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस कमिश्नर से की और चकेरी में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चकेरी क्षेत्र की रहने वाली नवविवाहिता के अनुसार उसका विवाह बीती दो मई को सीसामऊ इलाके के रहने वाले युवक से हुआ था। शादी के बाद उसे पता चला कि उसके पति को नपुंसकता की बीमारी है। इस पर पीड़िता ने अपने सास व ससुर से इसकी शिकायत की। उसकी शिकायत पर ससुरालीजन नाराज हो गए और दो लाख रुपये दहेज की मांग करने लगे। परेशान करने लगे, विरोध पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। जब उसने मारपीट की शिकायत आने परिजनों से की तो उसकी मां 23 मई को ससुराल आई।

पीड़िता के अनुसार मां ने समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन आरोपी ने उसे मां के साथ मायके भेज दिया। फिर 23 जून को पति मायके आए और अपनी बीमारी का इलाज कराने की बात कहकर वापस ससुराल ले गए, लेकिन पति की बीमारी में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं सास-ससुर दहेज की मांग करते रहे। जुलाई माह में आरोपियों ने दहेज को लेकर उन्हें घर से निकाल दिया। उसने थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इस पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल से शिकायत की। कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ब्लू वर्ल्ड को 50 हजार क्षतिपूर्ति, वाद व्यय देने का आदेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विज्ञापन में बच्चे का हॉफ टिकट लेकिन वसूला था फुल किराया

अमृत विचार। विज्ञापन देखकर परिवार के साथ ब्लू वर्ल्ड पहुंचे, लेकिन बच्चे का पूरा टिकट ले लिया। यह ब्लू वर्ल्ड को भारी पड़ा। ब्लू वर्ल्ड निदेशक को पक्षकार बनाते हुए परिवाद दाखिल किया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने 50 हजार रुपये क्षतिपूर्ति, अधिक वसूला गया 170 रुपया और मुकदमा खर्च छह हजार रुपये देने के आदेश ब्लू वर्ल्ड प्रबंधन दिया है।

किदवईनगर कालोनी निवासी मनीष कुमार शर्मा के अनुसार उन्होंने ब्लू वर्ल्ड का विज्ञापन समाचार पत्रों में देखा था। जिसमें ब्लू वर्ल्ड आओ गिफ्ट ले जाओ शीर्षक से परिवार के लिए पैकेज था।

मनीष के अनुसार विज्ञापन में बच्चों के लिए आधे टिकट पर प्रवेश की बात थी। इस पर वह 14 अगस्त 2017 को पत्नी व दो बच्चों के साथ ब्लू वर्ड पहुंचे। बेटी का आधा टिकट समेत उन्होंने चार लोगों का 1750 रुपया दिया, लेकिन टिकट विंडो पर उन्हें बताया गया कि बेटी का पूरा टिकट लगेगा। ब्लू वर्ल्ड प्रबंधन ने बच्चों के नाप की अपनी परिभाषा बताई। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष तक के बच्चे का किसी भी सरकारी व गैर सरकारी संस्थान में टिकट नहीं लगता है, लेकिन टिकट विंडो पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्हें परिवार के सामने शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। आरोप लगाया कि ब्लू वर्ल्ड प्रबंधन धोखाधड़ी से व्यापार प्रथा को अपना रहा है। जिसके बाद उन्होंने ब्लू वर्ल्ड निदेशक को पक्षकार बनाते हुए परिवाद दाखिल किया। ब्लू वर्ल्ड ने अपना पक्ष रखते कहा कि यह उनका निजी संस्थान है। इसलिए सामान्य नियम लागू नहीं होते हैं। जो टिकट लिया जाता है उस पर मनोरंजन कर का भुगतान किया जाता है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार, सदस्य नीलम यादव और वंदना सिंह ने पाया कि पीड़ित ने सभी आरोप साबित किए। जबकि विपक्षी ब्लू वर्ल्ड अपनी किसी भी बात को साबित करने में नाकाम रहा। ऐसे में टिकट की रकम समेत क्षतिपूर्ति व वादव्यय देने के आदेश दिए।

ट्रैफिक का दबाव नई शिवली रोड फोरलेन निर्माण में बाधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोक निर्माण विभाग ने यातायात व संबंधित विभाग को लिखा पत्र
- मार्च 2024 में विधायक नीलिमा कटियार ने किया था शुभारंभ

अमृत विचार। नई शिवली रोड पर वाहन सवार लोगों को दिनभर जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग नई शिवली रोड को फोरलेन कर रहा है, निर्माण कार्य का शुभारंभ भी हो चुका है, लेकिन जाम की समस्या निर्माण कार्य में बाधा बन गई है। इसलिए लोक निर्माण विभाग ने यातायात विभाग से डायवर्जन व प्रबंधन की मांग की है।

पनकी चुंगी से लेकर नई शिवली रोड के नहर तक फोरलेन स्वीकृत है। मार्च 2024 में विधायक नीलिमा कटियार ने फोरलेन के निर्माण का शुभारंभ किया था, जिसकी लागत 23.74 करोड़ रुपये है। लेकिन नई शिवली रोड के फोरलेन निर्माण में जाम ही बाधा बन रहा है। इसके अलावा कुछ जमीन अधिग्रहण न होने व अतिक्रमण की वजह से भी लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्य में समस्या हो रही है। निर्माण क्षेत्र में आने वाले कुछ गेस्ट हाउस और हॉस्पिटल के पास काफी दिक्कतें हैं, जिससे काम धीमा पड़ गया है। कार्य में तेजी लाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने यातायात विभाग को पत्र लिखकर ट्रैफिक डायवर्जन व प्रबंधन की मांग की है। दोनों विभागों के अधिकारियों के बीच वार्ता हुई। वार्ता में आवश्यकडायवर्जन व यातायात_ प्रबंधन पर निर्णय लिया गया है। इसके अलावा जल निगम को भी पत्र लिखा गया है क्योंकि अभी तक पेयजल पाइपलाइन की शिफ्टिंग नहीं हो सकी है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा के मुताबिक बिजली के खंभों को स्थानांतरित किया जा चुका है। वनविभाग ने सड़क किनारे के पेड़ों को व्यवस्थित कर दिया है। जल निगम द्वारा पेयजल पाइपलाइन की शिफ्टिंग की प्रक्रिया जारी है।

मौके पर निरीक्षण करतीं विधायक नीलिमा कटियार। अमृत विचार

सोमवार को नई बाइक ली शुक्रवार को हादसे में मौत

कानपुर। सचेंडी ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार अधेड़ को पीछे से टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अधेड़ को पुलिस ने हैलट भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। भाई मनोज ने बताया कि बीते सोमवार को ही वह नई बाइक लाया था। उसी से अस्पताल गया था।

रनिया के बिसायकपुर निवासी 46 वर्षीय अशोक कुमार मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी कांति, तीन बच्चे हैं। बेटा सागर व बेटियां सोनम, नेहा हैं। साले जितेंद्र ने बताया कि अशोक के साढ़ू की बहू कल्याणपुर स्थित अस्पताल में भर्ती है। जिसके लिए वह खाना देने गए थे। बाइक से घर जाते समय सचेंडी ओवरब्रिज से उतरते वक्त पीछे से आए तेज गति वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने हैलट भेजा, जहां उसकी मौत हो गई।

कूटरचित दस्तावेजों से लोन लेने का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। कूटरचित दस्तावेजों से बैंक लोन लेने वाले धोखाधड़ी के दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने शुक्रवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतापगढ़ के लालगंज बहलोलपुर निवासी प्रवेश पांडेय ने चार साल पूर्व पांडु नगर स्थित स्टेट बैंक शाखा से 7.62 लाख रुपये का व्यक्तिगत लोन लिया था। जब उसने किस्तें जमा नहीं कीं तो दस्तावेजों की जांच करने पर पता चला कि कूटरचित दस्तावेजों से लोन लिया गया है। शाखा प्रबंधक देवेश शर्मा ने प्रवेश पांडेय के खिलाफ काकादेव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचक पवन कुमार ने प्रवेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं जांच में रायबरेली के भदोखर सुलखियापुर निवासी अनुज कुमार मौर्या का भी नाम सामने आया।

रेल अभियंता का सम्मान करते रेल कर्मी। अमृत विचार

रेल अभियंता सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय उर्जा संरक्षण पुरस्कार के लिए रेल मंत्रालय द्वारा कानपुर लोको शेड के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता राहुल त्रिपाठी का नाम घोषित किया गया है। इस पर शुक्रवार को उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ ने वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता को भारत माता की फोटो देकर बधाई दी और उनकी प्रगति की कामना की। संघ के जोनल संयुक्त मंत्री कुन्दन कुमार सिंह, शाखा अध्यक्ष मनोज कुमार, शाखा मंत्री योगेश मीणा एवं सीता राम आदि थे।

योजना | निधि आयुक्त ने कहा : प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का लाभ उठाएं

कर्मियों, नियोक्ताओं के लिए सुनहरा मौका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए मजबूत कदम है। ये योजना कर्मियों एवं नियोक्ताओं दोनों के लिए लाभप्रद है। इसके पंजीयन की शुरुआत हो चुकी है, कर्मचारी एवं नियोक्ता दोनों इसका का लाभ उठायें। ये कहना है कि निधि आयुक्त-1 शाहिद इकबाल का।

शुक्रवार को भविष्य निधि कार्यालय में निधि आयुक्त-1 ने कहा है कि ये केवल एक योजना नहीं है बल्कि ऐसा अवसर है जिसके माध्यम से नियोक्ता अपने कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा के मजबूत ढांचे में जोड़ सकते हैं। उनका कहना है कि नए श्रम संहिता के दौर में कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 से कर्मियों एवं नियुक्ता दोनों के लिए सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना में तुरंत पंजीयन कराना चाहिए। नए श्रम संहिताओं (न्यू लेबर कोड) के ऐतिहासिक कार्यान्वयन के बीच भारत सरकार ने कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करने के लिए एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। पंजीयन के उपरांत नए पात्र कर्मियों को भर्ती करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है जिसमें पहली बार भर्ती होने वाले कर्मियों को 1500 रुपये तक का लाभ मिलता है। नियोक्ताओं को 2 से 4 साल तक 3,000 रुपये प्रति माह का लाभ मिलता है। इसका भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। किसी भी प्रकार की समस्या पर ईपीएफओ की अधिकारिक वेबसाइट पर या क्षेत्रीय कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

पत्रकारों को योजना की जानकारी देते निधि आयुक्त शाहिद इकबाल।

- **नामांकन की पात्रता :** नियोक्ता अपने प्रतिष्ठान में 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 तक कार्यरत रहे सभी पात्र कर्मियों को नामांकित कर सकते हैं।
- **कर्मचारी अंशदान में छूट :** पिछली अवधि के लिए कर्मचारी का अंशदान यदि जमा नहीं हुआ है तो पूरा माफ हो जाएगा।
- **नियोक्ता का योगदान :** नियोक्ताओं को केवल पिछली अवधि का नियोक्ता अंशदान, ब्याज ओर प्रशासनिक शुल्क जमा करना होगा। ये प्रक्रिया सरल और त्वरित है।
- **दंड शुल्क में भारी छूट :** दंड या क्षतिपूर्ति शुल्क को घटाकर मात्र 100 रुपये (एकमुश्त) कर दिया गया है।

बंद घर के ताले तोड़कर छह लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी में बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया और ताले तोड़कर नगदी-जेवर समेत छह लाख रुपये का माल पार कर ले गए। पत्नी और बेटी के साथ अयोध्या में एक कार्यक्रम में गए गृहस्वामी को पड़ोसियों ने मेनगेट का ताला टूटा देखकर सूचना दी। घर पहुंचने पर अलमारियों के लॉकर भी टूटे मिले। नगदी व जेवर गायब थे। पुलिस की जांच में सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध दिखाई दिए।

रतनपुर स्थित नीम चौराहा निवासी राजू तिवारी जागरण पार्टी में काम करते हैं। परिवार में पत्नी शिखा, बेटी अंशिका व बेटा कृष्ण हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में 10 दिसंबर को कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने वह पत्नी व बेटी के साथ गए थे। घर बंद था। जिस कारण चोरों ने निशाना बनाया। मकान के मेनगेट का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और कमरे में अलमारी का लॉकर तोड़कर जेवर समेत करीब छह लाख का माल चोरी कर ले गए हैं। अगले दिन 11 दिसंबर को ताला टूटा देख पड़ोसियों ने उन्हें घटना की जानकारी दी। लौटने पर घर में जाकर देखा तो गृहस्थी का सामान बिखरा पड़ा था। मौके पर पहुंची पनकी पुलिस ने जांच कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें दो संदिग्ध कैद दिखे हैं। पनकी थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

27 दिसंबर को कानपुर उद्योग व्यापार मंडल का चुनाव

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के कार्यालय में 27 दिसंबर को होने वाले उद्योग व्यापार मंडल के चुनाव के संबंध में बैठक हुई। प्रदेश मंत्री राकेश सिंह के साथ मुख्य चुनाव अधिकारी रामेश्वर गुप्ता और सदस्यता प्रमुख सुशील गुप्ता ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि सदस्यता में व्यापारी भाइयों की सुविधा के लिए अंतिम दो दिनों में रविवार को दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक और अंतिम दिन सोमवार को दोपहर दो बजे से रात आठ बजे तक सदस्यता का नवीनीकरण व नई सदस्ययों का फॉर्म भरा जाएगा। लगभग सदस्यता का कार्य 90 फीसदी पूर्ण हो चुका है। शेष बचे हुए व्यापारियों के लिए समय सुविधा प्रदान की गई है, जिससे चुनाव में पूर्णतया पारदर्शिता बनी रहे और ज्यादा से ज्यादा लोग चुनाव का हिस्सा बने। इस दौरान रामेश्वर गुप्ता, अध्यक्ष सुनील बजाज, महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी, प्रदेश मंत्री राकेश सिंह, महेंद्र गुप्ता, विराट गुप्ता, राजेश गुप्ता, गुलशन जायसवाल, अजय प्रताप सिंह, संतोष दीक्षित व हरिओम अग्रहरी समेत आदि लोग रहे।

165 छात्र-छात्राओं को मिला रोजगार

कानपुर। पांडु नगर स्थित प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमे 460 छात्र-छात्राओं में से 165 छात्र-छात्राओं को 10 हजार रुपये से 25 हजार रुपये के प्रतिमाह के वेतन पर चायनित किया गया। इस दौरान शैलेंद्र कुमार, प्रशांत कुमार, शिवशंकर, प्लेसमेंट प्रभारी अजय द्विवेदी, अमित दीक्षित व विवेक शुक्ला समेत आदि लोग रहे।

उपमुख्यमंत्री ने श्रीप्रकाश जायसवाल को दी श्रद्धांजलि

कानपुर। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री रहे श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन के बाद उनके पोखरपुर स्थित आवास पर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया। प्रमुख रूप से क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई मौजूद रहे।

कानपुर का बेटा बन विकास कार्य कराए श्रीप्रकाश ने

कानपुर। तिलक हाल से राजनीति की शुरुआत करने वाले श्रीप्रकाश जायसवाल जी ने कानपुर के एक महान बेटे के रूप में कानपुर की सेवा की है। कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व व संगठन के प्रति किए गए अमूल्य योगदान को याद किया। शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा तिलक हाल में पूर्व कोयला मंत्री एवं कानपुर के पूर्व सांसद श्रीप्रकाश जायसवाल की स्मृति में श्रद्धांजलि व शोक सभा का आयोजन किया। दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कानपुर की राजनीति में श्रीप्रकाश जायसवाल का नाम अमर रहेगा। संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने किया। पूर्व विधायक संजीव दरियावादी, गौरव जायसवाल, रविंद्र जायसवाल, संदीप शुक्ला, मदन मोहन शुक्ला, शंकर दत्त मिश्रा, अतर नईम, निजामुद्दीन खां, प्रतिभा अटल पाल, महेश मेहानी, पदम मोहन मिश्रा, रमाकांत मिश्रा, रितेश यादव आदि मौजूद रहे।

21 पुस्तकों व भारतीय बौद्धिक परीक्षा के पोस्टर का विमोचन

सीएसजेएमयू में कुलपति व भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष ने किया विमोचन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू में शुक्रवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित 21 पुस्तकों के सेट और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान भारतीय बौद्धिक परीक्षा के पोस्टर का विमोचन कुलपति व भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक ने किया।

कुलपति ने कहा कि वह इस सराहनीय पाठ्यक्रम के वीडियो बनवाकर इसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित कराएंगे। ताकि विश्वविद्यालय से जुड़े लाखों छात्र-छात्राएं इस गौरवशाली प्राचीन भारतीय ज्ञान का लाभ ले सकें। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान कानपुर प्रांत के कोषाध्यक्ष व प्रांत संयोजक विनय त्रिवेदी ने कुलपति को पुस्तकों का सेट भेंट किया और उनसे विश्वविद्यालय के पुस्तकालय सहित अन्य स्थानों पर इन पुस्तकों को मंगवाने का अनुरोध किया। बताया कि भारत बौद्धिक परीक्षा में प्रांत के विश्वविद्यालय और विभिन्न महाविद्यालय केंद्र बनेंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र में न्यूनतम 200 अभ्यर्थी होना आवश्यक होगा। कम छात्र संख्या होने पर छात्र-छात्राएं दूसरे महाविद्यालय में बने परीक्षा केंद्रों में भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। परीक्षा के लिए एक लाख रुपये तक के पुरस्कार समेत कई पुरस्कार रखे गए हैं। साथ ही प्रत्येक सहभागी छात्र-छात्रा को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस परीक्षा में स्नातक और परास्नातक स्तर आदि के छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे। इस दौरान प्रांत महामंत्रीय डॉ. निरंजन स्वरूप, पीपीएन कॉलेज के प्राचार्य प्रो.अनूप कुमार सिंह, डीबीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. सुनील उपाध्याय, डॉ. पारिजात सिंहा समेत आदि शिक्षाविद रहे।

पुस्तक व पोस्टर का विमोचन करते कुलपति, प्राचार्य व अन्य। अमृत विचार

प्रदेश अध्यक्ष का नामांकन आज शहर से भाजपाई लखनऊ जायेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रविवार तक प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा, शहर से 16 नेता करेंगे वोट

अमृत विचार। भाजपा उत्तर प्रदेश को लंबे इंतजार के बाद कल रविवार तक प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी ने 13 और 14 को चुनाव कराने का निर्णय किया है। शनिवार को दोपहर एक बजे से प्रदेश मुख्यालय में होने वाले प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरे जाएंगे। यदि एक ही नामांकन पत्र भरा गया तो सर्व सम्मति से घोषणा हो जाएगी। लेकिन यदि एक से ज्यादा नामांकन पत्र दाखिल होंगे तो मतदान से ही नया अध्यक्ष चुना जाएगा।

पार्टी ने चुनाव के लिए प्रांतीय परिषद के सदस्यों की घोषणा मंगलवार को ही कर दी थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करने के लिए कानपुर महानगर से सांसद देवेंद्र सिंह भोले उत्तर, दक्षिण एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह एवं उपेंद्र पासवान के अलावा विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, विधायक नीलिमा कटियार सहित प्रांतीय परिषद के सदस्यों को शनिवार को लखनऊ बुलाया गया है।

ये प्रांतीय परिषद के सदस्य ही प्रदेश अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं में नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर बहुत उत्सुकता है। भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश परिषद सदस्य, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रदेश संयोजक, डीसीबी चेयरमैन एवं निगम बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, पूर्व जिलाध्यक्ष, क्षेत्रीय पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, सांसद, विधायक, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका, नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख 13 दिसंबर को प्रातः 11 बजे लोहिया विधि विश्वविद्यालय आशियाना लखनऊ पहुंचेंगे। भाजपा दक्षिण मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष चुनाव में 13 दिसंबर को शहर से सांसद, विधायक, एमएलसी, जिलाध्यक्ष सहित 16 लोग चुनाव में शामिल होंगे। इन सभी नेताओं को मतदान के लिए सुबह 10 बजे लखनऊ बुलाया गया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मानवाधिकार आयोग ने जलकल महाप्रबन्धक को किया तलब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बाबूपुरवा कालोनी में 40 साल से सीवर जाम का मामला
- सेंट्रल बार एसो. के महामंत्री ने दाखिल की है याचिका

अमृत विचार। बाबूपुरवा कालोनी में 40 वर्षों से लोग सीवर जाम की समस्या से परेशान है, इस मामले में सेंट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री एडवोकेट प्रवीण फाइटर ने राज्य सूचना आयोग में याचिका दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि कालोनी में 40 वर्षों से लगातार सीवर जाम की समस्या बनी हुयी है. जिससे क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों आये दिन फैलती रहती है और निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मामले में मानवाधिकार आयोग ने जलकल महाप्रबन्धक को तलब किया है।

राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस आरएल मेहरोत्रा ने सफाई कराकर अपनी आख्या प्रेषित करने का आदेश जलकल महाप्रबन्धक व नगर आयुक्त को दिया था। मामले में चार दिसंबर को हुई सुनवाई में जलकल महाप्रबन्धक द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से जो आख्या फोटोग्राफी के साथ भेजी गयी, उस पर शिकायतकर्ता प्रवीण फाइटर ने कड़ी आपत्ति की। आयोग को बताया कि जलकल विभाग द्वारा प्रस्तुत फोटोग्राफ आयोग को गुमराह करने वाले है। यह सभी फोटोग्राफ अजीतगंज कालोनी के हैं। जबकि समस्या बाबूपुरवा कालोनी की है। फोटोग्राफों पर नीचे अजीतगंज कालोनी का नाम अकिंत देख आयोग के सदस्य जस्टिस आरएल मेहरोत्रा ने कड़ी नाराजगी की। कहा कि जलकल विभाग द्वारा दाखिल फोटोग्राफो से स्पष्ट है कि महाप्रबन्धक जलकल कानपुर नगर द्वारा आयोग को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। उन्होने महाप्रबन्धक जलकल आदेशित किया कि अगली सुनवाई 12 जनवरी 2026 को महाप्रबन्धक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे। साथ ही सीवर समस्या का निराकरण करते हुये कृत कार्यवाही की आख्या भी सुनवाई के समय से प्रस्तुत करे।

केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से भेंट करते सांसद रमेश अवस्थी।

सांसद ने अहमदाबाद, कोलकाता के लिए मंत्री से फ्लाइट मांगी

कानपुर। कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से भेंट कर कानपुर की हवाई सेवाओं को और मजबूत करने की मांग की। सांसद ने दिल्ली की एक और फ्लाइट शुरू किए जाने के साथ-साथ अहमदाबाद, कोलकाता के लिए नियमित उड़ानें कानपुर एयरपोर्ट से संचालित करने का अनुरोध किया। सांसद ने बताया कि केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया है। सांसद ने बताया कि उन्होंने बहुत जल्द विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने को कहा है।

भूमाफिया से जमीन कब्जा मुक्त कराने के लिए प्रदर्शन

कानपुर। रतनलाल नगर स्थित जैना प्रापर्टी एंड फाइनेंस लिमिटेड दिल्ली (जैना पैलेस) की भूमि को संगठित भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किये जाने व निर्मित भवन को गिराने और स्थापित आवंटियों को बेदखल किये जाने के विरोध में लोग कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर एकत्र हुए। यहां जमीन पर बैठकर संबंधित लोगों ने प्रदर्शन किया, जिसमे पूर्व सांसद राजाराम पाल व सपा नेता सम्राट विकास ने भी मामले में न्याय की मांग की। मांग है कि मामले में आवश्यक कार्यवाही कर लोगों का हक सुरक्षित किया जाए। ब्रम्हावर्त बिजनेस सेंटर सि. (पूर्व में पौना प्रापर्टीज एण्ड फाइनेंस लिए) के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच करायी जाए। साथ ही जनहित व वैधानिक आवंटियों के हित में व्यावसायिक बिल्डिंग को गिराने की कार्यवाही को अविलम्ब रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

बाल गृह की बालिकाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वरूप नगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) में सीएसआर फंड से पुनरुद्धारित नवनिर्मित हाल का शुभारंभ किया। इस हाल में बाल गृह में निवासरत बालिकाओं के लिए नियमित रूप से स्किल डेवलपमेंट कक्षाएं संचालित की जाएंगी, जिससे उनके आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और भविष्य की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी।

अचिन्त्य फाउंडेशन द्वारा लगभग पांच लाख रुपये की लागत से राजकीय बाल गृह (बालिका) के हाल का पुनरुद्धार किया गया है। हाल में फॉल सीलिंग के साथ सेंट्रलाइज्ड कलर टीवी एवं म्यूजिक सिस्टम जैसी सुविधाएं भी स्थापित की गई हैं, जिससे प्रशिक्षण और रचनात्मक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सीएसआर के माध्यम से किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि छोटी-छोटी पहल भी लोगों के जीवन में बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाती हैं। समाजसेवी दिशा अरोड़ा ने बताया कि संस्था की ओर से बालिकाओं के लिए ब्यूटी पार्लर, मेहंदी, हेयर स्टाइलिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण, नृत्य तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास कुमार, फाउंडेशन के निदेशक अभिषेक अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल तथा शिप्रा अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजकीय बाल गृह में नवनिर्मित हाल का शुभारंभ करते डीएम। अमृत विचार

बच्चों ने नृत्य से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कानपुर। अशोक नगर स्थित फातिमा कॉन्वेन्ट स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय के सीबीएससी की संबद्धता के 10 वर्ष पूरे होने पर एक विशेष कार्यकम अभ्युदय-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें दस वर्षों की सफल यात्रा का प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुछ बच्चों ने कव्वाली के माध्यम से बच्चों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को प्रस्तुत किया। छात्राओं ने मर्चेन्ट ऑफ वेनिस, सांस्कृतिक नृत्य व विभिन्न भाषाओं के गीतों पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया। छात्राओं ने तायक्वांडो प्रदर्शित किया। क्रिसमस कार्यकम में सेंटा क्लॉज ने लोगों का खूब मनोरंजन कराया।

राहत | केडीए ने शुक्रवार को इस संबंध में एसओपी जारी कर दी

इस्पात नगर में उद्योगों को मिल सकेगी सब्सिडी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- औद्योगिक विकास संभव हो सकेगा, उद्योगों को एनओसी मिलने का रास्ता साफ

अमृत विचार। इस्पात नगर में औद्योगिक विकास अब संभव हो सकेगा। केडीए द्वारा शुक्रवार को इस संबंध में एसओपी जारी कर दी गई है जिससे यहां उद्योगों को एनओसी मिलने का रास्ता साफ हो गया। इसी के साथ यहां उद्योगों पर सब्सिडी भी मिल सकेगी। फीटा उद्योग संघ के महासचिव उमंग अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

फीटा के पदाधिकारियों द्वारा इस्पात नगर में भूमि का भू-उपयोग व्यावसायिक व रिहायशी से औद्योगिक करने का वर्षों से प्रयास किया जा रहा था। उद्योग बंधु बैठकों में प्रमुखता से इस मामले को अधिकारियों के समक्ष कार्यवाही उठा रहे थे। केडीए ने 2 दिसंबर को इस्पात नगर की व्यावसायिक भूमि को औद्योगिक भूमि में परिवर्तित करने कि सहमति प्रदान करने के लिए पत्र जारी किया था। इसके बाद मंडलीय उद्योग बंधु बैठक में फीटा महासचिव द्वारा इस संबंध में एसओपी जारी करने का अनुरोध किया गया था, उमंग अग्रवाल ने बताया कि क्योंकि पत्र और प्रावधान उद्यमियों को सुविधाजनक प्रतीत नहीं हो रहे थे। पत्र में भू उपयोग परिवर्तन के संबंध में स्पष्ट नहीं बताया गया था जिसके कारण एसओपी की आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि व्यावसायिक भूखण्डो पर वर्तमान में प्रभावी जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 के प्रस्तर-3.1 के अंतर्गत एमएसएमई, संकटमय/प्रदूषणकारी उद्यमों को छोड़कर सेवा/कुटीर उद्योग, बायो डीजल प्लाट, आटा चक्की, दुग्ध संग्रहण केन्द्र की गतिविधियाँ अनुमन्य है। जिसके भवन मानचित्र प्राधिकरण स्तर से स्वीकृत किये जा सकते है।

इस्पात नगर की टूटी सड़क। अमृत विचार

डार्क जोन बूथों पर केंद्रित कर न्यूमरेशन फॉर्म जमा कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने अभियान को लेकर बैठक की

अमृत विचार। एसआईआर अभियान को लेकर शुक्रवार को उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने अभियान को लेकर जिला कार्यालय में बैठक की। अनिल दीक्षित ने कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान की समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ा दिया है। यह हम सब के लिए अच्छा अवसर है। हमको अब अपना पूरा ध्यान डार्क जोन बूथों पर केंद्रित कर न्यूमरेशन फॉर्म जमा कराने में लगाना है। इसके अलावा बहुमंजिला इमारतों से भी न्यूमरेशन फॉर्म आशा अनुरूप नहीं जमा हुए हैं। उनपर फोकस कर इस बड़ी समय सीमा का लाभ लेना है। महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों के बाहर कैंप लगाकर ऑनलाइन और ऑफ लाइन फॉर्म भर कर युवाओं को नवमतदाता बनाना है। इसके लिए आईटी की एक टीम गठित कर दी गई है, जो महाविद्यालयों के बाहर शिविर लगाकर नव मतदाता बनाएंगे। बैठक में अवधेश सोनकर, जन्मेजय सिंह, अनुराग शर्मा, अभिनव दीक्षित, आनंद मिश्रा, रोहित साहू, सीमा एमबीए, ऋचा सक्सेना, दीपक सिंह, सुनीता गौड़, विधि राजपाल, अनुप्रिया दोषी, पूनम कंवर थीं।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाईस्कूल वर्ष 2009 का अंकपत्र अनुक्रमांक 0145862 व इण्टरमीडियट वर्ष 2013 का अंकपत्र अनुक्रमांक 0125474 वास्तव मे कही खो गए है। **सौरभ कुमार पुत्र नेम सिंह, निवासी– नगला मोती पोस्ट राहिन इटावा**

सूचना

मैं **देवशरण शर्मा पुत्र रामऔतार निवासी महाराजपुर पोस्ट तातियागंज, मंधना कानपुर नगर।** मेरे दो नाम है देवशरण शर्मा व देवशरण। उपरोक्त दोनो ही नाम मेरे अर्थात एक व्यक्ति के हैं। जिसे कि सही व सत्य माना जाये।

सूचना

मैं, **महताब जाफरी (नया नाम) पूर्व नाम व पता कल्पना निगम पुत्री श्री नवल किशोर निवासिनी मोहम्मडन टोला, मलिहाबाद, लखनऊ,** उत्तर प्रदेश सन् 2007 से अपने नये नाम महताब जाफरी के नाम से जानी जा रही हूँ तथा भविष्य में भी मुझे इसी नाम से जाना जाये।

सूचना

मैं **आशीष कुमार पुत्र बेचालाल निवासी ग्राम भवानी खेडा मजरा मऊ परगना व तहसील मोहनलाल गंज जिला लखनऊ,** मेरा पुत्र धनराज कक्षा 5 का छात्र है पुत्र का नाम विद्यालय में त्रुटिवश ध्रुव व जन्मतिथि 18/08/2016 अंकित हो गया है जो गलत है जब कि मेरे पुत्र का नाम व जन्मतिथि आधार कार्ड में धनराज व जन्मतिथि 19/08/2016 अंकित है जो सही व सत्य है। अतः विद्यालय में त्रुटिवश अंकित गलत नाम ध्रुव व जन्मतिथि 18/08/2016 के स्थान पर सही नाम धनराज व जन्मतिथि 19/08/2016 अंकित किया जाय।

सूचना

मैने अपना नाम ASHUTOSH SINGH YADAV से बदलकर ASHUTOSH SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-RAM NAVAL YADAV ADD-5/118 VIRAM KHAND GOMTINAGAR DIST-LUCKNOW-226010 (U.P)

सूचना

मेरा नाम स्कूल सर्टिफिकेट में कृपा धर द्विवेदी है। मैंने अपना नाम आधार कार्ड में स्वामी रख लिया है उम्र 35 वर्ष है। यह दोनों नाम मेरे ही हैं मुझे दोनों नाम से जाना पहचाना जाए। – **स्वामी पुत्र जगदीश प्रसाद ग्राम दांदव पोस्ट महाराज गंज तराई तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर पिन कोड 271205**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र माशूक के गलत चाल– चलन व कुकृत्यों से तंग आकर उससे संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं उसके द्वारा किये गए किसी भी गलत कृत्य व लेन–देंन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से उसका कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **याकूब पुत्र नन्हा एवं श्री मती सरवरी पत्नी याकूब निवासी ग्राम सदर नगर पोस्ट बेरुवा थाना कछौना तहसील संडीला ज़िला हरदोई**

सूचना

मेरे पुत्र मो0 सुलतान का जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण सं.–KANPU2016-200259, दिनांक 12.04.2016 व दूसरे पुत्र रिहान जिसके जन्म प्रमाण पत्र की पंजीकरण संख्या KANPU2013-086086 दिनांक – 13.03.2013 है में मेरा नाम त्रुटिवश नजमा(NAZMA) अंकित हो गया है। जबकि मेरा सही नाम रजमा (RAJMA) है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **रजमा पत्नी निजामुद्दीन, 117/269 क्यू, शारदा नगर, नवीन नगर, कानपुर।**

सूचना

मैं **महेन्द्रपाल पुत्र नत्थूलाल उर्फ रामनाथ निवासी–ग्राम बरनई चतरखा परगना साण्डी वि0खण्ड साण्डी पोस्ट बरनई चतरखा थाना हरपालपुर तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई।** मेरा नाम महेन्द्रपाल तथा पिता के दो नाम नत्थूलाल उर्फ रामनाथ के नाम से जाना के पहचाना जाता है उक्त नाम से केवल मैं एक ही व्यक्ति हूँ। मैं पिछड़ी जाति के उपजाति गडरिया का हूँ। अन्य कोई व्यक्ति नहीं है।

सूचना

मैं **कृष्णावती उर्फ कृष्णादेवी उर्फ सुधा, पत्नी कृष्णा पाल उर्फ किशन पाल निवासी ग्राम बरनई चतरखा वि0ख0– साण्ड़ी परगना साण्डी पोस्ट आफिस बरनई चतरखा तहसील– सवायजपुर जनपद हरदोई।** मेरे तीन के तीनों नाम कृष्णावती उर्फ कृष्णादेवी उर्फ सुधा पत्नी कृष्णपाल उर्फ किशनपाल के नाम जाना व पहचाना जाता है और एक ही महिला के नाम है। मै अन्य पिछडा वर्ग की गड़रिया उपजाति की हूँ।

सूचना

मैं **कृष्ण कान्त मालवीय सुत स्व0 शिवबहादुर मालवीय, निवासी–118 ठठेरी बाजार जनपद–सुलतानपुर,** मैने वर्ष 1982 में परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल परीक्षा में संस्थागत सम्मिलित वर्ग–ए जो कि मधूसूदन इण्टर कालेज सुलतानपुर उ0प्र0 द्वारा उत्तीर्ण किया है। मेरा हाईस्कूल में अनुक्रमांक– SA315744 है। का हाईस्कूल का अंकपत्र/सर्टिफिकेट कहीं गिर गया काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल रहा है।

सूचना

मै **लीलावती उर्फ मीना उर्फ सावित्री पत्नी महेन्द्रपाल, निवासी–ग्राम बरनई चतरखा परगना साण्डी वि0खण्ड साण्डी पोस्ट बरनई चतरखा थाना हरपालपुर तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई।** मेरे तीन नाम लीलावती उर्फ मीना उर्फ सावित्री पत्नी महेन्द्रपाल के नाम से जाना पहचाना जाता है इस नाम का अन्य कोई व्यक्ति नहीं है उक्त नाम से केवल मैं एक ही महिला हूँ। मैं पिछड़ी जाति के उपजाति गडरिया की हूँ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **गुड़िया पत्नी जमीर निवासी ग्राम गम्भीरवा बाजार पोस्ट रायपुर रिसिया त0 व जिला बहराइच** की मूल निवासिनी हूँ। मैंने अपना नया नाम सरकारी व अर्द्ध सरकारी अभिलेखों में गुड़िया पत्नी जमीर करा लिया है। मैंने एक पॉलसी नम्बर 236668441 भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा बहराइच से ली थी जिसमें मेरा नाम रुखसाना बेगम पत्नी जमीर खान लिखा है। अब मुझे मेरे नये नाम गुड़िया पत्नी जमीर के नाम से जाना व पहचाना जाये। दोनों नाम गुड़िया व रुखसाना बेगम मेरे ही हैं। इस नाम की कोई अन्य महिला नही है। किसी भी वाद विवाद के लिए मैं स्वयं जिम्मेदार हूँ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **मो. उमर खां पुत्र इसहाक निवासी ग्राम सभा नेवाजपुर तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर** का निवासी हूं। मेरा नाम आधार कार्ड बैंक पास बुक खतौनी सहित अन्य अभिलेख में पुकारू नाम गोली पुत्र इसहाक दर्ज है। जबकि सही नाम मो. उमर खां पुत्र इसहाक है। आज से मुझे मो. उमर खां के नाम से जाना पहचाना जाए।

कार्यालय नगर पंचायत कुरारा - हमीरपुर

पत्रांक– मेमो//न0पं0कु0/ नोटिस /2025–26/ दिनांक– 12–12–2025

सूचना प्रकाशन
(नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित भवनों पर आवेदक/आवेदिका द्वारा नये भवनों पर गृहकर लगाये जाने हेतु प्रार्थना पत्र इस कार्यालय में विचाराधीन है जिस पर किसी को कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में जमा कर दें बाद म्याद किसी भी आपत्ति पर कोई विचार न करके एकतरफा कार्यवाही कर असेसमेन्ट रजिस्टर हाउस टैक्स में अध्यासी के अन्तर्गत नाम परिवर्तन कर दिया जायेगा।

क्र. सं.	भवन सं0	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता का नाम	मुहल्ला	वार्ड सं0	कर निर्धारण / नामान्तरण का आधार
1	2	3	4	5	6	7
1	नया भवन	मेहरकान्ती पत्नी रामवरन	सीमा सोनी पत्नी संदीप सोनी	टेण्डरी मोहाल	03	बैनामानुसार
2	भवन सं0 267 का 1/3 भाग	अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र रमेश चन्द्र गुप्ता	आशीष कुमार पुत्र रमेश चन्द्र	क्लारी मोहाल	08	रजिस्टर्ड दानपत्र
3	नया भवन	हसमत अली पुत्र मेडू	–	माझा गांव	06	शपथ पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कुरारा, हमीरपुर

सिटी ब्रीफ

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में यूपी की स्थिति मजबूत

कानपुर। विजय मर्चेंट ट्रॉफी अंडर-16 तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दिन उत्तर प्रदेश की घातक गेंदबाजी के आगे पहली पारी में चंडीगढ़ की पूरी टीम 152 रन पर सिमट गई। जवाब में खेलने उतरी उत्तर प्रदेश की टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 60 रन बना लिए हैं। टीम की ओर से अयांश शानू 18 रन व आरुष गुप्ता चार रन बनाकर क्रीज पर हैं। दूसरे दिन उत्तर प्रदेश 92 रन बनाकर चंडीगढ़ का स्कोर बराबर करने के बाद बड़ी लीड हासिल करने का प्रयास करेगी। सिमोगा स्टेडियम में खेले गए मैच में चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों ने गलत साबित कर दिया।

अधिवक्ता पैनल में विक्रम प्रताप सिंह

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण ने अपनी कानूनी टीम को मजबूती प्रदान करने के लिए अधिवक्ता विक्रम प्रताप सिंह को प्राधिकरण के पैनल में अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया। यह नियुक्ति मुख्य रूप से माननीय सिविल न्यायालय, कानपुर नगर में प्राधिकरण के विरुद्ध दायर किए गए वादों और अपीलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इस कदम से प्राधिकरण को उम्मीद है कि वह न्यायिक मामलों में अपना पक्ष और अधिक सशक्त ढंग से प्रस्तुत कर पाएगा। केडीए के विशेष कार्याधिकारी (विधि) की ओर से इस संबंध में एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है।

गोबर की खाद से बढ़ती उर्वरा शक्ति

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर ने फसल अवशेष योजना के तहत रसूलाबाद के अमर शहीद राजा दरियाव चंद्र इंटर कॉलेज में स्कूल स्तरीय विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में अवशेष प्रबंधन पर निबंध, स्लोगन व चित्रलेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि किसान फसल अवशेषों को जला देते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। जबकि पराली को खेत में मिला देने से मृदा उर्वरा शक्ति बढ़ती है। खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण खाद्यान्न फसलें, सब्जियों व फलों में स्वाद की गुणवत्ता में बहुत कमी आती है।

बिल्डिंग से जुड़े नवाचार और तकनीक का मेला

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया संगम आइडिया-25 का उद्घाटन
- 59 स्टॉल लगे, स्केच और स्कल्पचर आर्ट्स के छात्रों ने जीता दिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

उद्घाटन करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, साथ में एसोसिएशन के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। आर्किटेक्चर, डिजाइन और टेक्नोलॉजी के संगम आइडिया-25 की शुरूआत शुक्रवार को मोतीझील लॉन में हुई। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पहले दिन बिल्डिंग से जुड़े नवाचार और तकनीक से भरे 59 स्टॉलों पर भीड़ जुटी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपयोगी आयोजन है, जहां प्रमुख निर्माता, वितरक, विक्रेता और आर्किटेक्ट अपनी अद्भुत कला और आर्किटेक्चर नमूनों के माध्यम से नागरिकों को यह सिखा रहे हैं कि वे अपने घरों, बिल्डिंग, अपार्टमेंट और शहर को कैसे सुंदर, सुरक्षित और आकर्षक बना सकते हैं।

कानपुर आर्किटेक्ट एसोसिएशन के बैनर तले शुरू आइडिया-25 उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक दोपहर 2.30 बजे पहुंचे। इस दौरान आयोजकों ने उन्हें रामलला की मूर्ति के साथ ही ठग्गू के लड्डू उपहार स्वरूप दिए। गोल्डी मसाले के निदेशक आकाश गोयनका ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि इसका उद्घाटन उप मुख्यमंत्री ने किया। स्टॉल में पहुंचे लोगों ने उन्नत सोलर सिस्टम, बिल्डिंग इंसुलेशन मॉडल, वॉटर-रीसाइक्लिंग तकनीक, जीरो टॉक्सिक पेंट और इको-फ्रेंडली मटेरियल तथा हीट पंप आधारित हॉट वॉटर टेक्नोलॉजी की विशेषज्ञों से विस्तृत जानकारी ली और अपनी निर्माण-संबंधी शंकाओं का समाधान भी पाया।

लाइव आर्ट ने जीता दिल: कार्यक्रम में कला अपनी पूरी चमक में दिखाई दी। म्यूरल पेंटिंग, - स्केचिंग और कैनवास आर्ट के लाइव प्रदर्शन के दौरान लोग कलाकारों को काम करते देखते रह गए। बच्चों ने कलाकारों से तकनीक सीखी, जबकि बड़े शहर की बदलती कलात्मक पहचान पर चर्चा में शामिल हुए।

अखिलेश की दाल गलने वाली नहीं

कानपुर। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि कोडीन कफ सिरप प्रकरण की गंभीरता से जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी घुसपैठिए को नहीं छोड़ेगी। अखिलेश यादव के बिहार में 10,000 में सरकार बनने वाले बयान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पेट में दर्द है। जंगलराज और गुंडाराज जैसे हालात देश ने देखे हैं, जिससे बिहार की तरह उत्तर प्रदेश की जनता भी उन्हें नकार देगी। यहां उनकी दाल गलने वाली नहीं है।

यह मात्र इवेंट नहीं, बल्कि नागरिकों और व्यवस्था के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। जिसे यहां आने वाले लोग पसंद कर रहे हैं।

– प्रसून जलोटा, एक्जीक्यूटिव मेंबर

यहां रेलवे, केडीए, नगर निगम, मेट्रो और फायर विभाग के विशेषज्ञ ओपन-सेशन में मौजूद हैं। जो लोगों को हर जानकारी दे रहे हैं।

– अरुण सचान, वाइस प्रेसीडेंट

आगंतुकों ने ट्रैफिक, प्रदूषण, जल-निकासी, पार्किंग और शहरी नियोजन से जुड़े प्रश्न सीधे अधिकारियों के सामने रखे हैं। स्टॉल के जरिए अपने प्रश्नों के उत्तर भी पाए हैं।

– धीरेन्द्र कुमार मिश्रा, जनरल सेक्रेटरी

मेगा एक्सपो में नई तकनीकों के लाइव डेमो, इंटीरियर ट्रेंड्स पर विशेष सत्र,उन्नत निर्माण सामग्री का प्रदर्शन, लाइव आर्ट, पर्यावरण आधारित चर्चा भी की जा रही है।

– अनिल कुमार वर्मा, प्रेसीडेंट

सेंटर बाहर भेजे जाने से नाराज छात्रों ने गेट पर चढ़कर किया प्रदर्शन, हुई सुलह

रजिस्ट्रेशन मूल्यांकन प्रक्रिया में समस्या से नाराज छात्रों का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रूमा स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को दूसरे दिन भी नाराज छात्र-छात्राओं ने हंगामा किया। सेंटर बाहर भेजे जाने को लेकर छात्रों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। छात्र संघ बहाली मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। कई छात्र तो गेट के ऊपर तक चढ़ गए।

कॉलेज में पिछले कई दिनों से छात्रों को रजिस्ट्रेशन, परीक्षा संचालन, मूल्यांकन प्रक्रिया और शुल्क संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। कॉलेज प्रशासन की निरंतर लापरवाही और अस्पष्ट नियमों के कारण विद्यार्थियों में व्यापक असंतोष पैदा हो गया था। इन्हीं मुद्दों को लेकर आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज परिसर में जोरदार, अनुशासित और लोकतांत्रिक प्रदर्शन किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेते हुए अपनी आवाज़ को बुलंद किया। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य व कार्यकर्ता भी कॉलेज पहुंचे।

कॉलेज में हंगामा करते छात्र व छात्राएं। अमृत विचार

परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों की सभी समस्याओं को विस्तार से कॉलेज प्रशासन के सामने रखा। आंदोलन के दबाव और विद्यार्थियों की एकजुटता ने प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेने के लिए बाध्य किया।

प्रदर्शन के बाद कॉलेज प्रबंधन ने औपचारिक रूप से नोटिस जारी करते हुए छात्रों की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया और दो दिनों के भीतर सभी संबंधित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने का लिखित आश्वासन दिया। प्रशासन ने यह माना कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में तकनीकी खामियां, परीक्षा प्रणाली में अव्यवस्था, बैक/री-एग्जाम नीति में भ्रम, उपस्थिति और इंटरनल मार्क्स से संबंधित अस्पष्ट दिशा-निर्देश और फीस व नोटिस के मामले में पारदर्शिता की कमी छात्रों को प्रभावित कर रही थी। इस दौरान छात्र नेता अभिजीत रॉय, सुधांशु, एल्विन, उज्जवल, नमन, नैतिक, आयुष, आदित्य समेत अभाविप कार्यकर्ता रहे।

कॉलेज में होंगी परीक्षाएं

- कॉलेज प्रशासन के मुताबिक नोटिस जारी कर कॉलेज ने स्पष्ट किया कि भविष्य में रजिस्ट्रेशन की तकनीकी त्रुटियों को प्राथमिकता पर दूर किया जाएगा, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा। सभी परीक्षाएं कॉलेज परिसर में ही आयोजित होंगी, बैक और री-एग्जाम नियमों को लिखित रूप से स्पष्ट किया जाएगा। किसी भी फाइनल ईयर छात्र को अनुचित रूप से रोका नहीं जाएगा। कॉलेज ने यह भी घोषणा की है कि फीस, उपस्थिति, जुर्माने और परीक्षा नियमों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां अब लिखित नोटिस और ई-मेल के माध्यम से छात्रों को समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। महानगर मंत्री मयंक पासवान ने कहा कि जब विद्यार्थी संगठित होकर अपनी बात रखते हैं, तो सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होते हैं।

छात्रों ने अखंड भारत का दिया संदेश नृत्य और नाटिकाओं ने मन मोहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता के हंसपुरम स्थित दुर्गाप्रसाद विद्या निकेतन ने शुक्रवार को वार्षिकोत्सव सृजन महोत्सव-2025 का आयोजन किया। वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विधानसभा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्य ज्योत्सना मिश्रा ने पुष्प भेंटकर किया। विद्यालय के संस्थापक केए दुबे पद्मेश ने नेता प्रतिपक्ष को स्मृति चिह्न और उत्तरीय भेंट की। इसके बाद सनातन वैदिक परंपरानुसार दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

विधानसभा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे भविष्य में आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर व इंजीनियर बनते हैं। संस्कारी और गुणवान होते हैं। जानकारी हुई है कि संस्थापक केए दुबे पद्मेश द्वारा विद्यालय की चौथी ब्रांच रतनलाल नगर में शुरू की जानी है, जिसके उद्घाटन समारोह में उन्होंने शामिल होने की बात कही। सृजन महोत्सव 2025 में छात्रों ने अखंड भारत का संदेश दिया। संस्थापक केए दुबे पद्मेश ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने शानदार व मनोरंजक प्रस्तुतियां दी। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनोरंजक व जीवंत प्रस्तुतियां देखकर सभागार में अभिभावक व संरक्षक भावविभोर होकर झूम उठें। प्री-प्राइमरी के नौनिहालों ने विविधता में एकता व पर्यावरण संरक्षण, इन्क्रिटिबल इंडिया, फैंटेसी फिएस्टा, इकोज ऑफ अर्थ, कठपुतली नृत्य, बीट्स ऑफ पंजाब, स्टार्स ऑफ गुजरात, गीता सार, ब्रेव हार्ट्स, महिषासुर मर्दिनी व छत्रपति शिवाजी महाराज की मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुतियां दी। विद्यालय सचिव सिद्धार्थ दुबे विद्यालय के संस्थापक केए दुबे पद्मेश, प्रधानाचार्य ज्योत्सना मिश्रा, एकता दुबे, अपर्णा दुबे, मालव्य दुबे, वेदांत दुबे, विधायक अमिताभ बाजपेई समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं समेत विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय का स्वागत करते पं. केए दुबे पद्मेश। अमृत विचार

रामायण नाटिका पेश करते बच्चे। अमृत विचार

महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। अमृत विचार

मंगल कलश उठाने वाली आज खुला है भाग्य तेरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दादी परिवार मंगल समिति के तत्वाधान में दादी जी के मन्दिर सिरकी मोहाल में उत्सव की शुरुआत हुई। राणी सती दादी का अभिषेक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। सिरकी मोहाल मन्दिर से 321 महिलाओं ने मंगल कलश शोभायात्रा निकाली। राजस्थानी पोशाक धारण कर यात्रा में शामिल श्रद्धालु मइया के भजनों पर झूम उठे। दिव्य रथों पर सवार गणेश की झांकी, राधा कृष्ण के महाराज की झांकी व अन्य देवताओं की झांकियों ने हर किसी का मन मोह लिया।

संगीत की मधुर धुन के साथ गायक कलाकार कलकत्ता के अभिषेक शर्मा ने सुमधुर भजनों से दादी जी को रिझाया सभी भक्त मार्ग में भजनों पर झूम-झूम कर नाच कर भाव विभोर हो रहे थे। उनकी भजन बैठीं हो मां सामने, कर सोलह शृंगार तू करुणा की है मूरत, और ममता का भंडार , हर बार तेरे दर पर नव गीत सुनायेंगे मां राणी सती सुन ले तेरी महिमा गायेंगे और मंगल कलश उठाने वाली, आज खुला है भाग्य तेरा, आशीर्वाद मिला है मां का, अमर रहेगा सुहाग तेरा भजन पर श्रद्धालु झूम उठे। कलश यात्रा सिरकी मोहाल, काहूकोठी, नयागंज, बिरहाना रोड, फूलबाग, माल रोड. होते हुए वृन्दावन लॉन उत्सव स्थल पहुंची।

ये श्रद्धालु उपस्थित रहे आयोजन में

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष अखिल खेतान, उपाध्यक्ष मनोज कुमार अग्रवाल, महामंत्री श्रीनाथ जालान, मंत्री पदम जालान, सुनील जालान, आशीष गोयल, रुपेन्द्र बेरीवाल, कमल जालान, अंशुमान सकसरिया, अमित गुप्ता, शिशिर खेतान, दिनेश गुलियान, अमोल कानोडिया, सुशील जालान, अंकुर अग्रवाल, अतुल झुनझुनवाला, दीपक भालोटिया, ज्ञानू विश्नोई आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बेटियां अल्लाह की रहमत, सम्मान करें

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। बेटियां अल्लाह की रहमत होती हैं। रसूल की बेटी उनके लिए रहमत बनकर आई जो पूरी दुनिया के लिए रहमत हैं। रसूले अकरम ने अपनी बेटी को सम्मान देकर दुनिया को ये सिखाया कि बेटियों का सम्मान करना चाहिए। पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी जनाबे फातिमा जहरा की विलादत (जन्मदिन) पर बड़ी करबला नवाबगंज में कंबल वितरण समारोह में ये कहा गया।

शुक्रवार को ऑल इंडिया शिया युवा यूनिट की ओर से बड़ी कर्बला नवाबगंज में नज्र व नियाज के साथ ही कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यूनिट के महासचिव नायाब आलम ने बताया कि आज का दिन बेहद विशेष है क्योंकि रसूले अकरम के घर बेटी की विलादत हुई थी। इस मौके पर दानिश रिजवी, मोहम्मद रजा, शारिब अब्बास, अबुजर काजमी, इंतिखाब आलम, ऐमन रिजवी, मुंतजिर रिजवी, शफीक हसन, डॉक्टर जुल्फिकार अली रिजवी, मोहम्मद आकीब आदि मौजूद रहे।

सीबीएसई 10वीं की कॉपियों का बदला प्रारूप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं के छात्रों के लिए वर्ष 2026 बोर्ड परीक्षा में बड़ा बदलाव कर दिया है। 10वीं के छात्र-छात्राओं को अब विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में उत्तर पुस्तिका को अलग-अलग सेक्शन (अनुभाग) में बांटकर उत्तर लिखने होंगे। किसी सेक्शन का उत्तर किसी अन्य सेक्शन में लिखना या मिलाना नहीं होगा। दूसरे सेक्शन में लिखने पर नंबर नहीं मिलेंगे।

बोर्ड द्वारा जारी किए पत्र में बताया गया है कि सीबीएसई ने कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 के लिए विज्ञान और सामाजिक विज्ञान दोनों विषयों में उत्तर-पुस्तिका का प्रारूप बदल दिया है। अब सभी विद्यार्थियों को उत्तर बिल्कुल अपने-अपने सेक्शन में ही लिखने होंगे। गलत सेक्शन में लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। न ही उसके नंबर मिलेंगे या जुड़ेंगे। बाद में सत्यापन और री-वैल्यूएशन में भी इसमें कोई सुधार नहीं किया जाएगा। बोर्ड ने अनिवार्य तौर पर परीक्षा के दौरान उत्तर लिखने की इस प्रक्रिया का पालन करने का आदेश दिया है। इस संबंध में सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वह छात्रों को अभी से इस नए बदलाव के तहत उत्तर लिखने की तैयारी कराएं। प्री-बोर्ड परीक्षाओं में भी इन दिशा-निर्देशों को लागू करने का आदेश दिया है। बोर्ड के मुताबिक छात्रों को सीबीएसई की वेबसाइट पर जारी सैंपल पेपर से अभ्यास करा सकते हैं। बोर्ड के मुताबिक तीन भाग में विज्ञान और चार भाग में सामाजिक विज्ञान को बांटा जाएगा। सीबीएसई के अधिकारियों के मुताबिक इस बदलाव का उद्देश्य मूल्यांकन में पारदर्शिता लाना और विषयवार जांच को अधिक प्रभावी बनाना है।

इन बातों का जरूर ध्यान रखें छात्र

- उत्तर पुस्तिका भरने से पहले ही अलग-अलग भागों में बांट लें।
- हर प्रश्न का उत्तर उसी निर्धारित सेक्शन में ही लिखना होगा।
- किसी भी सेक्शन का उत्तर दूसरे सेक्शन में न लिखें, नहीं तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- किसी सेक्शन का उत्तर दूसरे सेक्शन में लिखने पर उस उत्तर के शून्य अंक दिए जाएंगे।
- छात्रों को उत्तर-पुस्तिका में तीन हेडिंग अलग-अलग लिखनी होंगी
- संबंधित उत्तर उसी सेक्शन के तहत लिखने होंगे।
- गलत सेक्शन में लिखे उत्तर मान्य नहीं होंगे।

आयोजन | शकुंतला शक्ति पीठ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया सम्मानित

शकुंतला रत्न से नवाजे गए उद्यमी, कारोबारी और समाजसेवी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर में चल रहे 42 वें लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में छठे दिन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने हिस्सा लिया और राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों का सम्मान किया। नगर के वरिष्ठ उद्योगपतियों, कारोबारियों और समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने पुस्तक अंक ज्योतिष विज्ञान का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री ने उद्योगपति हरेंद्र गुप्ता,रमेश वर्मा, प्रदीप सिंह, अनिल द्विवेदी, अधिवक्ता कमलेश पाठक, कारोबारी प्रवीण बाजपेई, अतुल भाटिया, डॉ. अखंड प्रकाश को शकुंतला रत्न से सम्मानित किया।

सम्मानित किए गए शहरवासियों के साथ मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, आचार्य अमरेश मिश्रा आदि। अमृत विचार

पीठ के संस्थापक आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र और डॉ. सुनीता मिश्र ने उप मुख्यमंत्री को आशीर्वाद स्वरूप कनक धारा यंत्र भेंट किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र राष्ट्र की एकता और अखंडता की कामना के साथ लगातार 41 वर्षों से महायज्ञ कर रहे हैं। उनके द्वारा समाज के हित में किए जा रहे कार्यों की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र ने कहा कि आदि शक्ति हमें सुख, शांति, समृद्धि और ऐश्वर्य प्रदान करतीं हैं। मां महागौरी का पूजन हमें नित्य करना चाहिए।

मां गौरी के रूप में पदमाक्षी, मीनाक्षी का पूजन अर्चन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को वैदिक शिक्षा देनी चाहिए ताकि वे हमारी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ें। जो कन्याएं सच्चे हृदय से मां गौरी का पूजन करतीं हैं उन्हें अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कथा वाचक सदानंद जी महाराज ने गोवर्धन पूजा का महत्व बताया। कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारा परम कर्तव्य है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर देवराज इंद्र के अहंकार का दमन किया था। साथ ही पर्यावरण के संरक्षण क संदेश दिया था। इस अवसर पर विधायक सलिल विश्नोई, विधायक सुरेंद्र मैथानी, महापौर प्रमिला पांडेय ने आचार्य अमरेश मिश्र और ज्योतिषविद् केए दुबे पद्मेश से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में कर्नल आशीष मिश्र, डॉ. रेनू मिश्र, रंगनाथ दीक्षित, अनुप्रिया दीक्षित, सूबेदार मेजर देव दुबे, सूबेदार उत्तम सिंह, सूबेदार श्रवण कुमार, हवलदार शैलेंद्र ने भी यज्ञ में हिस्सा लिया।

न्यूज ब्रीफ

आज शाम तक बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

शुक्लागंज उन्नाव। विद्युत विभाग शनिवार को गांधी नगर में जर्जर तार बदलने का कार्य करेगा। उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बिजनेस प्लान के तहत एबीसी केबल बदने के कारण फीडर 2 की सप्लाई सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बाधित रहेगी। इससे उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

किशोरी ने विषाक्त का सेवन कर दी जान

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत आदर्श नगर मोहल्ला निवासी 12 वर्षीय किशोरी ने गुरुवार रात जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां से उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन पिता उसे एक निजी अस्पताल ले गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस पर परिजन शव लेकर बिना पुलिस को सूचना दिए अपने गांव शिवपुर चले गए।

धूपबत्ती से गुमटी में लगी आग, नकदी जली

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी सूरज निषाद गुमटी में प्रोविजन स्टोर चलाते हैं। उन्होंने बताया कि शाम करीब 4 बजे दुकान खोलने के बाद पूजा के लिए धूपबत्ती जलाई और कुछ काम से घर चले गए। तभी गुमटी के अंदर धूपबत्ती की चिंगारी से आग लग गई। धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने उसे सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक गुमटी में रखे 12 सौ रुपये व 5000 रुपये का सामान जल गया।

विवाद में हुई मारपीट दो पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंपापुरवा निवासी अनिल तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 दिसंबर को उनका भतीजा करुणा गाली-गलौज कर रहा था। विरोध करने पर करुणा व जितेंद्र तिवारी ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। मारपीट में उन्हें चोटें आईं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दोनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

महिला समेत तीन पर मारपीट का केस दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गंगा नगर निवासी ऋषि मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रोहित मिश्रा, मोहित मिश्रा व ऋचा मिश्रा उससे गाली-गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर तीनों ने उन्हें मारा-पीटा। जिससे उन्हें चोटें आईं। शिकायत पर पुलिस ने तीनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

हम हैं पोलियो के सिपाही अब न होगी इससे तबाही

डीएम व सीडीओ ने हरी झंडी दिखा जागरूकता रैली को किया रवाना

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिला अस्पताल से शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाली गई। इसे डीएम गौरांग राठी व सीडीओ कृति राज ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। डीएम ने रैली में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट, एएनएम आदि का उत्साहवर्धन किया।

रैली में शामिल सभी ने हम हैं पोलियो के सिपाही, अब न होगी पोलियो से तबाही, दो बूंद दवा पिलाओ, बच्चों की जिंदगी खुशहाल बनाओ नारों से लोगों को अपने बच्चों को दवा पिलाने के लिए प्रेरित किया। रैली डीएसएन रोड, नॉवेल्टी गेस्ट हाउस रोड, गायत्री मंदिर होते हुए जिला अस्पताल में समाप्त हुई। इसके बाद एसीएमओ डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में 4.64 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रेलवे स्टेशन, बस व टेंपो अड्डों पर 36 मोबाइल टीम, 58 ट्रांजिट टीम लगाई जाएंगी। अभियान के पर्यवेक्षण के लिए 356 सुपरवाइजर व 72 सेक्टर चिकित्साधिकारी लगाए गए हैं। उन्होंने सभी से 14 दिसंबर को अपने पांच साल तक के बच्चों को पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो रोधी दवा का पिलाने की अपील की। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरके गौतम आदि मौजूद रहे।

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते डीएम व सीडीओ। अमृत विचार

लाभार्थी को चेक देते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

45 खाताधारकों को 20 लाख रुपये का भुगतान

उन्नाव, अमृत विचार। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में विशे सिकंदरपुर सरोसी में बैंक ऑफ इंडिया अग्रणी जिला प्रबंधक उन्नाव द्वारा आपकी पूंजी आपका अधिकार कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें 45 खाता धारकों के 20 लाख रुपये के दावों का भुगतान किया गया। डीएम ने लोगों को प्रमाण पत्र दिये गए। लीड बैंक मैनेजर आरके गौतम ने बताया कि ऐसे खाताधारक जिनके खातों में 10 साल से लेन-देन नहीं हुआ है और वे इन एक्टिव हो गए हैं। वह जमाकर्ता शिक्षा व जागरूकता निधि में ट्रांसफर हो गए हैं। इस समय जिले में 6 लाख खातों में 132 करोड़ की राशि निष्क्रिय पड़ी है। इनका निपटान इन कैंपों के माध्यम से किया जाएगा। इसमें जिलाधिकारी ने विभिन्न बैंकों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन कर आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी ली। इस दौरान सीडीओ कृति राज, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, बैंक ऑफ इंडिया कानपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक अभय कुमार, अग्रणी विकास अधिकारी रिजर्व बैंक अशोक कुशवाहा, बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती के लिये किसानों को करें जागरूक

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में प्रधानमंत्री कृषि धनधान्य योजना के संबंध में बैठक हुई। इसमें जिलाधिकारी ने कहा कि आलू की खेती करने वाले कृषकों के खेतों पर प्राथमिकता से ड्रोन का प्रदर्शन कराया जाए व आलू उत्पादन से संबंधित ग्रामों को ड्रोन सखी/दीदी से जोड़ा जाए। प्राकृतिक खेती करने वाले कृषकों का कृषि सखी के माध्यम से डाटा तैयार कर उन्हें प्राकृतिक खेती करने को जागरूक किया जाये। कहा कि मनरेगा के माध्यम से ग्राम पंचायतों के तालाबों का जीर्णोद्धार कर उनके पट्टे कराकर मछली पालन कराने के लिये कृषकों को प्रेरित किया जाय। ऊसर भूमि सुधार के लिए प्राथमिकता से कार्य करें। भूमि सुधार में अभी तक क्या कार्रवाई की गई उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिला उद्यान अधिकारी को निर्देश दिये कि आम के लिए मिनी पैक हाउस व आम मंडी बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजवाएं।

पल्स पोलियो को लेकर सीएचसी में की गई बैठक। अमृत विचार

पल्स पोलियो को लेकर सीएचसी में हुई टास्क फोर्स की बैठक

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। आगामी पल्स पोलियो प्रोग्राम को देखते हुए सीएचसी में शुक्रवार को ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक हुई। जिसमें अन्य विभागों को कार्यक्रम से संबंधित जानकारियां देने के साथ उनसे सहयोग की अपील की गई। राजमार्ग स्थित सीएचसी में शुक्रवार को विभिन्न विभागों के समन्वय से बीटीएफ की बैठक हुई। जिसमें आगामी पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए रणनीति बनी। यूनिसेफ मॉनिटर मो. आसिफ ने कहा कि 14 से 22 दिसंबर तक क्षेत्र में पल्स पोलियो कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसमें लगाए गए अन्य विभागों के कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि पल्स पोलियो कार्यक्रम राष्ट्रीय कार्यक्रम है। जिसे सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए सभी विभागों से सहयोग अपेक्षित है। वहीं कम टीकाकरण वाले क्षेत्रों में विशेष लोगों के सहयोग से टीकाकरण का प्रतिशत बढ़ने पर सहमति बनी। इस दौरान एडीओ आईएसबी मनोज कुमार, वीडीओ शैलेंद्र भारतीय, सीडीपीओ एसएन तिवारी, स्वच्छ भारत मिशन ब्लॉक एंबेसडर रोहित गुप्ता, हर्षित तिवारी, बीपीएम मलखान सिंह, बीसीपीएम संगीता गौतम, प्रशांत दीक्षित आदि रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, दो घायल

नवाबगंज उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव केसरी खेड़ा निवासी मनोज (25) पुत्र शिवरतन अपने भतीजे राहुल (20) पुत्र राजाराम के साथ बाइक से शुक्रवार शाम रिश्तेदार के घर कुसुंभी गांव जा रहा था। तभी रास्ते में अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर केवाना मोड़ के सामने अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक घायल हो गए। मौके पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने घायल युवकों को एंबुलेंस से नवाबगंज सीएचसी भेजा। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने राहुल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

शिक्षक मिलन समारोह की तैयारी तेज

शुक्लागंज, उन्नाव। आगामी 14 दिसंबर को कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में होने वाले शिक्षक मिलन समारोह को सफल बनाने के लिए विद्यालयों में संपर्क अभियान तेज हो गया है। भाजपा के पूर्व शिक्षक विधायक प्रत्याशी व प्रदेश सहसंयोजक वेणु रंजन भदौरिया ने शुक्रवार को क्षेत्र के कई विद्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय संस्कारों की पाठशाला होते हैं। जहां शिक्षक पुजारी बनकर माँ सरस्वती का पूजन कर नई पीढ़ी को ज्ञान, संस्कृति व चरित्र का प्रकाश देते हैं। समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों को सम्मान देने व उनके कार्यों में सहयोग करने के लिए आगे आएं। शुक्रवार को उन्होंने गोपीनाथ पुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, शिशु मंदिर, लोहिया इंटर कॉलेज, एसवीएम आदि विद्यालयों में शिक्षाविद परिषद शुक्लागंज गंगाघाट के सदस्यों सुरेश शुक्ला, गंगासागर यादव, शिवम तिवारी, जय सिंह आदि के साथ संपर्क किया। मुख्य संयोजक सुरेश शुक्ला ने बताया कि ऐसे आयोजनों से शिक्षकों को नई ऊर्जा मिलती है। आयोजक प्रभात शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी व विशिष्ट अतिथि के रूप में वेणु रंजन भदौरिया रहेंगे।

शिक्षक से संपर्क कर चर्चा करते पूर्व शिक्षक विधायक प्रत्याशी एवं प्रदेश सहसंयोजक वेणु रंजन भदौरिया। अमृत विचार

नेत्र शिविर में मौजूद लोग। अमृत विचार

नेत्र शिविर में 41 को ऑपरेशन के लिए किया भर्ती

उन्नाव, अमृत विचार। सदर विधायक पंकज गुप्ता के मोती नगर स्थित कैंप कार्यालय में नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद आपरेशन शिविर आयोजित हुआ। इसमें 87 लोगों का नेत्र परीक्षण हुआ। इनमें 46 की आंखों की जांच कर चश्मा दिया गया व 41 को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए भर्ती किया गया। कैंप का शुभारम्भ भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, राष्ट्रीय परिषद सदस्य आनन्द अवस्थी, समाजसेवी अखिलेश अवस्थी, प्रखर गुप्ता ने फीता काटकर किया। इस दौरान मुख्य रूप से धर्मवीर, सोनू, अवनीश गुप्ता, आशीष अक्षय, अमित सिंह बउवा सभासद, राजेंद्र भारती सभासद, अतुल सभासद, राधे श्याम शुक्ला, ब्रजेश पांडे सभासद, गोपाल अवस्थी, संतु पाल आदि उपस्थित रहे।

विकास भवन में पेंशनर्स-डे का आयोजन 17 को

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 17 दिसम्बर को पेंशन दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में सुबह 11 बजे से किया गया है। जानकारी देते हुए वरिष्ठ कोषाधिकारी कौशलेंद्र सिंह ने कहा कि इसमें जिले के सभी राजकीय कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्ष और पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी रहेंगे। इस दौरान पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर विचार किया जाएगा साथ ही उसका समाधान भी निकाला जाएगा। पेंशनर्स दिवस में जिले के पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की कार्यवाही होगी।

अलग-अलग भाषाओं में बोलकर एकता का संदेश देते छात्र। अमृत विचार

बच्चों को विविधता में दिया एकता का संदेश

उन्नाव, अमृत विचार। भारतीय भाषा उत्सव के अंतिम दिन ब्लॉक सिकंदरपुर कर्ण के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा कंपोजिट में भाषा रंगमंच का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों ने पक्के मित्रों की भूमिका का निर्वहन करते हुए संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी, पंजाबी, भोजपुरी भाषाओं में बोलकर यह संदेश दिया कि हम अलग-अलग बोलियां बोलते हैं लेकिन हम सब एक हैं। यहां विविधता में एकता है। विद्यालय की शिक्षिका व राज्य संदर्भदाता समूह की सदस्या डॉ. रचना सिंह ने इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं और बोलियों को सम्मान देना व उनकी समृद्धि को उजागर करना व छात्रों में भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम और समझ बढ़ाना है। कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

कोर्ट के आदेश पर लूट का मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कटरी पीपरखेड़ा गांव निवासी भोरे की पत्नी साजिया ने बताया कि 6 अगस्त 2025 को सुल्तान व नबाव उसके घर में घुस आए थे। आरोप है कि दोनों 25 हजार नकद, मंगलसूत्र व तोड़िया लूटकर फरार हो गए थे। घटना की सूचना पुलिस को देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दोनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंगा घाट स्टेशन पर लगी सैनिटरी नैपकिन मशीन

शुक्लागंज, उन्नाव। महिला यात्रियों की सुविधा व स्वच्छता को देखते हुए गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। परिसर में निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई गई है। इसका उद्देश्य आपात स्थिति में महिलाओं को त्वरित व सहज सहायता देना है। गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर कक्ष के बाहर गुलाबी रंग की मशीन लगाई गई है। मशीन पर उपयोग के स्पष्ट निर्देश अंकित हैं और इसमें आसान क्यूआर कोड सिस्टम भी है। जिससे यात्रियों को नैपकिन लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। यह सुविधा शुरू होने से स्टेशन आने वाली महिलाओं को अचानक जरूरत पड़ने पर दुकानों की तलाश नहीं करनी पड़ेगी। यात्रियों ने रेलवे के इस कदम का स्वागत किया है।

नार्मल स्कूल में भागवत कथा कल से

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के नार्मल स्कूल मैदान में होने वाली भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मैदान की साफ-सफाई के साथ कथा का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। कथा के मुख्य संयोजक डा. संजय मिश्रा ने बताया कि पंचम भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 14 से 21 दिसंबर तक मोती नगर स्थित नार्मल स्कूल मैदान में होगा। इसमें श्रीधाम वृन्दावन के राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता रामशरण शास्त्री महाराज कथा सुनाएंगे। 14 दिसंबर को सुबह 10 बजे हनुमान मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद रोज दोपहर 2 से सायं 6 बजे तक कथा होगी। इसमें प्रमुख रूप से पवन निगम, संजय राठी, रश्मि निगम, आशीष निगम, प्रशांत मिश्रा वैक्ट, अखिलेश अवस्थी, प्रियंका दीक्षित, प्रभात सिन्हा आदि सहयोगी हैं। वहीं संरक्षक प्रेम कुमार सिंह सेंगर, अरविंदर सिंह, अशोक रस्तोगी आदि हैं। मनीष सिंह सेंगर, निम्मी अरोड़ा, अरविंद श्रीवास्तव, बबलू शर्मा, राहुल कश्यप, शिवम दीक्षित, अनुराग सिंह राठौर, पुरुषोत्तम गौड़ की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न होगा।

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

उन्नाव, अमृत विचार। लाठी से पीट-पीटकर अधेड़ की हत्या करने के दोषी युवक को कोर्ट ने आजीवन कारावास के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उस पर 25 हजार का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के निविहन खेड़ा गांव निवासी मुकेश पाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 16 जून-2021 की दोपहर 2.30 बजे उसके 55 वर्षीय पिता पोरहर पुत्र मैकू क्षेत्र के कोरटखेड़ा झूलमऊ तालाब के पास मवेशी चरा रहे थे। तभी वह पिता को खाना देने पहुंचा तो देखा कि गांव के पप्पू पुत्र होरीलाल लाठी से पिता को पीट रहा था। उसके शोर मचाने पर अन्य लोग दौड़े तो वह वहां से भाग गया था। जब तक वह पिता को लेकर अस्पताल जाता तब तक उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर 17 जून को आरोपी को पकड़कर जेल भेजा था। 24 जून को आईओ उरेस सिंह ने जांच कर साक्ष्य एकत्र कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-1 को कोर्ट में विचाराधीन था। शुक्रवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश स्वतंत्र प्रकाश ने शासकीय अधिवक्ता यशवंत सिंह की दलील व साक्ष्य के आधार पर पप्पू को दोषी ठहराते हुए उसे आजीवन कारावास के आदेश दिए।

भातू फार्म में लाखों रुपये की चोरी का खुलासा

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगा घाट कोतवाली क्षेत्र के भातू फार्म में लाखों के जेवरात चोरी के मामले में पुलिस ने 3 चोरों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। मंगलवार को भातूफार्म गायत्री नगर निवासी गिरीश कुमार के घर अज्ञात चोर दीवार फांदकर बक्से का ताला तोड़कर मंगलसूत्र, चेन, अंगूठी, मांगटीका, झाले सहित 4 लाख के जेवर व 10 हजार रुपये चोरी कर ले गए थे। पीड़ित मुन्नी देवी की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू की। शुक्रवार को बिन्दा नगर चौकी प्रभारी रवि शंकर पांडेय ने टीम के साथ गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर सुखवाल खेड़ा मार्ग के पास 3 संदिग्धों को पकड़ा। इनमें गायत्री नगर भातूफार्म निवासी इन्द्रेश सिंह उर्फ कल्लू, आजाद नगर निवासी आकाश निषाद उर्फ लाला उर्फ लोनी व मिश्रा कॉलोनी निवासी अभिषेक बाजपेयी शामिल हैं।

नगर पंचायत ने बांटे नीले और हरे डस्टबिन

नवाबगंज, उन्नाव। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष दिलीप लश्करी के निर्देश व ईओ अनिल कुमार के नेतृत्व में नगर पंचायत की टीमें बीते एक सप्ताह से घर-घर नीले व हरे डस्टबिन बांट रही हैं। यह अभियान केवल डस्टबिन वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि कचरा प्रबंधन के प्रति व्यापक जागरूक करने पर केंद्रित है। नगर पंचायत ने सभी घरों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। हर घर में दो डस्टबिन दिए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड एंबेसडर रोहित गुप्ता ने बताया कि नीला डस्टबिन गीले कचरे (जैसे सब्जी के छिलके व भोजन अवशेष) के लिए है। जबकि हरा डस्टबिन सूखे कचरे (जैसे प्लास्टिक, कागज व धातु) के लिए है। टीम के सदस्य घर-घर जाकर लोगों को कचरे के सही निपटान के बारे में समझा रहे हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि गीला कचरा खाद बनाने योग्य है।

गैर इरादतन हत्या के आरोपी से हुई पुलिस की मुठभेड़, पैर में लगी गोली

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत नुरदी नगर में अलाव को लेकर हुए विवाद में डंडा मारकर युवक की हत्या करने के आरोपी का देररात पुलिस से सामना हो गया। भागते समय उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाब में युवक पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया। बता दें कि बुधवार देररात पुरानी खुन्नस में सदर कोतवाली क्षेत्र के नुरदी नगर मोहल्ला में अलाव में लगी लकड़ी से टकराने पर मोहल्ले के तुफैल व रहमत अली में विवाद हुआ था। इसमें रहमत ने डंडे से तुफैल के सिर पर वार कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की लेकिन, वह भाग निकला।

कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि लगातार गिरफ्तारी से बचने के लिए रहमत कोतवाली क्षेत्र के सुनसान इलाके रघुनाथ गांव के बाहर एक बाग में छिपा था। देररात उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की तो उसने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की तो उसके बाएं पैर में एक गोली धंस गई। इससे वह घायल होकर गिर गया। जिसे पुलिस अस्पताल लाई। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयोग किया गया डंडा व तमंचा कारतूस बरामद किया।

1.050 किलो चरस के साथ युवक को दबोचा

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली पुलिस गुरुवार रात गश्त कर रही थी तभी अजगैन-भौली तिराहे के पास एक युवक सफेद झोला ले जाते दिखा। उसे रोककर तलाशी ली गई तो झोले से 1.050 किलो चरस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि वह कोतवाली क्षेत्र के खलसापुर भौली गांव का निवासी रोहित उर्फ टिल्लू (28) है। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी की तो पता चला वह एक हिस्ट्रीशीटर व शातिर अपराधी है। अजगैन प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि पकड़ा गया युवक हिस्ट्रीशीटर है। उस पर जिले के विभिन्न थानों व लखनऊ के मानक नगर थाना में 25 मुकदमें दर्ज हैं। बताया कि उसके पास से 1000 रुपये व तीन आईडी कार्ड मिले हैं। उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट भेजा गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों से मारपीट

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के रामनगर मोहल्ला निवासी सोनीलाल पुत्र छम्मी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह नगर पालिका में लोडर चालक है। वह शुक्रवार साढ़े 10 बजे पालिका के सफाई कर्मी कमलेश पुत्र मुन्नू, राहुल पुत्र श्याम बिहारी, विनोद पुत्र छुनऊ के साथ वार्ड-19 में औलिया शाह मजार के पास कूड़ा उठवा रहा था। तभी वहां से एक बाइक पर सवार तालिब सराय मोहल्ला निवासी अशरफ, जुनैद व फैजी ने कमलेश व राहुल को टक्कर मार दी। विरोध करने पर उन लोगों ने गालीगलौज करने के साथ मारपीट शुरू कर दी। कमलेश व विनोद बचाने पहुंचे तो उनके दो अन्य साथी भी आ गए। जिन्होंने डंडों से सभी को पीटा। आरोप है कि लोडर तोड़ने का भी प्रयास किया गया। मारपीट में कमलेश के अधिक चोटें आने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया। जानकारी पर सफाई कर्मियों में आक्रोश फैल गया और सभी कोतवाली पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की।

विद्युत बिल राहत योजना में छूट संग उपभोक्ता पाएं लाभ

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार। अधीक्षण अभियंता विद्युत अमिय सिंह ने बताया कि घरेलू कनेक्शन के 2 किलोवाट भार तक व वाणिज्यिक विधा के 1 किलोवाट भार तक के बकायेदार विद्युत उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के लिए बिजली बिल राहत योजना 2025-26 को तीन चरणों में लागू किया गया है। जिसमें उपभोक्ता भारी छूट पाकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए पात्र उपभोक्ताओं को सर्वप्रथम 2000 का भुगतान कर पंजीकरण कराना होगा। जिस चरण की अवधि में उपभोक्ता द्वारा भुगतान किया जाएगा उसमें ही उसे पात्र माना जायेगा। इसके लिए नजदीकी उपखंड कार्यालय या उपकेंद्र पर बने कैश कलेक्शन काउंटर, प्रतिदिन लगाए जाने वाले विभागीय कैंपों में जाकर व जन सेवा केंद्र के माध्यम से मीटर रीडरों को भी डोर टू डोर पंजीकरण कराने की सुविधा दी गई है। इसी प्रकार विद्युत सखियों के माध्यम से या विभाग की वेबसाइट www.uppcl.org से घर बैठे उपभोक्ता ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

निर्मल होगी गंगा

जल निगम के एई, जेई और नगरपालिका ईओ ने किया निरीक्षण, मिश्रा कॉलोनी नाले की टेपिंग पर हुआ मंथन

65 करोड़ से बना एसटीपी रन ट्रायल को तैयार, 31 तक हो सकता है शुरू

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गंगा को स्वच्छ व निर्मल रखने के उद्देश्य से अहमद नगर मुन्नू बगिया में बन रहा पांच एमएलडी क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) अब लगभग तैयार है। 65 करोड़ से बन रहे इस प्लांट का निर्माण मार्च 2021 में शुरू हुआ था। लेकिन चार वर्ष नौ माह बाद भी यह संचालित नहीं हो सका। शुक्रवार को ईओ नगर पालिका मुकेश मिश्रा ने जल निगम की टीम के साथ एसटीपी का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की समीक्षा की। जल निगम अधिकारियों ने बताया कि एसटीपी का 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है और 31 दिसंबर तक ट्रायल रन शुरू कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पालिका ईओ के साथ जेई घनश्याम मौर्य, एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला, जल निगम के एई पुनीत कुमार, जेई यशवंत कुमार सहित कार्यदायी संस्था के इंजीनियर मौजूद रहे। जल निगम अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल रन सफल होने पर एसटीपी पूरी तरह चालू कर दिया जाएगा, जिससे गंगा में गिरने वाले दूषित नालों के पानी को ट्रीट कर स्वच्छ जल नदी में छोड़ा जा सकेगा। एसटीपी से जुड़ी सबसे बड़ी चुनौती मिश्रा कालोनी के नाले की टेपिंग बनी हुई है। शुक्रवार को जल निगम के एई ने नाले की स्थिति का निरीक्षण किया, जहां पाया गया कि एक स्थान पर नाले का बेस ऊंचा होने की वजह से पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए, जल निगम पंपिंग स्टेशन बनाने पर विचार कर रहा है, जबकि नगर पालिका ने सुझाव दिया कि नाले के पानी को दूसरी ओर बनी नालियों के माध्यम से मुख्य लाइन में मिलाया जा सकता है। समस्या के समाधान को लेकर दोनों विभागों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। अहमद नगर में बन रहा यह एसटीपी गंगा प्रदूषण नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। प्लांट के चालू होने से गंगाघाट क्षेत्र के कई प्रमुख नालों का पानी ट्रीट होकर गंगा में गिरेगा, जिससे नदी की स्वच्छता में बड़ी मदद मिलेगी।

एसटीपी का निरीक्षण करते जल निगम के एई, जेई और पालिका के ईओ। अमृत विचार

मिश्रा कॉलोनी का नाला बना सिरदर्द

मिश्रा कालोनी से गंगा में गिरने वाला नाला एसटीपी से जोड़ने में सबसे बड़ी अड़चन बन गया है। नाले का बेस ऊंचा होने से पानी की निकासी बाधित है। जल निगम पंपिंग स्टेशन बनाने की योजना पर विचार कर रहा है। जबकि पालिका ने वैकल्पिक नाली से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है।

15 साल का मेंटीनेंस भी शामिल

65 करोड़ रुपये की लागत वाले इस एसटीपी प्रोजेक्ट में निर्माण के साथ 15 वर्ष तक मेंटीनेंस का प्रावधान भी शामिल है। इससे प्लांट के संचालन, मरम्मत और तकनीकी देखरेख बिना बाधा के सुनिश्चित होगी तथा गंगा में स्वच्छ जल छोड़ा जा सकेगा जिससे गंगा निर्मल रहेगी।

अमृत विचार

शनिवार, 13 दिसंबर 2025

धर्म एक ही है, यद्यपि उसके सैकड़ों संस्करण हैं।
–जार्ज बर्नार्ड शा, आइरिश विचारक

अवसर और चुनौती

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किसी भी चुनाव की विश्वसनीयता की रीढ़ है। मुख्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की मांग पर चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राज्य में एसआईआर की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने का फैसला भले सरल प्रशासनिक निर्णय प्रतीत हो, पर इसके प्रभाव बहुत व्यापक और बहुस्तरीय हैं। मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य जितना आवश्यक है, उतना ही कठिन भी और इसीलिए यह समय वृद्धि महत्वपूर्ण अवसर के साथ चुनौती भी है।

यह तो बहुत स्पष्ट है कि यदि इसका उपयोग पूरी गंभीरता से हो तो इस अतिरिक्त समय का मतदाता सूची की शुद्धता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रदेश के सभी जिलों से मिली रिपोर्टें संकेत देती हैं कि फील्ड सत्यापन में कई क्षेत्रों में देरी थी, कुछ स्थानों पर अनुपस्थित मतदाताओं की पहचान अपूर्ण थी और मृतक मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी धीमी चल रही थी। दो सप्ताह का अतिरिक्त समय इन खामियों को दूर करने का अवसर देगा और इससे सूची की शुद्धता में उल्लेखनीय सुधार आ सकता है। विशेषकर घनी आबादी वाले जिलों, शहरी स्लम क्षेत्रों, प्रवासी मज़दूरों के अंचलों और बाढ़-सूखा प्रभावित इलाकों में, जहां सत्यापन सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। इस समयवृद्धि से एसआईआर में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को राहत मिलेगी। एक सवाल यह भी है कि क्या इतनी विशाल जनसंख्या वाले सूबे में अधिकारी और समय की मांग कर सकते हैं? संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हर विधानसभा क्षेत्र में 8–10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं। ये वो लोग हैं जो या तो दूसरे राज्यों में काम करते हैं, या स्थानांतरित हो चुके हैं, या पता बदल चुके हैं। यदि इनका सत्यापन अधूरा रह गया, तो स्थिति चुनावी गड़बड़ियों और फर्जी मतदान की आशंका को बढ़ा सकती है, क्योंकि फर्जी वोटिंग और मृत मतदाताओं के नाम से मतदान की आशंकाएं अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

मुख्यमंत्री का यह बयान कि विपक्ष मृत या अनुपस्थित नामों पर वोट अपने खाते में डलवा सकता है, राजनीतिक चेतावनी भी है और प्रशासनिक सावधानी भी। सिद्धांततः यह संभव तो है, पर तभी जब सूची में कमियां रह जाएं। तकनीकी निगरानी और आधार-लिंकिंग के बावजूद, यदि फील्ड स्तर पर ढील हुई तो यह खामी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। अतः यह बयान अधिकारियों पर यह दबाव भी डालता है कि कोई चूक न रह जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं जिलों में अधिकारियों को फील्ड में जाकर गायब, विस्थापित और अनुपस्थित मतदाताओं की खोज का आदेश दिया है। घुसपैठियों को मतदाता सूची से दूर रखने के लिए 'डोर-टू-डोर सत्यापन, डिजिटल फॉर्मों की ट्रैकिंग, आधार-मतदाता फोटो क्रॉस-मैचिंग, और संदिग्ध इलाकों की विशेष जांच करवानी आवश्यक होगी। कुल मिलाकर इस बढ़े समय का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब प्रशासनिक मशीनरी में जवाबदेही बढ़े, तकनीकी तथा फील्ड- दोनों स्तरों पर सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मतदाता सूची चुनाव की नींव है। नींव मजबूत होगी तो लोकतंत्र भी ताकतवर होगा।

प्रसंगवश

कालबेलिया बेटियों ने बदली रूढ़िवादी सोच

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अभाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इतना गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालात की मजबूरी और पितृसत्तात्मक मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी थी कि बेटा वंश का वाहक है, कमाने वाला है और बुढ़ापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोसकर अंततः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैंगिक भेदभाव को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासूम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अभाव ने इस सोच को और मजबूत किया।

कालबेलिया समुदाय परंपरागत रूप से घुमंतू रहा है। उनके डेरे एक स्थान से दूसरे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुरमा बनाने और तमाशा दिखाने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। महिलाएं घर-घर जाकर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पेट पलता था। ऐसे अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपाई के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी परंपरा भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सौदे का हिस्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

साल 1972 में जब वन्य जीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और सांप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो पहले से ही हाशिए पर थीं। यही संकट उनके लिए एक अवसर भी बनकर आया। महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली को अपनाया, उसे सहेजा और मंचों तक पहुंचाया। कालबेलिया नृत्य, जो कभी सिर्फ समुदाय के भीतर सीमित था, अब सात समुंदर पार अपनी पहचान बना चुका है। इसकी विशिष्ट लय, भाव-भंगिमा और पारंपरिक वेशभूषा ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अंततः इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया।

यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पीछे जिन हाथों की मेहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे। उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इजाजत नहीं थी, जिन्हें पर्दे और परंपराओं में कैद करके रखा गया था। गुलाबो सपेरा जैसी कलाकार को पद्मश्री मिलना और ममता जोगी का आईएएस अधिकारी बनना इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। आज कई कालबेलिया महिलाएं नृत्य के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नृत्य को विश्व मंच पर सराहा जाता है, लेकिन उन्हें अपने गांव और समाज में बराबरी का दर्जा नहीं मिलता।

अरावली पहाड़ियों पर बढ़ता संकट व सुप्रीम कोर्ट

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

जिस सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन पहले टिप्पणी की थी कि अरावली पहाड़ को लोगों ने आपस में बांट लिया है और पचास हजार रुपये महीने की घूस दे कर यहां की जगह पर खनन चल रहे हैं, उसी अदालत ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर अरावली पर्वत श्रृंखला की जो 'नई परिभाषा' दी है, उससे दिल्ली ही नहीं पंजाब तक रेगिस्तान का विस्तार होने की संभावना जताई जा रही है। अदालत का मानना था कि स्थानीय जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाए। यानी इससे कम ऊंचाई के पहाड़ों पर खनन के रास्ते खुल गए हैं।

भू वैज्ञानिक डॉ. उमर सैफ की मानें तो कभी अरावली का विस्तार शिवालिक तक हुआ करता था और यमुना के कटाव से लाखों साल पहले यह श्रृंखला दिल्ली के रायसीना पहाड़ पर आकर बंट गई। लगातार इसके नैसर्गिक स्वरूप से छेड़छाड़ ने इसके मूल स्वभाव– पाकिस्तान की तरफ से आने वाली गरम हवा और बालू को रोकने की दीवार, में रास्ता बना दिया और इससे रेगिस्तान के हौले-हौले कदम बढ़ने की संभावना है। अरावली दो तरह से देश के बड़े हिस्से को गर्मी और अंधड़ से बचाता रहा है। इसके ऊंचे शिखर हवा के साथ बह कर आने वाले पीएम 2.5 कणों को रोकते हैं तो 30 मीटर तक की नीची पहाड़ियां भारी रेत और धूल के कणों को रोकती हैं।

> सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर अरावली पर्वत श्रृंखला की जो 'नई परिभाषा' दी है, उससे दिल्ली ही नहीं पंजाब तक रेगिस्तान का विस्तार होने की संभावना जताई जा रही है।

एफएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 10 से 30 मीटर ऊंची छोटी पहाड़ियां भी तेज हवाओं को उसके साथ आने वाली रेत को थामने में सक्षम होती हैं। चूंकि अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा 100 मीटर से कम ऊंचाई का है और अब वहां खनन होगा ही, सो रेगिस्तान से उड़ने वाली धूल सीधे दिल्ली और इंडो-गैंगेटिक मैदानों (एनसीआर) तक पहुंचेगी। यह किसी से छिपा नहीं हैं कि अभी तक अरावली ने मरू भूमि के विस्तार को थामने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यही नहीं मानसून के पानी भरे बादलों को दिशा देने में इस पर्वत श्रंखला के मध्यम ऊंचाई वाले पहाड़ों की भूमिका रही है और अब इन पहाड़ियों के गायब होने की दशा में उत्तर-पश्चिम भारत में बरसात के स्वभाव में बदलाव आ सकता है।

पहले से ही बढ़ते तापमान से तंग इन इलाकों में 'गरम-द्वीप' का विस्तार छोटे कस्बों तक हो सकता है। रेत की आंधियां कृषि भूमि को बंजर बना देंगी, जिससे किसानों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्स' में प्रकाशित एक शोध में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाड़ियों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है। भरतपुर, धोलपुर, जयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे स्थान, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एलके शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज द्वारा किए गए इस अध्ययन का शीर्षक है, 'एसेसमेंट ऑफ़ लैंड यूज़ डायनामिक्स ऑफ़ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड'। दिल्ली, राजस्थान के गैर मरुस्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व भी अरावली पर टिका है और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि अन्न के कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार। रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही हैं।

इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि भारत के राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान व उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मॉग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रंखला की जगह गहरी खाई हो गई और एक बड़ा कारण यह भी है कि अब उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है।

गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किलोमीटर तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को तकरीबन 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में एक गिना गया है। ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतूंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरुभूमि का विस्तार नहीं हुआ, दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही।

एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य उंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां पूरी तरह गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपुतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। सन 1975 से 2019 के दौरान किए गए अध्ययन में, यह पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना, पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक थे।

आमने

चुनाव के दौरान, भाजपा महिलाओं को डराने के लिए सेंट्रल फोर्स का इस्तेमाल करना चाहती है। अगर आपके नाम हटा दिए जाएं तो क्या आपमें लड़ने की ताकत है? महिलाओं को एसआईआर पर लड़ाई लीड करनी चाहिए और पुरुषों को पीछे से लड़ना चाहिए। -ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

बंगाल में डिटेंशन कैंप की कोई जरूरत नहीं है। हम बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे। केवल भारतीय यहां रहेगा, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, लेकिन यहां एक भी बांग्लादेशी मुस्लिम नहीं रहेगा।
-शुभेंदु अधिकारी
नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

समलैंगिकता पर भी जुबां खोलने की जरूरत

अजय दयाल
वरिष्ठ पत्रकार

शारीरिक खामियों को छिपा कर या नासमझी में शादी तो हो जाती है, बाद में पति-पत्नी और संबंधित परिवारों को भुगतना पड़ता है। हाल ही की घटना है एक लड़की की शादी संपन्न परिवार के हैंडसम कमाऊ लड़के से होती है। विवाह के कुछ माह बाद ही अचानक उनके रिश्तों में दरार आने लगती है। नौबत ऐसी आ जाती है कि बात अदालत तक पहुंचती है और विवाह शून्य करार दे दिया जाता है। लड़का पत्नी के प्रति आकर्षित ही नहीं होता। कुछ दिन लड़की पति को समझाने की कोशिश करती है, लेकिन उसे यह समझने में ज्यादा दिन नहीं लगते कि उसके पति में स्त्री के प्रति यानी विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण ही नहीं है। बाद में पति ने स्वीकारा भी कि वह होमो सैक्सुअल (गे) है और उसका विपरीत लिंग में कोई रुचि व आकर्षण नहीं है। बाद में लड़के की हुई मेडिकल जांच में भी उसके होमो सेक्सुअल होने की हकीकत सामने आ गई। इसकी वजह से लड़की और उसके परिवारीजनों को भारी मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

इस केस में कोर्ट ने माना कि लड़के के होमो सेक्सुअल होने के कारण और पति-पत्नी के बीच संबंध स्थापित होने में अक्षम रहने के कारण विवाह की मंशा समाप्त हो गई। इन परिस्थितियों में दोनों के बीच संपन्न हुए हिंदू विवाह को शून्य घोषित करने के अलावा अन्य कोई विकल्प शेष नही है।। यह सच्ची घटना एक बानगी भर है, ऐसे उदाहरण तमाम हैं, जहां संतान की शारीरिक खामियों को छिपा कर या नासमझी में मां-बाप शादी तो कर देते हैं और बाद में पति-पत्नी और संबंधित परिवारों को भुगतना पड़ता है।

> ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब लड़का-लड़की विपरीत लिंग के प्रति आकर्षित ही नहीं होते। पता होने के बावजूद घरवाले उनकी शादी करा देते हैं। बाद में आने वाली समस्याएं परिवारों को तोड़ देती हैं।

लखनऊ की भुक्तभोगी लड़की आज जिस समस्या का सामना कर रही हैं, उसी तरह की समस्या का सामना कई महिला-पुरुष कर रहे हैं। अरेंज मैरेज में अक्सर सोशल प्रेशर की वजह से लड़का और लड़की के ऊपर कम मिलने और कम बात करने की जो पाबंदियां लगाई जाती हैं, उसका नतीजा यह होता है कि लड़का और लड़की समझ ही नहीं पाते हैं कि उनका होने वाला जीवनसाथी कैसा है।

ऐसे कई केस और भी हैं कि लड़का और लड़की अपने विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षित ही नहीं होते हैं और घर वालों को यह बात पता भी होती है, तब भी वे उनकी शादी करा देते हैं। इससे केवल लड़का या लड़की की जिंदगी बरबाद नहीं होती, बल्कि उन सब की हो जाती है, जो करीबी होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर क्या वजह है कि शादी और विपरीत लिंग के पसंद और नापसंद से जुड़े मामलों में हम खुलकर बात ही नहीं कर पाते!

बीते दिनों महाराष्ट्र के वर्धा शहर से एक खबर आई, जिसमें शादी के पांच साल बाद लड़की को पता चला कि उसका पति तो होमो सेक्सुअल है। अब लड़की और उसके घरवाले खुद को ऐसी स्थिति में महसूस कर रहे थे कि वो करें तो करें क्या? लड़के के घर वालों ने भी यह बात उनसे छुपाई। सोसाइटी के प्रेशर में दोनों ही पक्ष मुंह बंद करके रह गए और बस इतना ही कह पाए कि लड़का और लड़की में बनी नहीं तो तलाक करना पड़ा।

कुछ साल पहले एक सत्र अदालत ने एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसने कथित तौर पर शादी से पहले अपनी यौन प्रवृत्ति का खुलासा न करके एक महिला को धोखा दिया था। अदालत को बताया गया कि पति यानी आरोपी ने शादी से पहले महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया क्योंकि वह समलैंगिकता में लिप्त था। इस तरह उसने शिकायतकर्ता पत्नी के साथ धोखाधड़ी की। उसने उसका जीवन और भविष्य बर्बाद कर दिया।

हाल ही में गोरखपुर से भी ऐसा मामला सामने आया। वहां दुल्हन शादी के सिर्फ तीन दिन बाद ससुराल से अपने घर लौट गई। चार दिन बाद पंचायत हुई और उसने तलाक का नोटिस भेज दिया। इसमें लिखा- 'मैं ऐसे व्यक्ति के साथ अपना जीवन नहीं जी सकती, जो शारीरिक रूप से अक्षम है। यह बात सुहागरात पर पति ने मुझे खुद ही बताया।' पंचायत में लड़की के परिवारवालों ने दो तरह के आरोप लगाए। एक- आपने धोखे से अपने बेटे से शादी करवा दी। लड़के की कमी के बारे में हमें बताना चाहिए था। दूसरा, पहले भी लड़के की शादी हो चुकी थी।

मनोचिकित्सक डॉ. शबरी कहती हैं कि सेक्सुअल प्रिफरेंस को लेकर खुलकर बात न करना ही बड़ी समस्या है। पैरेंट्स को इस विषय पर भी अपने युवा बच्चों से बातचीत कर उन्हें समझने की पहल करनी चाहिए। यह कोई नया विषय नहीं है। पहले भी ऐसे मामले होते रहे हैं, लेकिन तब उन्हें दबा दिया जाता था। अब इस पर खुलकर बातें सामने आ रहीं हैं, तो इसको लेकर सहज होना पड़ेगा।

इस मामले में अधवक्ता अंचल गुप्ता का कहना है कि यह आकर्षण का विषय है, जिसे कानूनी पाबंदियों के दायरे में नहीं रखा जा सकता। वो चाहे लड़की हो या लड़का। हां, शादी के समय स्वीकारोक्ति ही विवाह के बाद तलाक की आने वाली नौबत से पूर्व का एक रास्ता हो सकता है। रिश्ते तय करते वक्त ही बातें सामने लानी होंगी। तभी हम समस्या को जड़ बनने से पहले हल कर सकेंगे। इससे जिंदगियां बर्बाद होने से भी बच सकेंगी।

सोशल फोरम

'यूं ही कोई...' गीत में सचमुच रोई थीं मीना

मंजेश बूरा
ब्लॉगर

4 फरवरी 1972 को रिलीज पाकीजा फ़िल्म औरत के दर्द और कशमकश को बयां करती है। इस फिल्म को पूरा होने में काफी लंबा समय लगा। पूरे 15 साल। गुलाम मोहम्मद संगीतकार के नाती सज्जाद अली चंदवा चंदवानी ने बताया कि फिल्म में इस्तेमाल कार्पेट ईरान से लाया गया, जिस पर गीत और सीन शूट किए गए। यह काफी मंहगा था। गुलाम मोहम्मद की बेटी नजमा एम अली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मीना जी की चाल में तवायफों जैसा अंदाज नहीं आ पा रहा था। तब उनके पिता जी ने मीना कुमारी को खुद चलकर बतलाया था कि तवायफों की चाल कैसी होती है।

मीना कुमारी जी 'चलते-चलते यूं ही कोई मिल गया था' ....गाने में रीयल में रोई थीं। जब गाने की शूटिंग बंद हुई तो रात में गुलाम मोहम्मद को बुलाया गया। वो उनको गुलाम मियां बुलाती थीं। उन्हें बताया गया कि कि आपने गीत बेहद खूबसूरत बनाया। गुलाम मोहम्मद ने देखा तो मीना कुमारी की आंखें रोने की वजह से सूजी हुई थीं।

मीना कुमारी की कमाल अमरोही के साथ 1964 में ही रिश्ते में दरार आ चुकी थी। वह दोनों पति-पत्नी थे। इसी दौरान मीना कुमारी बीमार भी पड़ीं। इसी वजह से फ़िल्म इतने वर्ष बाद रिलीज हुई। नरगिस दत्त और सुनील दत्त की बातचीत के बाद मीना कुमारी ने फिल्म को पूरा किया। फ़िल्म काफी लोकप्रिय हुई और फ़िल्म में मीना कुमारी के चहरे पर दर्द और जज्बात असलियत में दिखाई पड़ते हैं। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

भारतीय कामगार और रूस के साथ करार

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अर्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा।

रूस भारत के राज मिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं।

दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात् अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे।

रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। रूस में एक लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के तीन लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं। उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं।

भारत के लिए रूस एक सार्थक बाजार बनकर उभरेगा। इस करार से हमारे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि भारतीय कामगार रूस से पैसा कमा कर भारत भेजेंगे। रूस में भारत की अपेक्षा वेतनमान काफी अधिक है। करार के बाद भर्ती की प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी होगी। एक आधिकारिक पोर्टल होगा। रूस में 'मेक इन इंडिया' के लिए भी बाजार मिलेगा। जब भारतीय कामगार रूस जाएंगे, तो भारतीय उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी, लिहाजा हमारे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हमारे कामगारों को राजमिस्त्री, बिजली वाले, वेल्डर, पेंटर के काम खूब मिलेंगे, क्योंकि रूस में इनकी मांग बहुत है।

तेल और गैस क्षेत्रों में काम करने के मौके मिलेंगे। आईटी और बैंकिंग में रूस को काफी प्रतिभाओं की जरूरत है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी रूस को काफी चाहिए। कुल मिला कर भारतीय कामगारों और पेशेवरों के लिए रूस 'नया अमरीका' साबित हो सकता है। खाड़ी देशों की भयंकर गर्मी और वहां की सामंती संस्कृति की तुलना में रूस एक बेहतर मंच साबित हो सकता है। यह करार लागू होने के बाद रूस का वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान और सरल हो जाएगी। भारत और रूस के संबंध विश्व राजनीति में उस स्थिर मित्रता का उदाहरण है, जो समय, परिस्थितियों एवं वैश्विक दबावों के बावजूद कभी कमजोर नहीं हुई। भारत और रूस को आपसी व्यापार भी बढ़ाना है तथा इसे भारत की दृष्टि से संतुलित भी करना है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

दया शंकर मिश्र
लेखक

जब से मैंने आचार्य चतुरसेन शास्त्री की चर्चित ऐतिहासिक पुस्तक सोमनाथ को पढ़ा, मेरे मन में ये आस जाग उठी कि आततायी महमूद गजनवी द्वारा लूटे और विध्वंस किए गए मंदिर में विराजे प्रभु सोमनाथ जी के दर्शन को समय मिला तो जरूर जाऊंगा। बाबा-दादा से सुना था कि सबसे पहले सोमनाथ मंदिर का निर्माण सोने से चंद्रदेव (सोमराज) ने बाद में पुनर्निर्माण रावण ने चांदी से, भगवान कृष्ण ने लकड़ी से और राजा भीमदेव ने पत्थरों से करवाया था। इतना सब सुनने के उपरांत मानव मन में उस पवित्र स्थल के दर्शन करने की भावना बलवती होना स्वाभाविक है। मुझे श्री सोमनाथ जी के दर्शन का सौभाग्य बदा था। शाम के समय हम लोग पहले से बुक किए हुए श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्राम स्थल पर पहुंचे। कम पैसे में वहां की उत्कृष्ट व्यवस्था और साफ सफाई देखकर हम लोग दंग रह गए।

सोमनाथ की अविस्मरणीय यात्रा

हम सभी के मन में श्री सोमजी के दर्शन की इतनी उत्कंठा थी कि जल्दी ही नहा धोकर वहां से लगभग एक किमी दूर स्थित मंदिर पहुंच गए। बाहर से ही मंदिर की विशालता और शिखरों की नक्काशी देखकर मन-मयूर नर्तन करने लगा। मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिक्योरिटी के नियमों का पालन करते हुए हम लोग पंक्तिबद्ध होकर मंदिर के अंदर पहुंचे तो आरती का समय हो रहा था। इसके उपरांत पट बंद हो जाते हैं, जो दूसरे दिन प्रातः खुलते हैं।

दोबारा दर्शन करने का बाद हुई संतुष्टि

मंदिर में पुरुषों और महिलाओं के दर्शन हेतु जाने एवं निकलने के लिए पृथक-पृथक लाइन थी। महिलाएं समुद्र की ओर स्थित द्वार से जबकि पुरुष देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित करवाए गए मंदिर की तरफ स्थित द्वार से दर्शन के उपरांत बाहर जा रहे थे। आशा के विपरीत प्रभु सोमनाथ जी असीम कृपा से हम लोगों को बहुत ही आराम से श्री सोमजी के विशाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन हुए। एक बार दर्शन से मन नहीं भरा और बाहर निकलकर मैं पुनः लाइन में लग गया। दोबारा जी भरकर उनकी प्रतिमा को देखा, तो मन में संतुष्टि हुई। आरती अभी चल रही थी, भक्त कतारबद्ध हर-हर महादेव निनाद करते हुए दर्शन कर रहे थे।

जब भाभीजी बिछड़ गईं

हम सब लोग बाहर निकलकर पहले से तय स्थान पर एक दूसरे से मिले। वहां पर मैं, भाई साहब और मेरी पत्नी तो आ गईं, लेकिन भाभीजी का कहीं अता-पता नहीं था। दिन भर के सफर से हम लोग काफी थक चुके थे, लेकिन बड़े भाई की पत्नी की तलाश आवश्यक थी। मैं और भाई साहब उनको ढूंढते हुए हनुमान जी की तरह मंदिर के एक दो चक्कर लगा आए, परंतु वे नहीं मिलीं। सभी बड़े पशोपेश में थे कि वे आखिर हैं कहां ! हम लोग एक तरफ बैठ गए और भाई साहब से कहा कि आप दूसरी तरफ बैठिए। बाहर निकलने के दो ही रास्ते हैं। मिलेंगी जरूर। इतने में मंदिर के पिछवाड़े की तरफ से एक सज्जन कंधे में झोला डाले हुए आए। मैं पहले और श्रीमती जी मेरे बाद बैठी थीं। उनको देखते ही न जाने कैसे मेरे हाथ ऊपर उठ गए और उन्होंने मुझे कपड़े के छोटे थैले में एक लड्डू पकड़ा दिया। श्रीमती जी ने भी हाथ बढ़ाया, लेकिन वे किसी को भी प्रसाद दिए बिना आगे बढ़ गए। मैं अवाक था, केवल मुझे ही प्रसाद मिला। जब तक स्थिर होता, कुछ विचार करता वे आगे जाने कहां निकल गए। मैं उनको ठीक से देख भी नहीं पाया। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि मुझ अकिंचन को प्रभु सोमनाथ ही तो प्रसाद देने नहीं चले आए थे।

इसके उपरांत मैंने एक चक्कर मंदिर का और लगाने का निश्चय किया। समुद्र की तरफ स्थित द्वार के पास पहुंचते ही देखा कि भाभीजी मंदिर की दीवारों में उत्कीर्ण देव प्रतिमाओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लीन थीं कि उनको होश ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं, कोई उनका इंतजार कर रहा है। उनको देखकर मैं वैसे ही हर्षातिरेक से भर गया जैसे हनुमानजी मां सीता को अशोक वाटिका में पाकर खुश हुए थे। मैंने उनकी पूजा में बाधा उत्पन्न करते हुए ईश्वर आराधना में लीन उनके मन को वापस धरातल पर लाने हेतु आवाज दी और सूचित किया कि मंदिर बंद होने वाला है, हम लोगों को वापस चलकर भोजनादि करना है।

दूसरे दिन प्रातः हम लोगों ने पुनः दिव्य दर्शन किए और आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोपहर में वापसी के लिए समीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से वंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गई। रास्ते भर पुनः दर्शनार्थ आने को सोचता हुआ मैं श्रीसोमजी के ख्यालों में खो गया।

जॉब का पहला दिन

मरीजों का उपचार कर खुद को गौरवान्वित महसूस किया

वर्ष 2010 मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत लेकर आया। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे शासन से नियुक्ति पत्र मिला और मेरी पहली तैनाती शाहजहांपुर जिले के तिलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में बतौर मेडिकल अफसर हुई। यह मेरी नौकरी का पहला दिन था। एक ऐसा दिन जो आज भी स्मृतियों में उतना ही ताजा है। जब मैं सीएचसी के परिसर में प्रवेश कर रहा था, तभी ओपीडी के बाहर मरीजों की भारी भीड़ देखकर क्षणभर के लिए मन कुछ संकोच से भर गया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मरीजों को संभालने का अनुभव था, लेकिन इतनी बड़ी संख्या एकदम से सामने आना मेरे लिए बिल्कुल नया था। ऐसे में मन खुद से कई सवाल पूछ रहा था- क्या मैं यह जिम्मेदारी निभा पाऊंगा? क्या मैं इन लोगों के लिए कुछ सार्थक कर सकूंगा? इन्हीं विचारों के बीच चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. संजय अग्रवाल से मिला। उन्होंने मुस्कुराकर मेरा स्वागत किया, कागजी औपचारिकताएं पूरी कराईं और मुझे शुभकामनाएं दीं। उनके आत्मीय व्यवहार ने भीतर एक भरोसा-सा भर दिया। इसके बाद मैं सीधे ओपीडी के अपने कक्ष में पहुंच गया और दिनभर मरीजों को देखने में व्यस्त हो गया।

पहले ही दिन 45 मरीजों की जांच की किसी को बुखार था, किसी को त्वचा संबंधी परेशानी, कोई पुरानी बीमारी लेकर आया, तो कोई छोटी-सी समस्या के साथ। मैंने दवाइयों के साथ-साथ उन्हें उनके रोगों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया। इलाज के साथ जानकारी देना हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही, क्योंकि जागरूकता ही बीमारी को जड़ से मिटाने का पहला कदम है। 2 बजे के आसपास ओपीडी समाप्त होने पर टीकाकरण से संबंधित एक विभागीय बैठक में भी शामिल हुआ। यह मेरे लिए पहली सरकारी चिकित्सकीय बैठक थी, जिसने आने वाले समय के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी का भी एहसास कराया। जब शाम को घर लौटा, तो मन गहरे संतोष से भरा हुआ था। उस दिन एक अलग ही अनुभव जहन में हिलोरे मार रहा था और

उस वक्त हेडमास्टर के पद पर शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे मेरे पिता रफीक अहमद अंसारी की एक बात याद आई कि "डॉक्टर बनने के बाद सरकारी सेवा ही करना, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में ऐसे मरीज आते हैं, जो कि आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। उनका इलाज करने से उन्हें नई जिंदगी देने के साथ ही तुम्हें भी एक सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।" उस दिन मुझे पहली बार महसूस हुआ कि वे कितने सही थे।

सरकारी अस्पताल में एक-एक मरीज की मुस्कान, उनकी दुआएं और उनका भरोसा- यही असल कमाई है। इसी भाव के साथ 2010 में शुरू हुआ मेरा सेवाकार्य आज भी उसी समर्पण के साथ जारी है। वर्तमान में मैं बरेली के सीएमओ कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहा हूं। इन पंद्रह वर्षों में बहुत कुछ बदला समय, स्थान, पद और कार्यशैली, लेकिन मरीजों की सेवा का भाव और चिकित्सा के प्रति समर्पण आज भी उतना ही अडिग है। यही सेवा मुझे हर दिन नई ऊर्जा देती है और डॉक्टर बनने के वास्तविक उद्देश्य को जीवित रखती है।

- डॉ. लईक अंसारी
डिप्टी सीएमओ,
बरेली।

याद आते हैं स्कूल के अमरूद-आम के पेड़

आपबीती

बचपन के विद्यालय के प्रांगण में कदम रखता हूं, तो बीते हुए दिनों की यादें फिर आंखों के समक्ष तैरने लगती हैं और लगता है जैसे कल ही की बात हो। हालांकि विद्यालय को छोड़े हुए चार दशक का समय हो गया है, लेकिन बचपन जीवन का एक ऐसा क्षण है, जो भुलाए नहीं भूलता। स्कूल में हमारे हिस्ट्री के सर रहे लोकप्रिय केके तिवारी सर बताते हैं कि जब विद्यालय की स्थापना हुई थी तब स्कूल के संस्थापक रहे ओल्ड जॉन निकटवर्ती बच्चों को पैडल रिक्शा में स्कूल लाया करते थे और उन्हें छोड़ने भी जाया करते थे।

आज चंद बच्चों से शुरू हुआ यह सफर कई हजार बच्चों तक पहुंच गया है। यहां से पढ़े बच्चे कई क्षेत्रों में अपना नाम कमा रहे हैं। लखनऊ के वर्तमान मंडल आयुक्त भी इसी स्कूल से पढ़े हुए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि मैंने इस विद्यालय से कक्षा 10 तक शिक्षा प्राप्त की है। आज यह विद्यालय 12 वीं तक है, पर हमारे समय में यह विद्यालय दसवीं तक की हुआ करता था।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

इस कॉटेज में आगे एक म्यूजिक रूम तथा एक टीटी यानी टेबल टेनिस रूम हुआ करता था। साथ ही शिक्षकों के बैठने के लिए भी एक कमरा था और छोटे बच्चों की कक्षाएं भी। पीछे एक कैंटीन भी थी और उसके बगल में बच्चों के लिए झूले और लाल अमरूद के कुछ पेड़। इन अमरूद और आम के पेड़ों से भी बड़ी सुनहरी यादें जुड़ी हुई है। अक्सर अमरूद और आम तोड़ने के लिए मैं इन पेड़ों में चढ़ जाया करता था। कुछ अमरूद पेड़ पर बैठकर खाए, तो बाकी पेड़ के नीचे खड़े अपने दोस्तों को दिए। कुछ साथी यह देखने के लिए खड़े रहते थे कि कोई शिक्षक तो नहीं आ रहा। जैसे ही कोई आता, दोस्तों की सीटी बजती और मैं पेड़ से नीचे कूद जाता। झूलों में बैठने के लिए तो हम दोस्तों में जैसे होड़ सी लग जाती। मुझे वो गोल-गोल घूमने वाला झूला बहुत पसंद था। हम उसे जोर से घुमाते और दौड़कर उस पर चढ़ जाते। इस झूले पर चढ़ते समय मैं कई बार गिरा भी और चोटें भी आईं।

म्यूजिक रूम से जुड़ी कुछ अच्छी तथा कुछ ज्यादा कटु यादें भी हैं। गाना गाने में ज्यादातर लड़के अच्छे नहीं थे। चूंकि हमारे संगीत के टीचर जिनका नाम सैमसन था बहुत सख्त थे, इसलिए अधिकांशतः हमें उनकी डांट और पिटाई खानी पड़ती थी। आज याद नहीं कि गाना न गाने पर कितनी बार मेरी पिटाई हुई थी। मुझे संगीत का पीरियड शायद ही कभी अच्छा लगा हो। मेरी तथा अन्य लड़कों की तो यही कोशिश रहती थी कि किसी तरह म्यूजिक रूम में जाने से बच जाए। एक बार हमारी म्यूजिक सर से कुछ बहस हो गई, तो वह हम सब लड़कों को प्रिंसिपल के पास ले गए और फिर वहां जो हमारी पिटाई हुई, वह आज भी मैं नहीं भूला। साथ में था एक टेबल टेनिस का रूम, जहां टेनिस खेलने के लिए एक टेबल लगी हुई थी। हालांकि मैंने तो टीटी में यदा-कदा ही हाथ आजमाया, क्योंकि इस खेल में मुझे जरा भी रुचि नहीं थी, पर सच कहूं तो यह हमारे छिपने का रूम था, खासकर SUPW पीरियड में। SUPW यानी ऐसा पीरियड, जिसमें हमें हस्तकला का जौहर दिखलाना पड़ता था। लड़कियों की तरह कुछ चीजें बनाने में हमारी तो कभी रुचि रही नहीं, इसलिए जैसे ही SUPW का पीरियड आता था, हम कुछ लड़के पिछले दरवाजे से निकलकर छुपते-छुपाते टेबल टेनिस रूम में पहुंच जाया करते थे। कभी कोई टीचर हमें वहां देख लेता और कुछ पूछता तो हम झूठ कह देते कि हमें टेबल टेनिस सीखने के लिए भेजा गया है। चुपचाप टेनिस खेलते और पीरियड खत्म हुआ तो वापस अपनी क्लास में। आज लगता है कि हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए था और ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन क्या दिन थे वो भी भुलाए नहीं भूलते। ऐसी कई यादें हैं, पर यादों का क्या वह तो समय-समय पर याद आ ही जाती हैं।

@ 90.4950 ऐतिहासिक गिरावट के साथ बंद हुआ रुपया

मुंबई। बैंकों के डॉलर खरीद बढ़ाने से रुपये में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर शुक्रवार को भी गिरावट रही और यह ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा शुक्रवार को 17.50 पैसे की गिरावट के साथ 90.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। बीच कारोबार में यह 90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गई थी। दोनों इसकी गिरावट का नया रिकॉर्ड है। पिछले कारोबारी दिवस पर गुरुवार को रुपया 90.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया शुक्रवार को 11 पैसे टूटकर 90.43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। एक समय यह 90.28 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ था। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से रुपये पर दबाव रहा।

सीसीआई जांच के घेरे में आई इंडिगो

प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन की आशंका में मामले का लिया गया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिगो पर अब एक के बाद एक जांच का शिकंजा कसता जा रहा है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने अब इस बात की जांच शुरू की है कि क्या देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है। यह जानकारी विमानन कंपनी के उड़ान व्यवधानों को लेकर नियामक जांच का सामना करने के बीच सामने आई है।

घरेलू बाजार में 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हुई है। अब स्थिति स्थिर हो रही है। विमानन सुरक्षा नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ान व्यवधानों की जांच करने के साथ इंडिगो के परिचालन की निगरानी भी बढ़ा रहा है। वहीं कुछ हलकों में इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि क्या विमानन कंपनी की प्रमुख स्थिति भी इसका एक कारण हो सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) आंतरिक रूप से इस बात की जांच कर रहा है कि क्या इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है।

अधिकारी ने बताया कि समग्र प्रभुत्व की स्थिति, विशेष मार्गों पर प्रभुत्व और क्या प्रभुत्व का दुरुपयोग हो रहा है जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि इंडिगो के खिलाफ अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है और सीसीआई स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर रही है कि क्या प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन हुआ है। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा-4 प्रभुत्व के दुरुपयोग से संबंधित है जो शोषणकारी या बहिष्करणकारी हो सकता है। शोषणकारी का तात्पर्य अत्यधिक मूल्य निर्धारण जैसे कृत्यों से है जबकि बाजार पहुंच से वंचित करना बहिष्करणकारी खंड के अंतर्गत आता है। नियमों के अनुसार सीसीआई सबसे पहले उपलब्ध जानकारी की विस्तृत जांच करके यह निष्कर्ष निकालता है कि क्या प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन के प्रथम दृष्टया प्रमाण मौजूद हैं। प्रथम दृष्टया उल्लंघनों के प्रमाण मिलने पर ही नियामक इस मामले की जांच का आदेश देता है।

सीजीएसटी मामले में 58.75 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। दिसंबर के पहले सप्ताह में हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द करके लाखों यात्रियों की परेशानी का सबब बनी विमान सेवा कंपनी इंडिगो की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उसे सीजीएसटी से जुड़े एक मामले में 58.75 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है। इंडिगो ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे कर विभाग के दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट के अतिरिक्त सीजीएसटी आयुक्त से गुरुवार को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। नोटिस में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एयरलाइंस से 58 करोड़ 74 लाख 99 हजार 439 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। इंडिगो ने बताया कि विभाग ने जीएसटी और जुर्माने की राशि की मांग की है। एयरलाइंस ने अपनी फाइलिंग में कहा है, कंपनी का मानना है कि अधिकारियों का आदेश त्रुटिपूर्ण है। इंडिगो ने कहा है कि वह सक्षम प्राधिकरण के सामने इस नोटिस का प्रतिकार करेगी। उसने यह भी कहा है कि इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा।

दूसरे दिन भी तेजी, सेंसेक्स में 450 अंकों का उछाल, निफ्टी हुआ 26,000 के पार

मुंबई। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और धातु शेयरों में लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन चढ़कर बंद हुआ। सेंसेक्स में 449 अंकों की तेजी रही जबकि निफ्टी एक बार फिर 26,000 के स्तर के पार पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 449.53 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,267.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.69 अंक चढ़कर 85,320.82 तक पहुंच गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी 148.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत मजबूत होकर 26,046.95 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार में एक अरब डॉलर की बढ़ोतरी, 687.26 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पांच दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.51 अरब डॉलर घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं। रिजर्व बैंक ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.19 अरब डॉलर बढ़कर 106.98 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 9.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.72 अरब डॉलर हो गया।

भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात नवंबर में पांच माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का रूस से कच्चा तेल आयात नवंबर में चार प्रतिशत बढ़कर पांच महीनों में सबसे अधिक 2.6 अरब यूरो तक पहुंच गया। इस तेल से परिष्कृत ईंधन की बड़ी मात्रा ऑस्ट्रेलिया को निर्यात की गई। यूरोप के शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि रूस से कच्चे तेल के मामले में भारत नवंबर में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। इसके पहले अक्टूबर में भारत ने रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा था। नवंबर में रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात का 47 प्रतिशत चीन, 38 प्रतिशत भारत, छह प्रतिशत तुर्किये और छह प्रतिशत यूरोपीय संघ के हिस्से में गया। सीआरईए ने कहा कि भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात अक्टूबर की तुलना में चार प्रतिशत बढ़ गया जबकि कुल आयात मात्रा लगभग स्थिर रही। यह पिछले पांच महीनों में सर्वाधिक खरीद रही। संस्था का अनुमान है कि दिसंबर में भी यह खरीद बढ़ सकती है, क्योंकि रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने से पहले कुछ तेलवाहक जहाज रवाना हुए थे।

- चार प्रतिशत बढ़कर पांच महीनों में सर्वाधिक 2.6 अरब यूरो पहुंचा, दिसंबर में भी वृद्धि के आसार

सीआरईए ने कहा, नवंबर में जहां निजी तेल कंपनियों के आयात में हल्की गिरावट आई, वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने रूसी कच्चे तेल की खरीद 22 प्रतिशत बढ़ा दी। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने वाला सबसे बड़ा ग्राहक बन गया। कभी एक प्रतिशत से भी कम रहा रूसी तेल आयात का हिस्सा बढ़कर भारत के कुल तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हो गया। आंशिक गिरावट आने के बावजूद नवंबर महीने में रूस ने भारत की कुल कच्चे तेल आपूर्ति में 35 प्रतिशत का योगदान दिया। इस कच्चे तेल को रिफाइन कर बनाए गए पेट्रोल, डीजल जैसे ईंधन को घरेलू उपयोग के साथ निर्यात भी किया जाता है।

रिफाइंड तेल यूरोप व अमेरिका को निर्यात

सीआरईए ने कहा कि नवंबर में भारत और तुर्किये की छह रिफाइनरियों ने 80.7 करोड़ यूरो मूल्य के रिफाइंड ईंधन निर्यात किए। इनमें से 46.5 करोड़ यूरो यूरोपीय संघ, 11 करोड़ यूरो अमेरिका, 5.1 करोड़ यूरो ब्रिटेन, 15 करोड़ यूरो ऑस्ट्रेलिया और 31 करोड़ यूरो कनाडा को भेजे गए। इनमें से लगभग 30.1 करोड़ यूरो मूल्य के रिफाइंड तेल उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे। सीआरईए ने कहा, ऑस्ट्रेलिया को निर्यात नवंबर में 69 प्रतिशत बढ़ा, जो पूरी तरह गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी से भेजा गया। कनाडा ने भी आठ महीने बाद पहली बार रूसी तेल से बने ईंधन की खेप प्राप्त की।

बिजनेस ब्रीफ

अब डाकघरों से भी म्युचुअल फंड में निवेश

नई दिल्ली। देश में म्युचुअल फंड निवेश को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी शेयर बाजार बीएसई ने भारतीय डाक के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत डाकघरों पर भी म्युचुअल फंड उत्पादों में निवेश की सुविधा होगी। शेयर बाजार आधारित म्युचुअल फंड ट्रांजेक्शन में 85 प्रतिशत बीएसई के स्टार एमएफ के जरिये होता है। हर महीने इस प्लेटफॉर्म पर करीब सात करोड़ ट्रांजेक्शन होते हैं। दोनों संस्थाओं की संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि डाक विभाग के 1.64 लाख डाकघरों से देश के अंतिम छोर तक म्युचुअल फंड का वितरण और निवेशकों को जागरूक बनाने का काम हो सकेगा। सहमति पत्र पर बीएसई के सीईओ सुंदररमन राममूर्ति और डाक विभाग में महाप्रबंधक मनीषा बंसल बादल ने यहां हस्ताक्षर किए।

मेक्सिको के टैरिफ से प्रभावित होगा तीन/चौथाई तक भारतीय निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

विशेषज्ञों ने कहा है कि मेक्सिको में टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाए जाने से भारत के वाहनों, वाहन कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, धातु एवं रसायन जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया है कि यह कदम मेक्सिको को होने वाले 5.75 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात के लगभग तीन-चौथाई हिस्से को सीधे प्रभावित करेगा। इस वजह से मेक्सिको में कारोबार करने के वाणिज्यिक तर्क पर बुनियादी असर पड़ेगा।

मेक्सिको की संसद से पारित यह निर्णय एक जनवरी, 2026 से लागू होगा। इसके तहत उन देशों से आने वाले सामान पर पांच से 50 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ टैरिफ लगाया जाएगा, जिनके साथ मेक्सिको का मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इस की जद में आने वाले देशों में भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया सहित कई देश शामिल हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, वाहन कलपुर्जों पर टैरिफ 10-15 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत होने से आपूर्ति श्रृंखला सर्वाधिक प्रभावित होगी।

- वाहन, कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक, धातु व रसायन निर्यात जैसे क्षेत्रों पर पड़ेगा गंभीर असर

कमजोर होगी प्रतिस्पर्धा, बाधित होंगी आपूर्ति श्रृंखलाएं: फियो

निर्यातकों के संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि इतने टैरिफ से भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी और आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होंगी। पूंजीगत सामान की लागत बढ़ेगी, मांग घटेगी। धातु क्षेत्र में टैरिफ वृद्धि और भी कठोर है। एल्युमिनियम पर टैरिफ बढ़ाकर 25-35% कर दिया गया है जबकि लौह-इस्पात और उनसे बने उत्पादों पर टैरिफ 15 से बढ़कर 35% कर दिया गया है। श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर भी असर पड़ेगा। परिधान और वस्त्रों पर 20-25 से बढ़कर 35% टैरिफ लगाया जाएगा।

रिकॉर्ड: देश में नवंबर में यात्री वाहनों की बिक्री 18.7% बढ़ी

नई दिल्ली। देश में नवंबर के महीने में यात्री वाहनों, दुपहिया और तिपहिया की थोक बिक्री का नया रिकॉर्ड बना है। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में घरेलू बाजार में कुल 4,12,405 यात्री वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 18.7 प्रतिशत अधिक है। यह नवंबर महीने की बिक्री का नया रिकॉर्ड है। दुपहिया की बिक्री 21.2 प्रतिशत बढ़कर 19,44,475 इकाई पर पहुंच गई। इसमें मोटरसाइकिल की बिक्री 17.5 प्रतिशत और स्कूटरों की 29.4 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 11,63,751 और 7,35,753 इकाई रही। मोपेड की बिक्री 2.1 फीसदी की गिरावट के साथ 44,971 इकाई रह गई। तिपहिया की बिक्री 21.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 71,999 इकाई पर पहुंच गई। इसमें ई-रिक्शा में जहां 25.6 प्रतिशत की गिरावट रही, वहीं अन्य यात्री वाहक तिपहिया में 24.6 प्रतिशत की इजाफा देखा गया।

राष्ट्रीय

सुप्रीम टिप्पणी: देश की न्यायपालिका को ध्वस्त कर देना चाहते हैं आप लोग

अल्पसंख्यक विद्यालयों में आरटीई एक्ट पर पुराने आदेश को चुनौती देने पर नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अल्पसंख्यक विद्यालयों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत छूट देने के अपने पूर्व के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस तरह के मुकदमे दायर करके न्यायपालिका को नीचा न दिखाएं। याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह दूसरों के लिए एक संदेश होना चाहिए।

पीठ ने कहा, आप उच्चतम न्यायालय के साथ ऐसा नहीं कर सकते। आप बेहद आक्रोशित हैं। अगर आप इस तरह के मुकदमे दायर करना शुरू करते हैं तो यह देश की पूरी न्यायिक व्यवस्था के खिलाफ होगा। आपको अपने मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं है। हम केवल एक लाख रुपये का जुर्माना लगा रहे हैं। याचिका दायर करने के लिए वकील को फटकार लगाते हुए पीठ ने कहा, इस तरह के मामले दायर करके देश की न्यायपालिका को बदनाम मत कीजिए। यहां क्या हो रहा है, क्या वकील इस तरह की सलाह दे रहे हैं? हमें वकीलों को दंडित करना होगा।

- कहा- ऐसे केस दायर कर हमें नीचा न दिखाएं, एक लाख का जुर्माना

न्यायालय ने कहा, आप कानून के जानकार लोग और पेशेवर हैं और आप अनुच्छेद 32 के तहत इस न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर करते हैं, ये घोर दुरुपयोग है। हम संयम बरत रहे हैं। हम अवमानना का आदेश जारी नहीं कर रहे हैं। आप इस देश की न्यायपालिका को ध्वस्त करना चाहते हैं।

ये था मामला

उच्चतम न्यायालय गैर-सरकारी संगठन 'यूनाइटेड वॉइस फॉर एजुकेशन फोरम' की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को दी गई छूट असंवैधानिक है क्योंकि यह उन्हें शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के दायित्वों से पूर्ण रूप से छूट प्रदान करती है। न्यायालय ने 2014 में दिए फैसले में कहा था कि आरटीई अधिनियम अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक विद्यालयों पर लागू नहीं होता है जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और शासन का अधिकार प्रदान करता है।

विचाराधीन मामलों में आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि खासतौर पर विचाराधीन मामलों पर आधे-अधूरे सच और अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से जनता की सोच प्रभावित होती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह मामलों की रिपोर्टिंग से प्रभावित नहीं होता और किसी प्रचार या कोई विमर्श बनाए जाने से न्यायालय को कोई फर्क नहीं पड़ता। शीर्ष अदालत ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कुछ लोगों को बांग्लादेश प्रत्यर्पित किए जाने में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं होने का आरोप लगा है। सुनवाई के दौरान अदालत को जानकारी दी गई कि गर्भवती महिला सुनाली खातून और उसका आठ साल का बेटा भारत लौट आए हैं। फिलहाल दोनों को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में खातून के पिता के घर पर चिकित्सा सुविधा मिल रही है।

फोन टैपिंग मामला: तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख टी. प्रभाकर राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख राव ने खुद को पूर्वाह्न 11 बजे जुबली हिल्स थाने में जांच अधिकारी (आईओ) के हवाले किया।

हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 से अब तक निलंबित एसआईबी के पुलिस उपाधीक्षक समेत चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से खुफिया जानकारी मिटाई और फोन टैप किए। बाद में चारों पुलिस अधिकारियों को जमानत दे दी गई। राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार आत्मसमर्पण किया। बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा था कि यह आदेश राव के खिलाफ अपराधों की विस्तृत जांच के लिए पारित किया गया है। पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ता को निर्देश देते हैं कि वह शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक जुबली हिल्स थाने और जांच अधिकारी के समक्ष आत्मसमर्पण करें, कानून के अनुसार हिरासत में पूछताछ की जाएगी।

श्यामकानु समेत चार लोगों ने की थी जुबिन गर्ग की हत्या

गुवाहाटी, एजेंसी

गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को गुवाहाटी की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा समेत चार लोगों पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया। आरोपियों में शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत भी शामिल हैं।

श्यामकानु महंत सिंगापुर में आयोजित किए गए उत्तर पूर्व भारत महोत्सव का मुख्य आयोजक था और इस कार्यक्रम में गर्ग ने भाग लिया था। इसी महोत्सव में 19 सितंबर को समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में गर्ग की मौत हो गई थी। वकीलों ने बताया कि गर्ग के चचेरे भाई और असम पुलिस के निलंबित अधिकारी संदीपन गर्ग पर सुबह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल किए गए 3,500 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। शर्मा गायक का सचिव था, जबकि शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत गर्ग के बैंड के सदस्य थे।

- एसआईटी ने जांच पूरी करने के बाद अदालत में दाखिल किया आरोप पत्र
- अन्य आरोपियों में सिद्धार्थ शर्मा, शेखर ज्योति और अमृतप्रवा महंत शामिल

वकीलों ने बताया कि गायक के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य को बीएनएस की धारा 31सी के तहत आरोपी बनाया गया है। इस धारा का संबंध निजी सुरक्षा अधिकारियों को सौंपे गए धन या संपत्ति का दुरुपयोग करके आपराधिक विश्वासघात करने से है। असम सरकार ने गर्ग की मौत की जांच के लिए डीजीपी एमपी गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी बनाई थी। मुख्यमंत्री ने हाल में विधानसभा सत्र में दावा किया था कि गर्ग की मौत स्पष्ट रूप से हत्या थी। सिंगापुर पुलिस बल भी गर्ग की मौत की जांच कर रहा है। एसपीएफ ने एक बयान में कहा था कि प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का संकेत नहीं मिला है तथा मामले की जांच में और तीन महीने तक का समय लग सकता है।

केरल: अभिनेत्री के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में छह लोगों को 20 साल कठोर कैद

कोच्चि, एजेंसी

केरल की एक अदालत ने 2017 में एक अभिनेत्री के साथ सामूहिक बलात्कार के मामले में दोषी पाए गए छह लोगों को शुक्रवार को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों में सुनील एनएस उर्फ पल्सर सुनी, मार्टिन एंटनी, मणिकंदन बी, विजयेश वीपी, सलीम एच और प्रदीप शामिल हैं। एर्णाकुलम जिला एवं प्रधान सत्र न्यायालय के न्यायाधीश हनी एम वर्गीस ने ने उन्हें अन्य अपराधों के लिए भी कारावास का आदेश दिया, लेकिन ये सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

अदालत ने पीड़िता को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने और यौन उत्पीड़न के वीडियो वाली पेन ड्राइव को जांच अधिकारी के कब्जे में रखने का भी आदेश दिया। इससे पहले आठ दिसंबर को अदालत ने मामले में अभिनेता दिलीप समेत चार आरोपियों को बरी कर दिया था। शुरुआती सुनवाई में अदालत ने सजा की अवधि पर दोषियों, उनके वकीलों और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनीं। न्यायाधीश ने वकीलों और मीडिया को फैसले के मद्देनजर न्यायिक प्रक्रिया की आलोचना करने से भी परहेज करने का निर्देश दिया।

- अदालत ने 2017 के मामले में सुनाई सजा, अन्य अपराधों के लिए कारावास से दंडित किया

फूट-फूटकर रोए दोषी, नरमी की अपील की

दोषियों ने अपनी पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों का हवाला देते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की। मार्टिन और प्रदीप अदालत में फूट-फूटकर रो पड़े और उन्होंने निर्दोष होने का दावा करते हुए कहा कि वे अपने परिवारों के एकमात्र कमाने वाले हैं। विशेष लोक अभियोजक वी. अजा कुमार ने कहा कि सामूहिक बलात्कार के लिए सभी आरोपियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा दी जानी चाहिए।

पूरी सुनवाई के दौरान, अदालत ने स्पष्ट किया कि सुनी द्वारा किया गया अपराध अन्य दोषियों के अपराधों से कहीं अधिक गंभीर है। सत्रह फरवरी 2017 को अभिनेत्री से सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने केरल को झकझोर कर रख दिया था। आरोपी जबरन अभिनेत्री की कार में घुस गए थे और दो घंटे तक उसे अपने कब्जे में रखा। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी पल्सर सुनी ने चलती कार में अभिनेत्री के साथ बलात्कार किया और अन्य दोषियों ने वीडियो बनाया। साजिश रचने के आरोप में अभिनेता दिलीप को जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, लगभग छह साल तक चले मुकदमे के बाद अदालत ने उन्हें निर्दोष पाया।

वायु प्रदूषण पर संसद में विस्तृत चर्चा हो: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण का विषय शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करानी चाहिए, साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस समस्या से निपटने के लिए, हर शहर के लिए एक व्यवस्थित योजना सामने रखनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह विषय कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में उठा था सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है।

- कांग्रेस नेता ने लोकसभा में कहा- व्यवस्थित योजना रखें प्रधानमंत्री

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने कहा, हमारे अधिकतर प्रमुख शहरों पर जहरीली हवा की चादर पसरी हुई है। लाखों बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं, उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है और लोगों को कैंसर हो रहा है। बुजुर्ग लोगों को सांस लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी। यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। सदन में हर कोई इस बात से सहमत है कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को जो नुकसान हो रहा है, वह ऐसी चीज है जिस पर हम सहयोग करना चाहिए।

राहुल गांधी का कहना था कि सरकार को देश के शहरों में वायु प्रदूषण से छुटकारे के लिए योजना बनानी चाहिए और विपक्ष को योजना विकसित करने में सरकार का सहयोग करके खुशी होगी। राहुल गांधी ने कहा, इस मुद्दे पर हम देश को दिखा सकते हैं कि हम किसी महत्वपूर्ण चीज पर मिलकर काम कर सकते हैं।

एआर रहमान को मिलेगा लक्ष्मीनारायण अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

चेन्नई। संगीतकार ए. आर. रहमान को इस साल लक्ष्मीनारायण अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह घोषणा 'लक्ष्मीनारायण ग्लोबल म्यूजिक फेस्टिवल' के आयोजकों ने की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पुरस्कार कलाकारों के कला क्षेत्र में योगदान की मान्यता देने के लिए शुरू किया गया है और इसे 15 दिसंबर को एक विशेष समारोह में ए. आर. रहमान को प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम 'लक्ष्मीनारायण ग्लोबल म्यूजिक फेस्टिवल' के 35वें संस्करण के उद्घाटन के तौर पर काम करेगा। इसे चेन्नई में रसिका रंजनी सभा में आयोजित किया जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईयू ने अफ़गानिस्तान को दिए तीन करोड़

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अफ़गानिस्तान में मानवीय जरुरतों को मज़बूत करने और खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को दो करोड़ 90 लाख 30 हजार रुपये दिए हैं। अफ़गानिस्तान में ईयू प्रभारी डी अफ़ेयर्स वेरोनिका बोस्कोविक-पोहर ने कहा कि डब्ल्यूएफपी में यूरोपियन संघ का नया योगदान अफ़गान लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और कमज़ोर स्थानीय समुदाय के प्रति हमारे लगातार समर्पण को दिखाता है। कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को अफ़गानों के पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक जरुरतों को मज़बूत करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

चीन गर्भनिरोधक दवा पर लगाएगा टैक्स

बीजिंग। चीन तीन दशकों से भी अधिक समय में पहली बार जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूलना शुरू करेगा। यह कदम दशकों तक अधिकतर परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखने के बाद उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के बीजिंग के प्रयासों के अनुरूप है। देश के नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार एक जनवरी से गर्भनिरोधक दवाएं और उत्पाद कर-छूट की श्रेणी में नहीं रहेंगे। कंडोम' जैसे उत्पादों पर भी 13 प्रतिशत का सामान्य वैट लगेगा। यह विषय चीनी सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

जेल में इमरान के साथ हो रहा दुर्व्यवहार

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री मोहम्मद शोएब अफरीदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ जेल में दुर्व्यवहार किया जा रहा है। अफरीदी की ये टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब गुरुवार को अदियाला जेल प्रशासन ने उन्हें जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

सोशल मीडिया पाबंदी को कानूनी चुनौती

मेलबर्न। वैश्विक ऑनलाइन मंच रेडिट ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के उस कानून के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को लोकप्रिय सोशल मीडिया मंचों पर अकाउंट बनाने से रोकता है। ऑस्ट्रेलिया ऐसा कदम उठाने वाला दुनिया का पहला देश है। कैलिफोर्निया स्थित रेडिट इंक ने उच्च न्यायालय में यह याचिका दायर की है। इसी कानून को लेकर पिछले महीने सिडनी स्थित अधिकार समूह डिजिटल फ्रीडम प्रोजेक्ट ने भी चुनौती दी थी।

जापान में फिर से लगे 6.7 तीव्रता के भूकंप के झटके

टोक्यो, एजेंसी

● जानमाल के नुकसान के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं

जापान में आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद शुक्रवार को जारी की गई सुनामी की चेतावनी वापस ले ली गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने बताया कि भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी क्षेत्र स्थित आओमोरी में तट के पास पूर्वाह्न 11 बजकर 44 मिनट पर आया। एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र लगभग 20 किलोमीटर की गहराई में था।

इससे पहले एजेंसी ने चेतावनी दी थी कि होकाइदो, आओमोरी, इवाते और मियागी में प्रशांत महासागर तट पर एक मीटर (3.2 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें उठ सकती हैं, लेकिन दो घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप से जानमाल के नुकसान के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी जापान में 7.5 तीव्रता वाला भूकंप आने के बाद, शुक्रवार को फिर से झटके महसूस किए गए। उस दौरान प्रशांत महासागर तट के कुछ इलाकों में सुनामी भी आई थी।

भगोड़े अपराधियों पर कानून का शिकंजा

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित नाइटक्लब ब्रीच बॉय रोमिया लेन में 6-7 दिसंबर की रात आग लग गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। आग के दौरान क्लब में सुरक्षा इंतज़ाम न होने और गैस सिलेंडर/फायरवर्क्स से प्रज्वलन तेज़ फैलने की बात सामने आई। दिल्ली के व्यवसायी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा क्लब के सह-मालिक हैं। हादसे के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों थाईलैंड के फुकेत भाग गए। भारत ने उन्हें पकड़ने को इंटरपोल के ज़रिए ब्लू कार्नर नोटिस जारी करवाया। नोटिस के बाद थाई पुलिस ने दोनों को फुकेत में एक होटल से हिरासत में ले लिया। उन्हें बैंकॉक के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। थाईलैंड के साथ प्रत्यर्पण संधि के तहत दोनों को भारत भेजने की प्रक्रिया चल रही है। आइए जानते हैं, भारत से विदेश भागे अपराधियों, आरोपियों के प्रत्यर्पण की क्या प्रक्रिया है।

दूसरे देशों से प्रत्यर्पण संधि

अब तक भारत लाए गए बड़े अपराधी

- अबू सलेमको 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया, 1993 में मुंबई ब्लास्ट में आरोपी, अंडरवर्ल्ड अपराधी। औपचारिक प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत लाया गया।
- छोटा राजन को 2015 में इंडोनेशिया से डिपोर्ट किया गया। अंडरवर्ल्ड अपराधी, हत्या, जबरन उगाही में आरोपी। इंटरपोल ने इसके लिए रेड कार्नर नोटिस जारी की थी।
- हसन अली खान को 2011 में यूएई से प्रत्यर्पित किया गया। 70 हजार करोड़ रुपये की कथित मनी लॉन्ड्रिंग और, टैक्स चोरी के आरोप में औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध पर यूएई ने भारत को सुपुर्द किया।
- मोनिका बेदी को 2005 में पुर्तगाल/स्पेन से प्रत्यर्पित किया गया। बेदी पर फर्जी पासपोर्ट रखने और अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने का आरोप था।

कैसे काम करती है प्रत्यर्पण प्रक्रिया

● भारत और संबंधित देश में प्रत्यर्पण संधि का होना जहां पर भारत में घोषित अपराधी भागकर गया है और वहां उसकी गिरफ्तारी की गई है। प्रत्यर्पण संधि में यह तय होता है कि अगर कोई आरोपी वहां छिपा है तो उसे भारत भेजने के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी है। संबंधित आरोपी या अपराधी को भारत भेजने के लिए पुलिस या सीबीआई संबंधित आरोपों और सबूतों के साथ उस देश की सरकार को आधिकारिक प्रत्यर्पण अनुरोध भेजती है। संबंधित देश के अनुरोध पर इंटरपोल नोटिस जारी करता है। इंटरपोल जैसे वैश्विक संगठन की मदद से दुनिया भर में आरोपी की लोकेशन ट्रैक करने में मदद मिलती है, जिससे उसकी गिरफ्तारी आसान हो जाती है। आरोपी को उस देश की पुलिस हिरासत में लेती है। फिर दोनों देशों की कानूनी प्रक्रियाएं शुरू होती हैं जिसमें आरोपी को सुना जाता है, दस्तावेजों की जांच होती है और उस देश की अदालत में सुनवाई होती है कि प्रत्यर्पण देना है या नहीं। अदालत प्रत्यर्पण को मंज़ूरी दे देती है तो आरोपी को भारत भेज दिया जाता है। यह प्रक्रिया कुछ दिनों से लेकर महीनों तक भी चल सकती है।

क्या है रेड कॉर्नर नोटिस

● यह इंटरपोल की तरफ से जारी होने वाला सबसे गंभीर नोटिस है। यह किसी देश द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट जैसा माना जाता है ताकि किसी फरार अपराधी को पकड़ कर उस देश को सौंपा जा सके। इसमें व्यक्ति अपराधी या गंभीर आरोपी माना जाता है। इंटरपोल से सदस्य देशों की पुलिस को कहा जाता है कि इसे पकड़ो और उसकी सूचना हमें दो। फिर प्रत्यर्पण शुरू किया जाता है। यह गंभीर अपराध पर जारी किया जाता है।

ब्लू कॉर्नर नोटिस

● यह संदिग्ध या जांच के लिए ज़रूरी व्यक्ति की लोकेशन पता करने, पहचान पुष्टि करने, गतिविधियों का ट्रैक करने के लिए जारी किया जाता है। व्यक्ति आरोपी हो सकता है, लेकिन उसे फरार अपराधी घोषित करना अभी बाकी होता है। उद्देश्य सूचना इकट्ठी करना होता है, गिरफ्तारी करवाना नहीं। यह तब जारी किया जाता है जब पता नहीं हो कि व्यक्ति कहां है।

चीन की गतिविधियों में वृद्धि के बाद जापान-अमेरिका का सैन्य अभ्यास

अमेरिकी बमवर्षकों ने जापानी लड़ाकू विमानों के बेड़े साथ किया प्रदर्शन

टोक्यो, एजेंसी

अमेरिकी सामरिक बमवर्षक विमानों ने जापानी लड़ाकू विमानों के बेड़े के साथ एक संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य जापान के हवाई क्षेत्र के आसपास दोनों देशों के सैन्य सहयोग का प्रदर्शन करना था। रक्षा अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह अभ्यास ऐसे समय में हुआ है जब जापान और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। जापान-अमेरिका के संयुक्त अभ्यास से एक दिन पहले चीनी और रूसी बमवर्षक विमानों ने पश्चिमी जापान के आसपास संयुक्त रूप से उड़ान भरी थी, जिसके बाद जापान को अपने लड़ाकू विमान भेजने पड़े।

इससे पहले शनिवार को चीनी सैन्य विमानों ने जापानी विमानों पर रडार लॉक कर दिया था। यह घटना तोक्यो और बीजिंग के संबंधों में कड़वाहट की एक और वजह बनी। जापानी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार तड़के, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से तनावपूर्ण होती सुरक्षा स्थिति को लेकर टेलीफोन पर वार्ता की। बयान में संयुक्त अभ्यास का उल्लेख नहीं किया गया है। बयान में कहा गया कि मंत्रियों ने क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने वाली किसी भी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाइयां क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए अनुकूल नहीं हैं। कोइजुमी ने एक बार फिर कहा कि जापान अपने आसपास के हवाई क्षेत्र और जल क्षेत्रों में निगरानी गतिविधियां जारी रखेगा।

चीन के रडार लॉक की घटना पर चिंता जताई

टोक्यो। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने चीनी सैन्य विमान से जुड़े रडार लॉक की घटना पर गंभीर चिंता जताई। गत 6 दिसंबर को एक चीनी फाइटर जेट ने दक्षिण-पश्चिमी जापान में ओकिनावा प्रीफेक्चर के पास जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के विमान पर अपने रडार को टारगेट किया।

पुतिन ने वेनेजुएला के प्रति व्यक्त की एकजुटता

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को वेनेजुएला के लोगों के प्रति ऐसे समय में एकजुटता व्यक्त की, जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन ने फोन पर मादुरो से बात की और बढ़ते बाहरी दबाव के बीच राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा करने की उनकी नीति का समर्थन दोहराया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट से एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। यह मादुरो पर दबाव बढ़ाने की ट्रंप प्रशासन की नयी रणनीति मानी जा रही है। अमेरिका में मादुरो पर मादक आतंकवाद फैलाने के आरोप भी लगाए गए हैं। गुरुवार को अमेरिकी संसद के समक्ष अपने बयान में होमलैंड सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने टैंकर जब्ती को क्षेत्र में मादक पदार्थ विरोधी अभियान से जोड़ा। अमेरिका ने दशकों में पहली बार इस क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ाई है और कथित तौर पर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाली नौकाओं पर घातक हमले किए हैं। मादुरो का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का असली उद्देश्य उन्हें सत्ता से हटाना है। वेनेजुएला की सरकार ने टैंकर जब्ती को खुली लूट और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री डकैती बताया। वेनेजुएला सरकार ने कहा कि पुतिन ने मादुरो को स्पष्ट रूप से अपना समर्थन दोहराया और बताया कि मॉस्को और काराकास के बीच सीधा संवाद हमेशा खुला रहेगा। रूस ने आश्वासन दिया कि वह वेनेजुएला का उसके संप्रभुता, अंतर्राष्ट्रीय कानून और लातिन अमेरिका में शांति की रक्षा के संघर्ष में साथ देता रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज की तरह मादुरो ने भी रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।

सिंगापुर में भारतीय महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर

सिंगापुर। सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने विदेशों में संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं की सहायता के लिए सरकार की योजना के तहत एक वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) स्थापित किया है। यह पहल भारतीय सरकार की सखी वन स्टॉप सेंटर योजना के अंतर्गत की गई है, जो विदेशों में महिला-केंद्रित कल्याणकारी पहलों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने शुक्रवार को बताया कि सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में स्थापित 'वन स्टॉप सेंटर' संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं को व्यापक सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत, संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं को कानूनी, चिकित्सा और अन्य आवश्यक चीजों के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

यह केंद्र शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक या आर्थिक शोषण का सामना कर रही महिलाओं के लिए कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, अस्थायी आश्रय और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहित एकीकृत सहायता सेवाएं प्रदान करेगा। इस पहल को भारत के विदेश मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है और इसका वित्तपोषण भारतीय सामुदायिक कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ) द्वारा किया जाता है। इसी तरह के केंद्र बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा में भी शुरू किए गए हैं।

राजा से अनुमति मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने भंग की थाईलैंड की संसद

बैंकॉक, एजेंसी

● अगले साल देश में नए चुनाव कराने का रास्ता हुआ साफ

कंबोडिया के साथ जारी भीषण संघर्ष के बीच थाईलैंड में अगले साल की शुरुआत में नए चुनाव कराने के लिए शुक्रवार को संसद भंग कर दी गई। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न से मंजूरी मिलने के बाद प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया। यह अनुमोदन शुक्रवार को राजकीय राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ प्रभावी हो गया। अनुतिन ने गुरुवार देर रात फेसबुक पर एक पोस्ट के ज़रिए इस कदम का संकेत देते हुए कहा था कि मैं सत्ता जनता को लौटाना चाहता हूं।

राज परिवार की मंजूरी मिलने के बाद 45 से 60 दिनों के भीतर चुनाव कराना जरूरी है। इस अवधि में अनुतिन सीमित शक्तियों वाली कार्यवाहक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जो नया बजट मंजूर नहीं कर सकती। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब थाईलैंड, कंबोडिया के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर बड़े पैमाने पर संघर्ष में उलझा है। अनुतिन केवल तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने पैटोंगटार्न शिनवात्रा का स्थान लिया था, जो केवल एक वर्ष तक ही पद पर रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा की बेटी पैटोंगटार्न को जुलाई में हुए सशस्त्र संघर्ष से पहले कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के साथ एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील फोन कॉल को लेकर नैतिक उल्लंघन का दोषी पाया गया था, जिसके चलते उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया। अनुतिन ने सितंबर में संसद में हुए मतदान में मुख्य विपक्षी पीपुल्स पार्टी के समर्थन से जीत हासिल की थी।

बदले में उन्होंने चार महीनों के भीतर संसद भंग करने और निर्वाचित संविधान सभा द्वारा नया संविधान तैयार करवाने पर जनमत संग्रह कराने का वादा किया था। प्रगतिशील नीतियों पर काम करने वाली विपक्षी पार्टी लंबे समय से सैन्य शासन के दौरान बनाए गए संविधान में बदलाव चाहती रही है और इसे अधिक लोकतांत्रिक बनाने की मांग करती है। संवैधानिक बदलाव का मुद्दा संसद भंग करने की वजह प्रतीत होता है क्योंकि पीपुल्स पार्टी ने गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी।

विमान के टेल में फंसा स्काई डाइवर

मेलबर्न, एजेंसी

● ऑस्ट्रेलिया में 15 हजार फीट की ऊंचाई से लगाई थी छलांग

ऑस्ट्रेलियाई दुर्घटना जांचकर्ताओं ने एक स्काईडाइवर द्वारा छलांग लगाने के बाद उसका पैराशूट विमान के पिछले हिस्से (टेल) में उलझ जाने की भयावह तस्वीरें जारी कीं, जिसके कारण वह 4,500 मीटर (15,000 फुट) की ऊंचाई पर लटका रह गया।

ऑस्ट्रेलिया परिवहन सुरक्षा ब्यूरो ने गुरुवार को वीडियो जारी करते हुए जानकारी दी कि घटना 20 सितंबर को क्वींसलैंड राज्य के टुली हवाई अड्डे पर हुई और स्काईडाइवर एड्रियन फर्ग्यूसन ने खुद को बचाने के लिए हुक वाले चाकू का इस्तेमाल किया और उन्हें पैर में मामूली चोटें आईं। उस दिन सेसना कारवां विमान में सवार पायलट और 16 अन्य पैराशूट से उतरने वाले लोगों को कोई चोट नहीं आई। ब्यूरो के मुताबिक विमान वांछित ऊंचाई पर पहुंच चुका था, जहां स्काईडाइवर 16-सदस्यीय 'फॉर्मेशन जंप' करने की योजना बना रहे थे। 17वां पैराशूटर एक खुले दरवाजे पर खड़ा था, ताकि बाकी लोगों के कूदने के दौरान वह वीडियो रिकॉर्ड कर सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्ग्यूसन विमान से बाहर निकल रहे थे तभी उनके रिजर्व पैराशूट की रस्सी विमान के पिछले हिस्से में फंस गई। हालांकि पैराशूट खुला और फर्ग्यूसन को पीछे की ओर झटका लगा। इससे उन्होंने कैमरा ऑपरेटर को विमान से बाहर धकेल दिया और वह नीचे गिरने लगे। फर्ग्यूसन के पैर विमान के क्षैतिज स्टेबलाइजर से टकराए, जिसके बाद पैराशूट उसमें उलझ गया और वह हवा में लटक गए। फर्ग्यूसन ने चाकू से 11 रस्सियां काटी और मुख्य पैराशूट खोला, जो रिजर्व पैराशूट के हिस्से से उलझने के बावजूद पूरी तरह से खुल गया, और वे सुरक्षित नीचे उतर गए।

अमेरिका में गैस विस्फोट से घरों को क्षति, छह घायल

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र के एक इलाके में गुरुवार को गैस विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई, जिसके कारण छह लोग घायल हो गए। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की घटना में एक घर पूरी तरह से नष्ट हो गया, कुछ घरों की खिड़कियां टूट गईं और आसपास के घरों में कंपन महसूस हुई। वीडियो फुटेज में हेवर्ड शहर में स्थित एक घर में अचानक विस्फोट होता दिख रहा है। विस्फोट इतना जोरदार था कि मलबा हवा में फैल गया।

म्यांमार में अस्पताल पर हवाई हमला, 34 लोगों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी

म्यांमार में एक प्रमुख हथियारबंद विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में सेना द्वारा किए गए हमले में एक अस्पताल नष्ट हो गया। इस घटना में 34 मरीज और चिकित्सा कर्मचारी मारे गए जबकि 80 अन्य घायल हो गए। गुरुवार को एक बचावकर्मी और स्वतंत्र मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

पश्चिमी राज्य रखाइन के जातीय अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले क्षेत्र म्राउक-यू कस्बे में बुधवार रात को जनरल अस्पताल पर हुए हमले में लगभग 80 अन्य लोग घायल हो गए।

● विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में सैन्य हमले में 80 अन्य घायल

म्यांमार की सत्ता पर 2021 में कब्जा करने वाली और तब से जातीय मिलिशिया एवं सशस्त्र विद्रोही बलों से लड़ रही सेना ने इस क्षेत्र में किसी भी हमले का जिक्र नहीं किया है। रखाइन में बचाव सेवाओं के एक वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने रात 9.13 बजे दो बम गिराए, जिनमें से एक अस्पताल के रिकवरी वार्ड में गिरा और दूसरा अस्पताल की मुख्य इमारत के पास गिरा।

उन्होंने बताया कि वह सहायता प्रदान करने के लिए बृहस्पतिवार तड़के अस्पताल पहुंचे और वहां 17 महिलाओं और 17 पुरुषों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बमों से अस्पताल की इमारत का अधिकतर हिस्सा नष्ट हो गया और अस्पताल के पास खड़ी टैक्सियां एवं मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। रखाइन स्थित ऑनलाइन मीडिया ने क्षतिग्रस्त इमारतों की तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं जिसमें आस-पास बिखरे मलबे, चिकित्सा उपकरण नजर आ रहे हैं। वाई हुन आंग ने कहा कि यह अस्पताल रखाइन के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल का मुख्य स्रोत रहा है, जहां म्यांमार के गृहयुद्ध के कारण अधिकतर अस्पताल बंद हो गए हैं। म्यांमार की समानांतर नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट ने इस हवाई हमले की निंदा की है। 2021 में पद ग्रहण से रोके गए निर्वाचित सांसदों ने इस समानांतर सरकार का गठन किया है।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 13 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 16.37 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

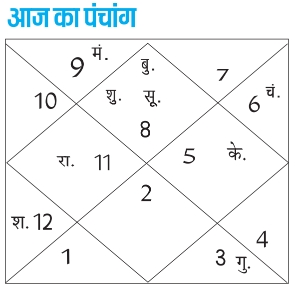

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त पूर्ण रात्रि तक।

मेष - आज यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था, तो वह दूर हो सकता है। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा और संतुलित रहेगा। धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं। किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से मन शांत होगा।

वृष - आज गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। मित्रों के परामर्श पर गंभीरता से ध्यान दें। संतान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है। प्रेम संबंधी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है।

मिथुन - आज निजी संबंधों को लेकर गंभीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं। इस समय नया कार्य आरंभ करना उचित नहीं है। पेट व सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

कर्क - आज विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आप कुछ दिनों की छुट्टियों को लेकर योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार में बड़ा लाभ मिल सकता है। लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे।

सिंह - आज कारोबार से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट न करें। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिए लापरवाही भारी पड़ सकती है।

कन्या - आज आप अत्यंत आनंदित रहने वाले हैं। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

तुला - आज का दिन यात्राओं के लिए सुखद नहीं रहेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें। कोई आवश्यक निर्णय अचानक लेना पड़ेगा।

वृश्चिक - आज दोपहर के बाद शुभ समाचार मिल सकते हैं। भारी उद्योगों से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ हो सकता हैं। परिवार की जरूरतों पर धन खर्च करना पड़ेगा। धैर्यपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेमी जन की भावनाओं की कद्र करें।

धनु - आज व्यावसायिक लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। नए घर या जमीन में निवेश सकते हैं। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। दूसरों की बातों को अधिक तूल न दें। संतान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे।

मकर - आज अनावश्यक खर्चे नियंत्रित रखें। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए। लोग आपके विरुद्ध गलत धारणा बना सकते हैं। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें। आपके काम कुछ गतिरोध के साथ पूर्ण होंगे।

कुंभ - आज अधिक विचार करने की आदत से आपको बचना चाहिए। मान-सम्मान की चिंता रहेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे। अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें।

मीन - आज अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। इस समय सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हैं। अपने मन की बातें उनसे साझा कर सकते हैं। अपना मन हर स्थिति में शांत रखें। घर के लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सुडोकू-189

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
2								
8								
3								7
				5				
					8			
		6						
	5							

सुडोकू - 188 का हल

5	1	7	4	9	2	3	6	8
2	8	9	6	1	3	4	5	7
6	3	4	7	5	8	1	2	9
9	2	1	3	6	5	8	7	4
4	7	5	1	8	9	2	3	6
3	6	8	2	4	7	9	1	5
8	4	6	5	2	1	7	9	3
1	9	3	8	7	6	5	4	2
7	5	2	9	3	4	6	8	1

"मुझे लगता है कि संन्यास लेने से पहले इस टीम के लिए मैच जीतने की मेरी भूख कम हो रही थी, लेकिन मैंने जो ब्रेक लिया उसने मेरी भूख को फिर से जगा दिया। मैं टीम के साथियों से कह रहा था कि मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले कभी ऐसा महसूस किया है।

-क्विंटन डिकॉक

हाईलाइट

युवा एशियाई पैरा खेल 2025 में भारतीयों का चमकदार प्रदर्शन

दुबई। भारत के पैरा खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां युवा एशियाई पैरा खेल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें बेबी सहाना रवि और विश्व विजय तांबे ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीता। सहाना रवि ने पैरा टेबल टेनिस के क्लास एसएफ-9 (अंडर-23) वर्ग में फिलीपींस की ले मैरी मैंगिनसे को सीधे सेटों में हराकर स्वर्ण पदक जीता। विजय तांबे ने उत्तर कोरिया के क्वांग नाम सो के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद क्लास एसएम-10 वर्ग में भारत के खाते रजत पदक जोड़ा। दस से 13 दिसंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में 11 खेल स्पर्धाओं तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बोचया, गोलबॉल, पावरलिफ्टिंग, तैराकी, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और पंजा में मुकाबला होगा। भारत ने 99 खिलाड़ियों का दल भेजा है जिसमें 61 पुरुष और 38 महिलाएं हैं जो आठ खेल स्पर्धाओं में मुकाबला करेंगे।

कोहली 15 वर्षों बाद विजय हजारे ट्रॉफी में जोर दिखाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऋषभ पंत को 24 दिसंबर से शुरू होने वाले विजय हजारे राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है। कोहली ने हाल ही में दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन को अपनी उपलब्धता के बारे में बताया, जिससे 15 साल बाद दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2010 में सर्विसेज के खिलाफ टूर्नामेंट में खेला था और इस सीजन में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेल चुके हैं। कोहली और रोहित शर्मा, जो भारत की टेस्ट और टी-20 टीम से संन्यास ले चुके हैं, अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधत्व करते है।

गिल से आईपीएल जैसी बल्लेबाजी चाहती है टीम इंडिया

भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा - शुभमन ने खुद पर बहुत अधिक बोझ ले लिया

मुल्लांपुर, एजेंसी

भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा कि स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने टी20 में वापसी के बाद से खुद पर बहुत अधिक बोझ ले लिया है और टीम चाहती है कि वह आईपीएल की तरह ही खुलकर बल्लेबाजी करें। गिल ने सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी की थी। उन्होंने शीर्ष क्रम में संजू सैमसन की जगह ली, लेकिन वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठने लग गए हैं।

भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में हार के बाद टेन डोएशे संवाददाताओं से कहा कि गिल को सबसे छोटे प्रारूप में थोड़ा सहज होने की जरूरत है और उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में इसके संकेत दिखाए थे। टेन डोएशे ने पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा इंग्लैंड में जिस तरह से उन्होंने कप्तानी संभाली और जिस तरह से उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया उसकी कुछ झलक टी20 टीम में उनके इरादों में दिखती है।

उन्होंने कहा अगर कुछ था तो वह कुछ ज्यादा ही परवाह करने वाले खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को लेकर शायद कुछ थोड़ा ज्यादा सख्त हो गए। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में हमारी बातचीत उस जिम्मेदारी को कम करने और स्वच्छंद होकर खेलने से जुड़ी थी। विशेषकर उस भूमिका में जहां आपको लगता है कि आपको टीम में अपनी जगह को सही साबित करने की जरूरत है। टेन डोएशे ने कहा हम नहीं चाहते कि वह ऐसा करे। हम चाहते हैं कि जिस तरह से उन्होंने आईपीएल में खुलकर बल्लेबाजी की थी, यहां भी वह इस तरह की आजादी से खेलें। हमें उसकी प्रतिभा पर भरोसा है और हमें विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भी ऐसा ही है। नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर ने सूर्यकुमार का भी समर्थन किया, जो पिछले साल कप्तानी संभालने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टेन डोएशे ने कहा सूर्या बेहतरीन खिलाड़ी हैं और हमें उन जैसे खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें हैं। अगर आप भारत की तरफ से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं, तो आप पर रन बनाने का दबाव होना स्वाभाविक है। उनका प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है।

तीसरे टी20 मुकाबले के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीकी की टीमें धर्मशाला पहुंच गईं। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

शुभमन का खराब फॉर्म एक बुरा संकेत : इरफान पठान

नई दिल्ली : भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि शुभमन गिल का खराब फॉर्म न केवल उन पर व्यक्तिगत रूप से बल्कि टीम प्रबंधन पर भी दबाव बढ़ा रही है। पठान ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि संजू सैमसन को वापस लाकर पहले की तरह के सफल बल्लेबाजी संयोजन को बहाल करना भी उतना आसान नहीं होगा, क्योंकि केरल के इस खिलाड़ी को भी अपनी लय वापस पाने में कुछ समय लगेगा। भारत के लिए टी20 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सैमसन काफी सफल रहे थे। इसके बाद जब गिल को टी20 उप-कप्तान बनाया गया तो सैमसन की जगह उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया।

सिर्फ दो मैचों के बाद आंकलन ठीक नहीं : नेहरा

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म पर जल्दबाजी में की जा रही आलोचनाओं से नाखुश हैं और उन्होंने कहा कि इतने उतार-चढ़ाव वाले टी20 प्रारूप में दो मैच के आधार पर किसी खिलाड़ी को खारिज कर देना जल्दी निष्कर्ष निकालने की बढ़ती हुई प्रवृत्ति का संकेत है।

एशिया कप के दौरान उप-कप्तान के रूप में टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में लौटे गिल ने पिछले 10 मैच में कुल 181 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 140 से कम रहा है। पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स के कोच के तौर पर गिल को करीब से देखने वाले नेहरा से पूछा गया कि क्या वह चिंतित हैं जबकि आईपीएल

शुरू होने में अभी तीन महीने ही बचे हैं। अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर पूर्व तेज गेंदबाज नेहरा ने कहा तीन महीने तो छोड़ दो, अगर आईपीएल तीन हफ्ते बाद भी होता तब भी मैं चिंतित नहीं होता क्योंकि आप टी20 जैसे प्रारूप की बात कर रहे हैं। और अगर मैं गलत नहीं हूं तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ दो मैच ही खेले गए हैं। नेहरा का मानना है कि भारत में आलोचना की मूल समस्या सिर्फ संख्याओं को देखकर निष्कर्ष पर पहुंच जाना है। उन्होंने कहा यही हमारी समस्या है। इस प्रारूप में (भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हो या आईपीएल) अगर शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी को दो-तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने पर आंका जाए तो मुश्किल होगी। अपनी खास व्यंग्यात्मक शैली में नेहरा ने कहा कि अगर बदलाव चाहिए तो विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा आपके पास बहुत विकल्प हैं। अगर आप देखना चाहते हैं तो अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को हटा सकते हैं तथा साई सुदर्शन और रुतुराज गायकवाड़ को पारी का आगाज करा सकते हैं। नेहरा ने कहा अगर आप इन्हें (साई और रुतुराज) भी हटाना चाहें तो वाशिंगटन सुंदर और ईशान किशन से पारी का आगाज करा सकते हैं। इसलिए विकल्प बहुत हैं।

न्यूजीलैंड की जीत से भारत को एक पायदान का नुकसान

दुबई : वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में एक स्थान फिसल कर छठे पायदान पर पहुंच गयी। इस शानदार जीत से तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गयी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआती दो चक्र की उपविजेता रही भारतीय टीम को पिछले महीने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करने के बाद बड़ा खामियाजा उठाना पड़ा था। टीम तब तालिका ने पांचवें स्थान पर खिसक गई थी जबकि उस समय न्यूजीलैंड छठे स्थान पर था। बेसिन रिवर्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की बड़ी जीत के बाद तालिका में उलटफेर देखने को मिला।

पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों (जीत-हार प्रतिशत) के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका (66.67) संयुक्त तीसरे जबकि पाकिस्तान (50) पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक 66.67 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, जबकि भारत का जीत-हार प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड अगर एशेज में वापसी करने में सफल रहा तो भारतीय टीम और नीचे खिसककर सातवें स्थान पर आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज में 2-0 से आगे है और सीरीज में तीन और मैच खेले जाने हैं। भारत की अगली टेस्ट श्रृंखला अगस्त 2026 में श्रीलंका से होगी।

मेसी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार

कोलकाता, एजेंसी

अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी, लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा।

मेसी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब यहां साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेसी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नयी दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेसी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है। आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेसी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपये तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं।

मेसी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है।

कोलकाता में रिहर्सल के तहत भारत और अर्जेंटीना के झंडे को लहराते वॉलंटियर्स। लियोनेल मेसी की जर्सी बेचता युवक। एजेंसी

चार महानगरों में जाएंगे, पीएम मोदी से भी मिलेंगे

मेसी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे। अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है।

उन्नति, तस्नीम व रौनक पहुंचे सेमीफाइनल में

कटक। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा, तस्नीम मीर, इशारानी बरुआ, किरण जॉर्ज और रौनक चौहान ने ओडिशा मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पुरुष एकल में दूसरे वरीय किरण ने रित्विक संजीव को 33 मिनट में 21-11, 21-17 से हराकर अपना दमखम बरकरार रखा। अब उनका मुकाबला रौनक से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त हमवतन शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 41 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-19, 22-20 से हराकर उलटफेर किया। इंडोनेशिया के मो यूसुफ ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थारुन मन्नेपल्ली को 49 मिनट में 21-9, 22-20 से हराया। महिला एकल क्वार्टर फाइनल में भी कुछ चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले जहां सेमीफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ियों के पहुंचने से खिताब भारत के नाम पक्का हो गया।

सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारी से भारत ने यूएई को 234 रनों से हराया

दुबई, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी की 95 गेंद में 171 रन की ताबड़तोड़ पारी से भारत ने अंडर-19 वनडे एशिया कप के अपने शुरुआती मैच में शुक्रवार को यहां यूएई को 234 रनों के बड़े अंतर से हराया। इस 14 साल के खिलाड़ी ने 14 छक्के लगाकर अंडर-19 वनडे क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके भी जड़े।

सूर्यवंशी की आतिशी पारी के अलावा विहान मल्होत्रा (55 गेंद में 69) और आरोन जॉर्ज (73 गेंद में 69) की अर्धशतकीय पारियों से भारत ने 50 ओवर में छह विकेट पर रिकॉर्ड 433 रन बनाये। यह अंडर-19 वनडे में भारत का सर्वाधिक स्कोर होने के साथ एशिया कप इतिहास का भी सर्वोच्च स्कोर है।

यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी भारत को टक्कर देने की स्थिति में नहीं दिखी। टीम ने पृथ्वी मधु (50) और उद्धिश सूरी (नाबाद 78) की अर्धशतकीय पारियों से सात विकेट पर 199 रन बनाये। सूर्यवंशी की 171 रन की पारी अब युवा वनडे में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यह रिकॉर्ड अंबाती रायुडु के नाम है जिन्होंने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 177 रन बनाये थे। यह अंडर-19 वनडे में नौवा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सूर्यवंशी ने क्रीज पर आते ही यूएई के गेंदबाजों की खबर लेनी शुरू कर दी। उन्होंने 30 गेंद में अपना अर्धशतक और फिर 56 गेंद में शतक पूरा किया। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी की। वह 33वें ओवर में स्पिनर सूरी की गेंद पर आउट हुए। उनके आउट होने के बाद वेदांत त्रिवेदी (34 गेंद में 38 रन), अभिज्ञान कुंडू (17 गेंद में नाबाद 32) और कनिष्क चौहान (12 गेंद में नाबाद 28) ने रनों का प्रवाह जारी रखते हुए भारत को 400 रन के आंकड़े के पार पहुंचाया। यूएई ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 53 रन तक छह विकेट गंवा दिए। सूरी और मधु ने इसके बाद सातवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी कर टीम के हार को अंतर को कम किया।

अंडर-19 वनडे एशिया कप

171	रन	09	चौके
95	गेंद	14	छक्के

पीटी उषा की डोपिंगरोधी किट के उत्पादन को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य पीटी उषा ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी डोपिंगरोधी परीक्षण किटों के उत्पादन को बढ़ावा देने का आग्रह किया और कहा कि इससे न केवल लागत कम होगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उषा ने राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया और कहा कि परीक्षण किट आयात करने से परिणामों में देरी होती है और ऐसे में विदेशी कंपनियों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार वर्तमान में दो स्विस कंपनियां बर्लिंगर और लॉकक्कॉन भारत में इन परीक्षण किटों की आपूर्ति कर रही हैं। उषा ने कहा मैं इस सदन का ध्यान एक ऐसे मामले की

तरफ खींचना चाहती हूं जो हमारे खिलाड़ियों की गरिमा और हमारे राष्ट्र की वैश्विक छवि को प्रभावित करता है। भारत को डोपिंग मुक्त खेल राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत डोपिंगरोधी किटों के स्वदेश में उत्पादन को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा डोपिंग बड़ा खतरा है जो निष्पक्ष खेल, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और विश्व मंच पर हमारे देश की प्रतिष्ठा को लगातार खतरे में डाल रहा है। अभी हम उच्च गुणवत्ता वाले अधिकतर डोप परीक्षण किटों को आयात कर रहे हैं। इसमें काफी लागत आती है, परीक्षण में देरी होती है और बाहरी कंपनियों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश को अपने डोपिंग रिकॉर्ड में काफी सुधार करना होगा। इस समस्या से निपटने में भारत की स्थिति खराब है और डोपिंग के मामले में वह नियमित रूप से दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल रहता है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एक सप्ताह पहले राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में कहा था कि सरकार डोपिंग विरोधी उपायों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्क्वाश विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

चेन्नई। भारत ने स्क्वाश विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनुभवी जोशना चिनप्पा, उभरती स्टार अनाहत सिंह और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब भारत का मुकाबला मौजूदा चैंपियन मिस्र से होगा।

जोशना ने पहले महिला एकल में टीगन रसेल को महज 13 मिनट में 3-0 (7-4, 7-4, 7-2) से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दी। अभय ने डेवाल्ड वैन नीकर्क पर 3-0 (7-1, 7-6, 7-1) से जीत हासिल करके बढ़त दोगुनी कर दी। टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की अनाहत ने हेली वार्ड के खिलाफ 3-0 (7-3, 7-3, 7-4) की जीत के साथ भारत की सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी।

उम्मीद कायम

पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद कुश्ती से बना ली थी दूरी

विनेश फोगाट ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कहा कि उनका जोश और जज्बा अब भी पहले की तरह कायम है और वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने के लिए संन्यास से वापसी करेगी। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद खेल से दूरी बना ली थी। पेरिस ओलंपिक में उन्हें महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले निर्धारित वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

उन्होंने खेल पंचाट (सीएएस) में संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की थी, लेकिन फैसला नहीं बदला गया, जिसके चलते उन्होंने संन्यास की घोषणा की और राजनीति में प्रवेश किया। वह हरियाणा के जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुनी गईं।

विनेश ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस में ही मेरे सफर का अंत हो गया है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर रहने की जरूरत थी। कई वर्षों में पहली बार मैंने चैन की सांस ली।

उन्होंने कहा मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया। चरम पर पहुंचना, दिल टूटने के पल, मेरे बलिदान और मेरे वो रूप जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। उस आत्मचिंतन में कहीं न कहीं मुझे इस सच्चाई का एहसास हुआ कि मुझे अब भी यह खेल पसंद है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं। इस बीच विनेश जुलाई में एक बेटे की मां भी बनी। विनेश ने कहा उस सन्नाटे में मुझे एक ऐसी बात का एहसास हुआ जिसे मैं भूल चुकी थी। यह था कि वह जोश कभी खत्म नहीं हुआ है।

यह केवल थकान और शोर के कारण नेपथ्य में चला गया था। अनुशासन, दिनचर्या, संघर्ष, यह सब मेरे भीतर मौजूद हैं। मैं चाहे कितनी भी आगे निकल जाऊं, मेरा एक हिस्सा हमेशा मैट पर ही रह जाता है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक जीतना है लक्ष्य

विनेश ने कहा कि वह नए जोश और जज्बे तथा अपने बेटे के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपने सफर को शुरू करेगी। उन्होंने कहा इसलिए मैं आज यहां पर मौजूद हूं तथा पूरी निडरता और दृढ़ संकल्प के साथ लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तरफ कदम बढ़ा रही हूं। इस बार मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा भी मेरी टीम में शामिल हो रहा है। वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक के इस सफर में मेरा छोटा सा चीयरलीडर है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर पहले ही इतिहास रच दिया था। तीन बार की ओलंपियन विनेश ने एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों दोनों में स्वर्ण पदक जीते हैं।